मूल्य-20

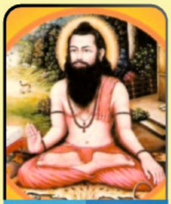


अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

# जांगिड ब्राह्मण

# JANGID BRAHMIN

वर्ष:118, अंक:06 , जून - 2025 ई. , तारीख 22-27 प्रति माह

POSTED UNDER LICENCE U(DN)39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

## डॉ. तुलसी राम शर्मा

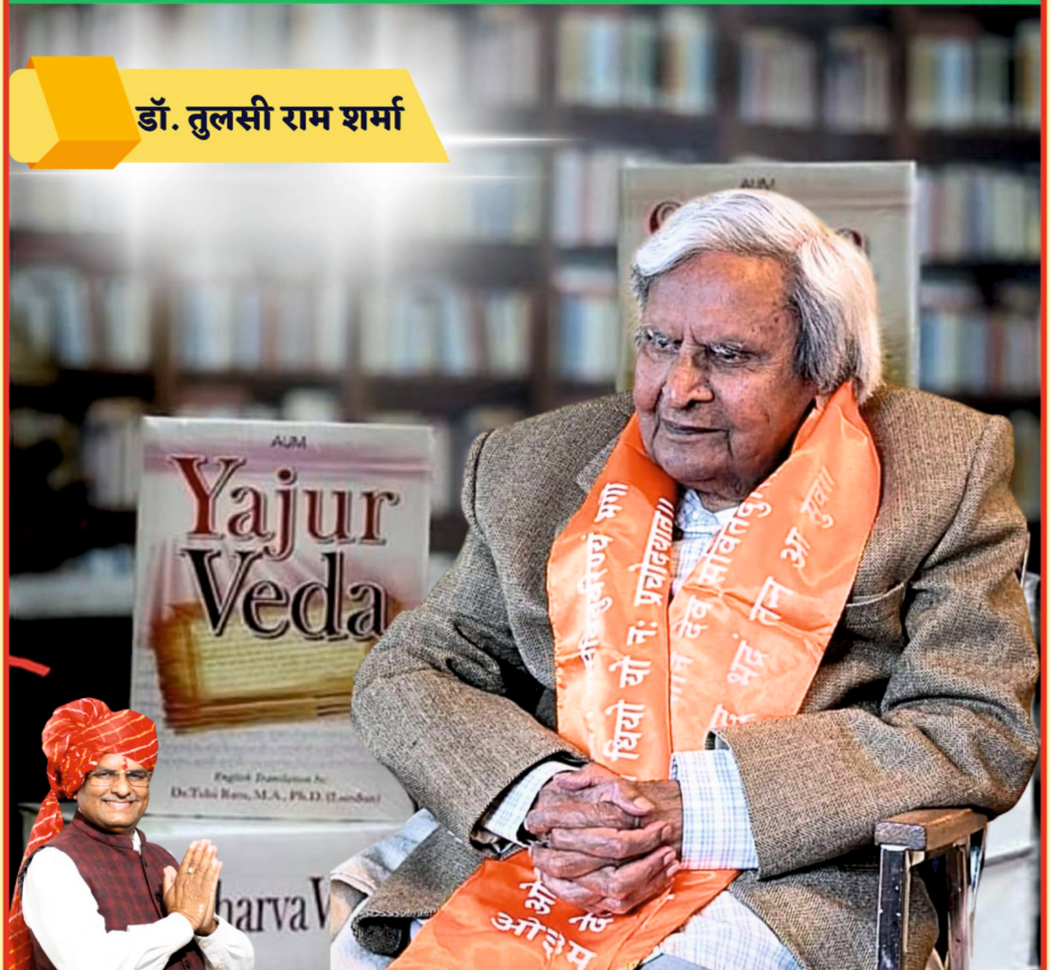


संसार में कुछ ऐसी महान शख्सियत होती हैं, जो अपने उदात्त व्यक्तित्व और कृतित्व के माध्यम से अपने जीवन में अमिट छाप छोड़ जाते हैं और ऐसे ही जांगिड ब्राह्मण समाज के एक प्रकाण्ड पंडित और अनेक भाषाओं के मर्मज्ञ, उच्च कोटि के विद्वान, प्रबुद्ध व्याख्याकार, महान चिंतक हुए हैं डॉ तुलसी राम शर्मा, जिन्होंने अंग्रेजी में पीएचडी की उपाधि हासिल की और अनेक शिक्षण संस्थानों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और इनकी प्रतिभा का लौहा तो अंग्रेज भी मानते थे। उन्होंने अपनी दक्षता बुद्धिमता और प्रतिभा के बल पर अंग्रेजी भाषा में पारंगता हासिल की और विदेशों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। डॉ तुलसी राम शर्मा ने चारों वेदों का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया और इसके अतिरिक्त उन्होंने उपनिषद, मनुस्मृति, रामायण, महाभारत, श्रीमद्भागवत गीता, सत्यार्थ प्रकाश और संस्कार विधि सहित अनेक धार्मिक पुस्तकों का अंग्रेजी भाषा में लेखन एवं भाष्य किया जो अपने आप में एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। ऐसे महान युगपुरुष, विश्व विख्यात शोधक और अंग्रेजी भाषा के प्रख्यात साहित्यकार डॉ तुलसी राम शर्मा को कोटि-कोटि नमन और प्रणाम।

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

संपादक- रामभगत शर्मा

# सवाई माधोपुर में 6 जून को आयोजित ,जिला सभा कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का कैमरे की नजर में विहंगम दृश्य

# देवास मध्य प्रदेश में 7 जून को कलियुग में भगवान श्रीकृष्ण के अवतार माने जाने वाले प्रभू खाटूश्यामजी की मूर्ति का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह

# INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

## Our Management Team

Rampal Sharma

Deepak Sharma

Jagmohan Sharma

Amith Sharma

With its existence over three and half decades, we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

**OUR STRENGTHS**
- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

## Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

## Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

## OUR SERVICES

**ON SITE**
- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

**OFF SITE**
- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

## Reach us:

**Corporate Office:** No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

## Some of our Valuable Clients

Flying Machine, U.S. Polo Assn., Aeropostale, Arrow, LP Louis Philippe, Peter England, Nautica, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, Van Heusen, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, Tanishq, Taneira, Titan, Helios, fastrack, Titan Eyeplus, Mia, Melorra, Centro, Birkenstock, Third Wave Coffee, Swayamvar, Shoppers Stop, Bluestone, Beauty, Swish, Tasva, Manyavar

## ''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

**अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा**

**प्रधान कार्यालय**

**440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006**

**दूरभाषः- 9990070023**

**Website: www.abjbmahasabha.com**

**E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com**

**सम्पर्क सूत्र**

**प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड'' - 09844026161**

**महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड'' - 09414003411**

**सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड'' - 09814681741**

## 'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

| सदस्यता | | रुपये |
|---|---|---|
| प्लैटिनम सदस्य | - | 1,00,000/- |
| स्वर्ण सदस्य | - | 51,000/- |
| रजत सदस्य | - | 25,000/- |
| विशेष सम्पोषक | - | 21,000/- |
| सम्पोषक सदस्य | - | 11,000/- |
| संरक्षक (पत्रिका सहित) | - | 2,100/- |
| संरक्षक (पत्रिका रहित) | - | 500/- |
| वार्षिक पत्रिका शुल्क | - | 240/- |
| मासिक पत्रिका शुल्क | - | 20/- |

## विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

## महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

**अरूण कुमार (अनिल जांगिड)**
**कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553**

**।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।**

# अनुक्रमणिका


02. सवाई माधोपुर में 6 जून 2025 को आयोजित जिलासभा की शपथ ग्रहण की चित्रावली....
03. देवास म0प्र0 में 7 जून को खाटूश्याम जी..
07. सम्पादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
11. डॉ.तुलसी राम शर्मा-जां0समाज की महान....
14. सन्त शिरोमणि,स्वामी कल्याण देव...
17. महा0प्रधान ने सवाई माधोपुर के जिलाअध्यक्ष..
19. इन्दौर में 22 जून को होने वाली महासभा..
21. प्राचीन श्री वि0मंदिर पहाड़गंज के गंगादीनजा.
22. देवास, मध्य प्रदेश में 7 जून को कलियुग.
24. रजत जांगिड-भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधि0
25. डॉ. कृति शर्मा नीट की परीक्षा के माध्यम
26. गाजियाबाद की खुशबू जांगिड ने कराटे प्रति..
27. महासभा का देश के राज्यों बिहार,उड़ीसा,....
28. विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा द्वारा.
30. माता-पिता की सेवा से बढ़कर कोई भी...
31. संत कबीरः समय से परे सत्य का उद्घोषक..
32. विश्व पितृ- दवस के अवसर पर अपने पिता
32. चु0अधि0 जिलाध्यक्ष पद-बांसवाडा,दौसा,डूंगरपुर.
33. गुजरात में जिलाध्यक्षों के चुनाव 27 जुलाई
34. देश की आगामी जाति जनगणना जांगिड....
36. प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव अधिसूचना... उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक..
43. महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य
49. वैवाहिक विज्ञापन..
50. महासभा दिल्ली के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य
50. महासभा दिल्ली के पच्चीस हजार रूपये के रजत सदस्य
51. महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची..



प्रचार सामग्री (विज्ञापन)
कृष्णा इंटीरियर
भारत व्हील
शर्मा एण्ड कम्पनी
भागीरथ मोटर्स


## न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

## विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

**कृपया ध्यान दें**- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

**-सम्पादक**


**इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।**

**सम्पादकीय.....**

# जीवन में पाप का मूल लोभ है, जिससे मनुष्य की वृत्ति खराब होती है।

भगवान श्रीकृष्ण ने श्री मद्भागवत गीता में काम, क्रोध, मद, लोभ और मोह को मनुष्य के आध्यात्मिक जीवन में सबसे बड़ी बाधा बताया है और इन पांच मानसिक विकारों में, लोभ वृत्ति सबसे बड़ी चिंता का विषय है। लोभ के वशीभूत होकर ही, मनुष्य ऐसे अकल्पनीय कर्म कर बैठता है, जिसकी परिकल्पना कभी भी नहीं की होगी और **इस लोभ को ही मुख्य रूप से पाप का मूल अर्थात जड़ कहा गया है और यह लोभ वृत्ति एक ऐसी अमरबेल है, जिसको जितना भी सींचा जाएगा, वह उतनी ही ज्यादा बढ़ती रहती है। जिस व्यक्ति के मन में पाप की ग्रंथि विकसित हो जाती है, तो उस व्यक्ति की लालसा और अभिलाषा अनन्त और असीम हो जाती है और यह लोभ वृत्ति, अनाज में लगे घुन के समान प्रतिपल बढ़ती रहती है और जिसकी कोई भी सीमा नहीं है।** यह अनन्त और असीम है।

**इस लोभ वृत्ति का आकलन किया जाए तो यह सहज रूप से ही सिद्ध हो जाता है कि जीवन में अधिक से अधिक प्राप्त करने की प्रबल इच्छा और उत्कट अभिलाषा ही, लोभ का मुख्य कारण है और 'जिससे मनुष्य की लोभ की वृत्ति कभी भी तृप्त नहीं होती है और न ही कभी भी किसी भी तरीके से, इसको तृप्त किया जा सकता है । जिस प्रकार से रेगिस्तान की तपती रेत को मेघ द्वारा अपार वृष्टि करने के बाद भी शीतल नहीं किया जा सकता है।** वैसे ही जिस **मनुष्य के मन में लोभ की वृत्ति जागृत हो गई है और उसने मनुष्य की चेतना को प्रभावित कर दिया तो, इस संसार की संपूर्ण संपदा भी उस व्यक्ति के हाथ लग जाए तो भी वह उस लोभ वृत्ति को कभी भी तृप्ति प्रदान नहीं कर सकती है ।**

मनुष्य के चेतन मन में, लोभ के वशीभूत होकर, अधिक से अधिक प्राप्त करने की ललक और लालसाही, उस मनुष्य के मन और बुद्धि को विकृत करके उसकी विवेक की शक्ति को कुंठित बना देती है और यही लोभ और लालच ही मनुष्य को पाप तथा घृणित कृत्य करने के लिए भी अभिप्रेरित करता है। **जिस व्यक्ति में लोभ का आधिक्य होता है, तो यह लोभ रूपी ग्रंथी ही, मनुष्य को विवेक शून्य बना देती है और लोभ के वशीभूत होकर, वह मनुष्य धर्म–अधर्म, पाप–पुण्य, लाभ–हानि, यश अपयश में अंतर करने में अशक्त और असमर्थ हो जाता है।** जीवन में जो भी लोभी व्यक्ति है, उसकी मनन और चिंतन करने की शक्ति पूर्ण रूप से विलुप्त हो जाती है और **सबसे बड़ी विडंबना यह है कि, मानसिक रूप से विकृति का शिकार ऐसा लोभी व्यक्ति कभी भी पाप को पाप नहीं समझता है और वह येन केन और प्राकरेण, किसी भी तरह अपनी लोभवर्ती की प्रतिपूर्ति ही चाहता है और अपना उद्देश्य सफल करने के लिए वह किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार होता है।**

समाचार पत्रों में ऐसी खबरें आम सुर्खियां बटोर रही होती है कि **लोभ के वशीभूत होकर और सम्पत्ति के लालच में आकर, बेटे ने अपने पिता की नृशंस तरीके से हत्या कर दी और एक भाई ने भाई को बलि चढ़ा दिया।** लोभ की इस प्रक्रिया में एक बेटा, एक भाई और एक पिता सभी सांसारिक संबंधों की बलि चढ़ा देता है और उसके मन में परिव्याप्त कलुषित भावनाओं के कारण ही, वह नैतिकता, धर्म तत्व और सदाचार रुपी मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं से कोसों दूर चला जाता है और वास्तव में यह एक ऐसा कलुषित मनोविकार है, जो मनुष्य को, केवल पतन के मार्ग की ओर ही अग्रसर करता है ।

मानवीय चिंतन के मूल सिद्धांतों के बारे में गहराई से विचार विमर्श करने से एक बात स्पष्ट है कि **एक निर्धन मनुष्य वह नहीं है, जिसके पास धन का अभाव है, अपितु एक निर्धन मनुष्य वास्तविक रुप में निर्धन वहीं है, जिसके अन्तःकरण में अत्यधिक लोभ की भावना जागृत हो गई है** और ऐसा लोभी और **लालची व्यक्ति कोई भी निकृष्ट कार्य को करने में कभी भी संकोच नहीं करता है, क्योंकि उसकी अत्यधिक लोभ**

**की वृत्ति ने, उसकी मानसिक शांति, संतुष्टि और असीम आनंद की भावना को समाप्त कर दिया है** और लोभ की इस मूल ग्रंथि से ही एक प्रकार से पाप का जन्म होता है। इस जीवन को सार्थक बनाने के लिए इस लोभ रुपी वृत्ति पर अंकुश लगाने के साथ ही अध्यात्म का प्रश्रय लेना पड़ेगा ताकि इस मानव जीवन का वास्तविक अर्थ एक मनुष्य के समझ में आ जाए।

हमारे वेदों और शास्त्रों में उल्लेख है कि मानव जीवन अनमोल और अद्वितीय है, यह जीवन भगवान की दी हुई एक अमूल्य धरोहर है और जीवन में प्रत्येक बच्चा, अपनी विशिष्ट योग्यताओं के साथ ही पैदा होता है और उसकी यह विशिष्ट विशेषताएं ही, उसको एक दूसरे से अलग और भिन्न बनाती हैं और ज्यों-ज्यों एक बालक बड़ा होता है, तो उसको अपनी सभी प्राप्त सकारात्मक योग्यताओं का भरपूर सदुपयोग करना चाहिए। **इसी क्रम में काम, क्रोध, लोभ मद और मोह, समय के अनुसार ही अपना प्रभाव दिखलाते रहते हैं और कई बार एक मनुष्य वास्तविकता को न समझते हुए भी नकारात्मक दृष्टिकोण का शिकार हो जाता है और जो कालांतर में उसे निराशा के गहरे गर्त में धकेल देता है।**

हां, जीवन में, जीवन यापन करने के लिए चीजों का कुछ सीमा तक संग्रह भी करना जरूरी है, लेकिन इस संग्रह की भी एक सीमा होती है। सन्त कबीर दास जी ने कहा है कि----

सांई मुझे इतना दीजिए, जा में, कुटुम्ब समाय ।<br>
मैं भी भूखा ना रहूं और साध भी भूखा न जाय।।

महान् सन्त कबीर दास ने, कितने बहूमूल्य विचार व्यक्त किए हैं। उसकी इच्छा सिर्फ इतनी है कि, उसका परिवार भी भूखा ना रहे और जो भी सन्त महात्मा उसके द्वार पर भिक्षा मांगने के लिए आता है, वह भी उसके द्वार से खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। जिस दिन एक मनुष्य इस वास्तविकता को समझ लेगा और संग्रह करने के प्रवृत्ति का परित्याग कर देगा, तो लोभ की भावना कुंठा ग्रस्त होकर समाप्त हो जाएगी और उसके अन्तःकरण से एक आवाज आनी शुरू हो जाएगी कि धन संपत्ति संग्रह करने से इस जीवन का कल्याण होने वाला नहीं है, जीवन का वास्तविक कल्याण तो **परहित सरिस धर्म नहिं भाई** की मूल भावना में निहित है। **इसीलिए लोभ का परित्याग अपनी अंतर्निहित योग्यताओं को पहचान कर अपनी कर्तव्यपरायता के साथ सुगुमतापूर्वक जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करें और इसी प्रयास में मानव जीवन की सार्थकता है ।**

**मेरा मानना है कि, जीवन में अपने कर्तव्य पथ पर बढ़ते हुए, लोभ के वशीभूत होकर, भूख की चिंता करने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। क्योंकि यह प्रकृति का नियम है कि परिस्थितियों के अनुरूप साधनों का निर्माण स्वयं ही हो जाता है और इस प्रकिया में, केवल परमात्मा पर भरोसा और विश्वास रखने की महत्ती आवश्यकता है।** यदि हम परिस्थितियों पर गहनता से विचार करें तो पता चलेगा कि, मनुष्य के जीवन में आई प्रत्येक परिस्थिति का आदर करना चाहिए और लोभ के वशीभूत होकर, धन संपत्ति संग्रह का, परित्याग करके जीवन को सन्तुलित एवं संयमित बनाने का सद्प्रयास करना चाहिए।

इस जीवन की सफलता का एक ही सूत्र है और वह है कि जो भी व्यक्ति जीवन में, वर्तमान का सन्तुलित और संयम पूर्वक तरीके से सदुपयोग करता है, उसका भविष्य निश्चित रूप से ही उज्ज्वल होगा। इसीलिए जो कुछ प्राप्त है उसी में सन्तोष करते हुए लोभ की प्रवृत्ति का परित्याग करके व्यर्थ के चिंतन में समय गंवाने से कोई भी लाभ नहीं है। इसीलिए भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गीता में दिए गए संदेश को आत्मसात करते हुए काम, क्रोध, मद, लोभ और मोह का परित्याग करके अध्यात्म का रास्ता शिरोधार्य करना चाहिए। **लोभ की एक सीमा निर्धारित है और उस सीमा का अतिक्रमण करने से मनुष्य पाप की और अग्रसर होता है और इस लोभ प्रवृत्ति से बचते हुए ही, मनुष्य को वर्तमान में निहित परिस्थितियों के अनुसार ही कर्म करना चाहिए।** वास्तव में कर्म का संबंध वर्तमान से ही होता है और चिंतन का भूत अथवा भविष्य से कोई भी संबंध नहीं है और चिंतन केवल उसी का ही करना चाहिए, जिसकी उपलब्धि कर्म से ना हो। इसलिए जीवन को आनंददायक और खुशहाल बनाने के लिए लोभ का परित्याग करके एक सकारात्मक संदेश देने का स्तुत्य प्रयास करना चाहिए।

**सम्पादक, रामभगत शर्मा।**

## *प्रधान की कलम से ---*

प्रधान, रामपाल शर्मा

### 'इन्दौर में 22 जून को आयोजित होने वाली महासभा की त्रैमासिक बैठक में ऐतिहासिक फैसले लिए जाएंगे'।

सबसे पहले मैं, महासभा रुपी परिवार को, विश्व पर्यावरण दिवस, कबीर जयंती, वट वृक्ष सावित्री पूजा दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, यश और शौर्य के प्रतीक महाराणा प्रताप जयंती, प्राणियों के कर्मों के अनुसार फल देने वाले न्याय के देवता के जन्मोत्सव शनैश्चर जयन्ती, महान सन्त स्वामी कल्याण देव जन्म जयंती और संत कबीर जयंती के अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। इसके साथ ही भारतीय वन सेवा में चयनित हुए राहुल जांगिड को भी बधाई देने के साथ ही, महासभा के वर्तमान काल की कार्यकारिणी की पहली बैठक 22 जून को इन्दौर में आयोजित की जा रही है और इस महत्वपूर्ण बैठक में समाज के उत्थान और विकास के बारे में समाज के प्रबुद्ध लोगों के सहयोग से एक सर्वमान्य नीति निर्धारण करके एक एक रोड़ मैप तैयार किया जाएगा और सबसे गंभीर मुद्दा जाति जनगणना का है और इस विषय पर भी गहराई से विचार विमर्श किया जाएगा।

आपको मालूम है कि महासभा की 14 अप्रैल 2025 को नई कार्यकारिणी के गठन के बाद, जो भी पदाधिकारी बनाए गए हैं, उनका दायित्व समाज के प्रति बहुत अधिक बढ़ गया है और इस बार कार्यकारिणी का गठन करते समय एक बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि झूझारू और समाज हित में सोच रखने वालों को ही, यह दायित्व सौंपा गया है। अब कोर कमेटी, उच्च स्तरीय कमेटी, अनुशासनात्मक समिति के सदस्य और उप प्रधान, संगठन मंत्री, मिशन 1.50 लाख प्रभारी, मीडिया प्रभारी नियुक्त किए गए हैं उन सभी का दायित्व बहुत अधिक बढ़ गया है।

मैं यहां पर, महासभा सदस्यता, मिशन डेढ़ लाख के बारे में विशेष रूप से उल्लेख करना चाहता हूं कि, मैं कम से कम सदस्यता की इस वर्तमान प्रगति से तो बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हूं। पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा, जिस समय प्रधान पद छोड़ कर गए थे और उन्होंने अपने तीन साल के कार्यकाल में लगभग 31 हजार सदस्य इस महासभा रुपी परिवार में जोड़ें और 1 जनवरी 2022 को जिस समय मैंने महासभा के मुख्य सेवक का पदभार ग्रहण किया उस समय महासभा के सदस्यों की संख्या लगभग 87 हजार 047 थी और यह आंकड़ा अक्टूबर 2022 में बढ़कर एक लाख सदस्य पार कर गया था और यह संख्या 1 लाख 517 तक पहुंच गई थी और उसके बाद सदस्य बनाने की गति बहुत ही धीमी पड़ गई। **महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने अपने कार्यकाल के दौरान मिशन एक लाख सदस्य शुरू किया था और उन्होंने अपने कार्यकाल में लगभग 46 हजार सदस्य इस महासभा रुपी परिवार में जोड़ने का काम किया** और इसमें एक लाख की पूर्ण आहुति, मेरे पूर्ववती कार्यकाल के दौरान डाली गई थी और उसी से प्रभावित होकर मैंने भी आप सभी लोगों के भरोसे और विश्वास के आधार पर ही सदस्यता मिशन डेढ़ लाख का लक्ष्य निर्धारित किया था। लेकिन सवा तीन साल का समय बीतने के बाद भी, आज महासभा के परिवार के सदस्यों की संख्या 1 मई 2025 तक बढ़कर 1 लाख 13 हजार तक पहुंची है और इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि पिछले सवा तीन साल के दौरान, महासभा रुपी परिवार में कुल 24253 सदस्य शामिल किए गए हैं और मैं, यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यह मेरी उम्मीद से बहुत ही कम है और इसके लिए एक विशेष अभियान चलाने की जरूरत है।

इतना ही नहीं, मिशन डेढ़ लाख का प्रभारी, जयपुर के रामजी लाल जांगिड को पुनः बनाया गया है और उनको यह दायित्व इस उम्मीद के साथ सौंपा गया था कि वह अपने इस दायित्व का भलीभांति निर्वहन करते हुए, वर्तमान कार्यकाल के दौरान न केवल मिशन डेढ़ लाख का लक्ष्य पूरा करेंगे, अपितु उससे भी आगे बढ़कर एक कीर्तिमान भी स्थापित करेंगे और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी के साथ मिलजुल प्रयास करने की महत्ती आवश्यकता है। समाज के लोग महासभा के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनको कोई जोड़ने वाला चाहिए। मैं आपको जींद के सुल्तान सिंह आर्य, का उदाहरण देता हूं, जो महासभा के उप प्रधान भी हैं और उन्होंने अकेले ने ही महासभा के लगभग 500 से 700 तक सदस्य महासभा रुपी परिवार के साथ जोड़े हैं और वह जहां पर भी जाता है, वहां से कभी खाली हाथ नहीं आता है और दो चार सदस्य तो, महासभा के साथ जोड़ कर ही आता है और उन सदस्यों से पैसे नगद लेकर, वह राशि एक दिन दिल्ली जाकर, महासभा के अकांउट में जमा करवाकर, उन सभी की रसीद और पहचान पत्र बनवा कर लें आता है । महासभा ऐसे कर्मठ और समर्पित भाव रखने वाले, कार्यकारिणी के सदस्यों को सम्मान करती है और **अबकी बार इन्दौर की त्रैमासिक बैठक में महासभा परिवार में आशानुरूप सदस्य जोड़ने के कारण सुल्तान सिंह आर्य को भी सम्मानित किया जाएगा।**

यह महासभा 117 साल से भी अधिक पुरानी है और उसके हिसाब से तो इसकी औसतन सदस्यता, एक हजार सदस्य प्रतिवर्ष से भी कम है, लेकिन फिर भी शायद देश में एक दो संस्थाओं को छोड़कर शायद, इतनी पुरानी कोई संस्था होगी, जिसके एक लाख से अधिक सक्रिय सदस्य हो और जहां तक मैं समझता हूं समाज को महासभा के साथ जोड़ने का, **जो संकल्प महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला लिया था और उसी को पूरा करने के लिए ही उन्होंने मिशन एक लाख की शुरुआत के साथ ही महासभा में प्लेटिनम, स्वर्ण और रजत सदस्य बनाने की शुरुआत भी की गई थी और उसके बड़े ही सकारात्मक परिणाम महासभा के सामने आए हैं और उन्होंने अपने कार्यकाल में लगभग 46 हजार सदस्य महासभा के परिवार में जोड़ें।** जबकि महासभा के गठन के कार्यकाल से लेकर उनके पदभार ग्रहण करने के समय तक कुल 10340 सदस्य ही महासभा के साथ जुड़े हुए थे और उन्होंने इस संख्या को 56 हजार तक पहुंचाने का काम किया। **कैलाश बरनेला के बाद तो महासभा रुपी परिवार में शामिल होने वालों की एक होड़ सी गई और आज फिर वही जज्बा और जुनून पैदा करने की जरूरत है ताकि इस महासभा की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर हो सके।**

देश में जाति जनगणना के बारे में 16 जून को केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा एक अधिसूचना जारी की गई है, जिसके अनुसार बर्फबारी से प्रभावित क्षेत्रों में, जिनमें जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं में, जनगणना 1 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी, जबकि देश के अन्य राज्यों में जाति जनगणना 1 मार्च 2027 से शुरू होगी। लोकतंत्र में ताकत केवल उसी समाज के पास होगी, जिसका संगठन मजबूत होगा और जनसंख्या अधिक होगी और समाज की एकता जितनी अधिक सुदृढ़ होगी उतना ही राजनैतिक लाभ उस समाज को होगा। अब एक यक्ष प्रश्न यह उठता है कि जाति जनगणना के समय जांगिड और सुथार समाज के लोगों को जाति के कालम में क्या लिखवाना चाहिए। इस बारे इन्दौर की महासभा की 22 जून को होने वाली त्रैमासिक बैठक में कोई तर्क संगत निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा। क्योंकि सभी राज्यों की परिस्थितियों और उनके व्यवहारिक प्रयोग के आधार पर ही प्रचलित जाति से सम्बन्धी नाम लिखने से वास्तविकता का पता चल सकेगा, जैसे राजस्थान में तो जांगिड ब्राह्मण शब्द को मान्यता काफी पुराने समय से है। जहां तक हरियाणा का प्रश्न है आज अधिकतर लोग जांगड़ा लिखते है और जांगड़ा लिखने को मान्यता, पूर्व सांसद पंडित रामजी लाल आर्य जांगिड के समय में मिली थी, जिस समय वह हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन थे, तब जांगड़ा शब्द को पिछड़ा वर्ग की सूची में उन्होंने ही शामिल करके इसको मान्यता दी गई थी । इसी प्रकार उदाहरण के तौर पर हरियाणा में जांगड़ा ब्राह्मण की जगह **झांगडा ब्राह्मण** लिखा हुआ है और अब इसको ठीक करके जांगड़ा ब्राह्मण लिखने के आदेश हरियाणा सरकार की तरफ से जारी किए गए है, लेकिन चंडीगढ़ में अभी भी जांगड़ा की जगह **झांगडा** शब्द को अधिसूचित किया गया है और इस शब्द में संशोधन करवाने के लिए चंडीगढ़ प्रशासन और हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग को एक पत्र लिखा गया है।

मैं आपको याद दिलाना चाहता हुं कि मुझे समाज की इस सर्वश्रेष्ठ संस्था महासभा के साथ जुड़ने का सौभाग्य भी जनवरी 2013 में इन्दौर में ही आज से लगभग 12 साल पहले एक बैठक में जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था और **पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में महासभा का भवन बनाने का संकल्प लिया गया था और उस समय मुझे मालूम नहीं था कि महासभा का भवन बनाने का दायित्व एक दिन मुझे ही समाज के मुख्य सेवक के रूप में पूरा करना पड़ेगा।** खैर महासभा भवन के निर्माण का यह दायित्व तो, आपके और सभी दानदाताओं और भामाशाहों के सहयोग से पूरा हो गया और मैं चाहता हूं कि इन्दौर की इस धरा से हम एक ऐसा संकल्प लेकर जाएं ताकि समाज इस फैसले को हमेशा याद रखें। जहां तक मेरी मनस्कामना है कि जाति जनगणना में कौन-कौन सा उपयुक्त शब्द लिखवाया जाना चाहिए, इस पर भी इस बैठक में विस्तृत चर्चा की जानी चाहिए। वैसे विभिन्न प्रदेशों में जाति पर आधारित, जिस नाम से अधिसूचित है, वहीं लिखवाया जाना चाहिए, क्योंकि उस राज्य की सूची में वह नाम नहीं होगा तो उसका लिखवाने का कोई भी औचित्य नहीं होगा।

मेरी व्यक्तिगत राय है कि **हम महासभा के अन्तर्गत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक अभियान शुरू करें, जिसके अन्तर्गत एक रुपया से लेकर ऊपरी कोई सीमा नहीं है, आप इस कोष में जमा करवा सकते हैं और इसका उपयोग समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और पढ़ाई में तेज तर्रार विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए किया जा सकता है।** जिस प्रकार से अन्य समाज के लोगों ने अपने युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिस्पर्धा की परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए दिल्ली में कोचिंग सेंटर खोले हुए हैं। उसी तर्ज पर एक कोचिंग सेंटर खोलने के बारे में विचार किया जाएगा। इसकी रुपरेखा के बारे में इस त्रैमासिक बैठक में विचार किया जाएगा।

अन्त में, मैं आप सभी से यही अनुरोध करना चाहता हूं कि, **यह जीवन बड़ा छोटा है और आपके द्वारा समाज की भलाई के लिए जो काम किए जाएंगे वह आपके खाते में जमा होंगे। आपने जीवन में कितना धन एकत्रित किया वह कोई नहीं याद रखता है, लेकिन आपने अपने धन का उपयोग समाज की भलाई के लिए कितना किया, उसको हमेशा ही याद रखा जाएगा। आओ, हम सभी मिलकर एक संकल्प लें कि 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई'** यानी दूसरों के परोपकार के समान कोई भी धर्म नहीं है।.............

**प्रधान, रामपाल शर्मा।**

# जांगिड समाज की महान विभूति थे, डॉ तुलसी राम शर्मा, जिन्होंने चारों वेदों का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद करके ख्याति अर्जित की

अनेक भाषाओं के मर्मज्ञ और प्रकाण्ड पंडित, अद्वितीय प्रतिभा के धनी, समाज सेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व के धनी, उच्चकोटि के महान विद्वान, प्रबुद्ध, व्याख्याकार, लेखक, महान चिन्तक, विख्यात शोधक, विनम्रता, सादगी ईमानदारी, सरलता तथा सहृदयता के प्रतिमूर्ति और अंग्रेजी भाषा के प्रख्यात साहित्यकार डॉ. तुलसी राम शर्मा का जन्म 16 दिसम्बर 1923 में सोनीपत जिले के एक छोटे से गांव बढ़ मलिक में माता श्रीमती बख्तावरी देवी और पिता श्री जुगलाल शर्मा के घर एक सामान्य परिवार में हुआ और उनका नाम तुलसी राम रखा गया और उन्होंने **इस कहावत को अपनी दक्षता बुद्धिमता और अपने विवेक के आधार पर सिद्ध कर दिया कि ''होनहार बिरवान के होत चिकने पात''** यानी पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं और यह सच्चाई भी है, जिसको महान विभूति बनना होता है, उस पर प्रभु की असीम कृपा होती है और ऐसे सपूत के लक्षण बचपन में ही परिलक्षित होने लगते हैं ।

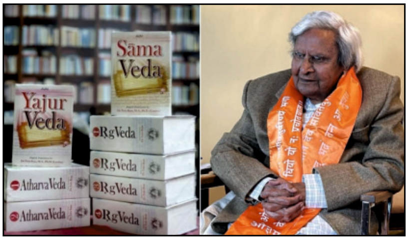


बचपन से ही होनहार प्रतिभा के धनी, डॉ तुलसी राम को तीसरी कक्षा से ही संयुक्त पंजाब के शिक्षा विभाग द्वारा छात्रवृत्ति दी जाने लगी थी और उसके पश्चात मिडिल एवं हाईस्कूल शिक्षा के लिए, तुलसीराम को पास के ग्राम राई में भेजा गया और उस समय यह स्कूल संयुक्त पंजाब का हिस्सा था । मेधावी और बहुमुखी प्रतिभा के धनी, तुलसीराम ने कक्षा 8वीं और 10वीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए, पंजाब शिक्षा विभाग से छात्रवृत्ति पाते रहे । उन्होंने 12वीं, स्नातक और स्नातकोत्तर की शिक्षा हासिल करने के लिए, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और संयोगवश उन्होंने कक्षा 12वीं, स्नातक और स्नातकोत्तर में भी प्रथम श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण की तथा निरंतर छात्रवृत्ति हासिल करते रहे । लेकिन उनके घर की आर्थिक हालत बहुत ही दयनीय थी, इसलिए स्नातकोत्तर की शिक्षा के लिए, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा आगे आई और उसके, द्वारा तुलसी राम शर्मा को 20 रुपए प्रतिमाह की दर से छात्रवृत्ति दी गई और डॉ. तुलसी राम शर्मा की उदारता देखिए कि, यह राशि उन्होंने कॉलेज में लेक्चरार लगते ही महासभा को वापस कर दी और महासभा को भरोसा दिलाया कि भविष्य में वह समाज के आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की, यथा संभव सहायता करने का हर सम्भव प्रयास करेंगे।

विनम्रता और सदाशयता की प्रतिमूर्ति और सौम्य व्यक्तित्व के धनी तुलसीराम शर्मा ने सन् 1949 में, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के लेक्चरर के पद पर अध्यापन कार्य शुरू किया और सन् 1963 तक लगभग 14 वर्ष तक अध्यापन का कार्य किया और उस पद की गरिमा को महामंडित किया। तुलसी राम शर्मा की ज्ञान पिपासा अभी शांत नहीं हुई थी और इसी मध्य में उन्होनें, लंदन विश्वविद्यालय में अंग्रेजी भाषा में पीएचडी और रिसर्च करने के लिए आवेदन दिया और योग्यता के आधार पर उनको, इंग्लैंड में पीएचडी में उनका दाखिला हो गया और उनको स्कॉलरशिप भी मिला। पीएचडी की उपाधि, उन्होंने केवल मात्र 2 वर्ष में ही हासिल कर ली और पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने के पश्चात, वह भारत वापस लौट आए और यहां तक कि डॉ. तुलसी राम शर्मा ने अपनी प्रतिभा का लोहा अपने लंदन प्रवास के दौरान भी मनवाया और वहां पर पीएचडी रिसर्च का कार्य करने के साथ-साथ अतिरिक्त रूप से, बीबीसी के लिए भारत एवं दक्षिण एशिया के लिए विशेष रूप से प्रसारण का कार्य भी करते रहे और इस प्रसारण के लिए उनको 30 मिनट के प्रसारण के लिए एक गिनी प्रति, प्रसारण का मानदेय भी मिलता था ।

भारत वापस आने के पश्चात वर्ष 1963-64 में, उन्होंने एक वर्ष के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में इंग्लिश रीडर के पद पर अध्यापन का कार्य किया और इसके पश्चात डॉ. तुलसीराम शर्मा ने, दिल्ली में शिवाजी कॉलेज में प्रिंसिपल के पद का दायित्व ग्रहण किया और इस पद की शोभा को उन्होंने सन 1964 से लेकर सन् 1976 तक गौरवान्वित किया। डॉ. तुलसी राम शर्मा की असीम प्रतिभा का लाभ उठाने के लिए **वर्ष 1982 में उनको महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक ने, विभागाध्यक्ष एवं अंग्रेजी के प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया और वह प्रो. वाइस चांसलर के पद पर रहते हुए सन 1988 में सेवानिवृत हुए।**

डॉ. तुलसी राम शर्मा की निर्विवाद छवि और आकर्षक व्यक्तित्व के कारण ही वह विद्यार्थियों में अत्यधिक लोकप्रिय थे और इसके साथ ही डॉ. तुलसीराम शर्मा एक विशिष्ट व्यक्तित्व के धनी, कुशल प्रशासक, महान शिक्षाविद एवं प्रख्यात साहित्यकार भी थे। डॉ. तुलसी राम शर्मा, प्रेरणाप्रद व्यक्तित्व के धनी, युवाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत हैं, जिन्होंने एक सामान्य गरीब परिवार में पैदा होकर, अपनी प्रतिभा, बुद्धिमता और दक्षता के बल पर शिक्षा जगत में विशेष ख्याति अर्जित की और अपना नाम कमाया। महान शिक्षाविद् डॉ. तुलसी राम शर्मा के जीवन के विविध आयामों का उल्लेख करना मेरे लिए बड़ा ही दुष्कर कार्य है।

आर्य समाज से जुड़े हुए, एक महान् लेखक और प्रकाण्ड विद्वान डॉ. तुलसी राम शर्मा, जांगिड ब्राह्मण समाज के अनमोल रत्न और देदीप्यमान सितारे के समान थे और उनका नाम, अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लेखकों की श्रेणी में सदैव ही अग्रिम पंक्ति में रहेगा और जांगिड समाज के युवाओं को और आर्य समाज के पुरोधाओं को, डॉ. तुलसीराम शर्मा के बहुआयामी जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए ताकि वह भी विषम परिस्थितियों का मुकाबला करते हुए हिम्मत और साहस के साथ आगे बढ़ सकें। एक प्रकार से डॉ. तुलसी राम शर्मा की विलक्षण प्रतिभा और विद्वत्ता का कोई भी सानी नहीं है। **डॉ. तुलसी राम ने चारों वेदों का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया, जो विश्व में अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और एक अनूठा उदाहरण है। असीम प्रतिभा के धनी डॉ. तुलसी राम शर्मा की, अंग्रेजी भाषा पर पकड़ इतनी मजबूत थी कि उनकी प्रतिभा का लोहा तो अंग्रेज भी मानते थे**। इतना ही नहीं डॉ. साहब के कुशल सान्निध्य में, अंग्रेजी साहित्य में अनेक शिक्षाविदों ने पी.एच.डी. डाक्ट्रेट, की उपाधियां हासिल की और आज वह विभिन्न क्षेत्रों में देश की सेवा कर रहे हैं।

डॉ. तुलसी राम शर्मा अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ आध्यात्मिकता के क्षेत्र से भी जुड़े हुए थे और **वह आध्यात्मिक-साधना को भी उतना ही महत्व देते थे और उन्होंने शिक्षा और आध्यात्मिकता में अद्‌भुत सामंजस्य बनाया हुआ था और वह आध्यात्मिक साधना में भी सतत प्रयत्नशील थे। उन्होंने वेद, उपनिषद, मनुस्मृति, रामायण, महाभारत, श्रीमद्‌भगवद् गीता, सत्यार्थ प्रकाश, संस्कार विधि, वेद क्या हैं आदि धार्मिक पुस्तकों का अंग्रेजी भाषा में लेखन एवं भाष्य किया जो उनके जीवन की सबसे सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। उन्होंने ग्रीक, रोमन व अंग्रेजी महाकाव्यों का भी अध्ययन किया।** डॉ तुलसी राम शर्मा अनेक भाषाओं के प्रकाण्ड पंडित थे और वह अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत, हिन्दी एवं अनेक पश्चिमी भाषाओं के प्रमुख जानकार थे।

डॉ. तुलसी राम शर्मा ने, युग पुरुष महर्षि स्वामी दयानन्द के बारे में भी विस्तारपूर्वक लेखन करते हुए, अपनी कलम का लोहा मनवाने का काम किया और यहां तक कि आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद के सिद्धान्तों को भी अपने जीवन में आत्मसात करते हुए उनका प्रचार-प्रसार भी किया और इतना ही नहीं **उन्होंने स्वामी विवेकानन्द तथा सनातन वैदिक धर्म का गहन अध्ययन और चिन्तन-मनन भी किया तथा आपस में सामाजिक सामंजस्य बनाने एवं प्राचीन भारतीय रीति-रिवाज एवं परम्पराओं**

**का भी भली-भांति निवर्हन किया तथा इसके साथ ही धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ इतिहास का सृजनात्मक विवेचन भी किया। एक ही व्यक्ति में इतनी दुर्लभ प्रतिभा और गुणों का धनी होना उनकी सत्य निष्ठा और समर्पण का द्योतक है** और इन सभी विशेषताओं के होते हुए भी डाक्टर तुलसी राम विनम्रता, सदाशयता और शालीनता की प्रतिमूर्ति थे।

डॉ. साहब कनाडा में अपने बेटे ज्ञानेन्द्र के पास कई वर्षों से रह रहे थे और उनके जीवन में, दीर्घायु होने का एक ही रहस्य था कि वह शुद्ध, पवित्र, त्याग, संयम, ईश्वर आराधना एवं समर्पण से ही सम्भव है अपने सभी परिवार सदस्यों के मध्य थे। डॉ. तुलसीराम शर्मा को जीवन में उनकी उपलब्धियों के लिए अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार और मान-सम्मान मिले। अपने लम्बे जीवन में, उन्होंने भारत को आजाद होते हुए देखा और अंग्रेजों के समय में कॉलेज में पढना और दिल्ली विश्वविद्यालय में अंग्रेजी एम.ए. में प्रथम स्थान हासिल करना उस जमाने में यह एक सामान्य उपलब्धि नहीं थी और अपनी कर्त्तव्यपरायता से उन्होंने अपने जीवन में सर्वश्रेष्ठ एवं उत्कृष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त की।

कुछ प्रसिद्ध सम्मान इस प्रकार हैं- **महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक के लम्बे समय तक अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष रहे। बिरला तकनीकी संस्थान पिलानी में हैड ऑफ इंग्लिश डिपार्टमेंट रहे। शिवाजी कॉलेज दिल्ली के प्रिंसीपल रहे। श्रद्धानन्द कॉलेज नरेला के प्रिंसीपल का अतिरिक्त चार्ज सम्भाला। विश्व विख्यात शेक्सपियरियन स्कॉलर, वैदिक वक्ता के रूप में आर्य समाज के सम्मेलनों में व्याख्यान देने के साथ ही कनाडा के आर्य समाजों में वैदिक व्याख्यान एवं कनाडा रेडियो स्टेशन से अनेक बार अपना उद्‌बोधन दिया।**

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने डॉ. तुलसी राम को बहुआयामी व्यक्तित्व का धनी और अनेकों भाषाओं के मर्मज्ञ विद्वान बताते हुए कहा कि **सर्वगुण सम्पन्न, ऐसी महान विभूति बहुत ही कम पैदा होती हैं और यह मेरा परम सौभाग्य रहा है कि मुझे अनेकों बार डॉ. तुलसी राम शर्मा से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ और मैं, उनकी विद्वता का बड़ा ही कायल हूं,** जिसने समर्पण और समर्पित भाव से अंग्रेजी साहित्य और मानवता की सेवा करते हुए देश और विदेशों में यश और कीर्ति अर्जित करने का सौभाग्य मिला।

ऐसी महान विभूति को मेरा हृदय से नमन है और **उन्होंने चारों वेदों और गीता तथा महाभारत का अंग्रेजी में अनुवाद करके इन महान ग्रंथों की महिमा को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में अमूल्य योगदान दिया। मैं, उनके प्रति नतमस्तक होकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, डॉ. तुलसी राम शर्मा की बहुआयामी प्रतिभा का उल्लेख करते हुए कहा कि **डॉ. तुलसी राम शर्मा की अनेक भाषाओं में पारंगतता, सत्य निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए एक गरीब जांगिड परिवार में पैदा होने के बावजूद भी उन्होंने, अपनी योग्यता और दक्षता के आधार पर शिक्षा जगत में एक विशेष नाम कमाया और यह उपलब्धि कोई बिरला ही हासिल करता है।** मैं, आज की युवा पीढ़ी से अनुनय-विनय करता हूं कि डॉ. तुलसी राम के महान व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में जानकारी हासिल करके उनके द्वारा स्थापित किए गए उच्च आदर्श मूल्यों और परम्पराओं का निर्वहन करते हुए, उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का स्तुत्य प्रयास करें।

**महासभा के, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, इन्दौर**

# सन्त शिरोमणि,स्वामी कल्याण देव के 21 जून को अवतरण दिवस पर बधाई।

शुकतीर्थ के जीर्णोद्धारक, शिक्षा ऋषि परम पूज्य स्वामी कल्याणदेव जी महाराज

सन्त परम्परा के देदीप्यमान सितारे और कोहिनूर और जांगिड समाज के गौरव, समाज रत्न, सन्त शिरोमणी, वीतरागी, करुणा और सहृदयता की प्रतिमूर्ति, महान युग दृष्टा, स्वामी कल्याण देव का सदाचार और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण जीवन सन्त महात्माओं की परम्परा की एक अनमोल धरोहर है । स्वामी कल्याण देव ने अपने 129 वर्षों के एक लम्बे काल खण्ड में **सर्व जन हिताय और सर्वजन सुखाय** की मूल भावना से अभिप्रेरित होकर, न केवल उन मानवीय मूल्यों को अपने जीवन में स्वंय ही आत्मसात किया, अपितु सर्व समाज के हित के लिए उच्च आदर्श और उदात्त मूल्य भी स्थापित किए और यही कारण है कि उनके द्वारा शिक्षा सहित सभी क्षेत्रो में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ही उन्हें पद्म भूषण और पदम विभूषण जैसे पुरस्कारों से अलंकृत करके सम्मानित किया गया। स्वामी विवेकानन्द कल्याण देव ने जनहित के अनवरत रूप से ऐसे अनेकों कार्य किए, जिससे वह आधुनिक युग के मसीहा कहलाए और मानवता के लिए अनुकरणीय और अनूठी मिसाल कायम की है।

सर्वे भवन्तु सुखिन-सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु-मां कश्चित दुखभागवेत ।।

नई दिल्ली में पीएम आवास पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को आशीर्वाद प्रदान करते वीतराग स्वामी कल्याणदेव जी महाराज

स्वामी कल्याण देव एक ऐसी महान विभूति थे, जिन्होंने जीवन पर्यन्त योग, वैराग्य एवं संन्यास रुपी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए जीवन में उदात्त मूल्यों, नैतिकता और उच्च संस्कारों को बढ़ावा दिया और 20वीं शताब्दी के महान सन्त कहलाए। उनका जन्म 21 जून सन् 1876 में बागपत जिले के एक छोटे से गांव कोताना में अपने नाना के घर मां श्रीमती भोई देवी जांगिड के गर्भ से हुआ । उनका पैतृक गांव मुंडभर थाना भौराकलां जनपद मुजफ्फरनगर है। स्वामी कल्याण देव के पिता पंडित फेरूदत्त जांगिड के तीन लड़के थे, जिनमें राजा राम, रिसाल सिंह और कालुराम (स्वामी कल्याण देव)। **शामली के ओमदत्त आर्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार स्वामी कल्याण देव के पूर्वज हरियाणा रोहतक जिले के गांव अस्थल बोहर के रहने वाले थे और ब्रिटिश काल के दौरान अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गांव मुंडभर में आकर बस गए थे और इस बात की पुष्टि स्वामी कल्याण देव के संगे भतीजे 93 वर्षीय आचार्य गुरुदत्त आर्य ने की है**

स्वामी कल्याणदेव का बचपन का नाम कालूराम था और संयोगवश बालक कालूराम का झुकाव बचपन से ही अध्यात्म की तरफ था और उन्होंने छोटी सी आयु में अपना घर छोड़ दिया और हरिद्वार और अयोध्या सहित अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर आध्यात्मिक ज्ञान की ज्योति को आत्मसात् करते हुए, स्वामी कल्याण देव ने सन् 1890 में ऋषिकेश में स्वामी पूर्णानंद महाराज से दीक्षा ग्रहण की और गुरुदेव ने **इनकी मनोवृत्ति और उदात्त भावना को ध्यान में रखते हुए ही उनको कल्याण देव के नाम से**

**विभूषित किया और इस नाम को ही स्वामी कल्याण देव अपने उच्च आदर्श और नैतिक मूल्यों के आधार पर जीवन पर्यन्त सार्थक किया और अंतिम सांस तक 'वसुदेव कुटम्बकम और सर्वधर्म समभाव'** की भावना से ओतप्रोत होकर जीवन पर्यन्त जनहित के कार्यो में प्रयत्नशील रहे'।

**नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में तत्कालीन राष्ट्रपति सरदार जैल सिंह के साथ वीतराग स्वामी कल्याणदेव जी महाराज**

स्वामी कल्याण देव ने 18 वर्ष की अल्पायु में ही निष्काम कर्मयोग के सिद्धांत पर चलने का संकल्प लिया और उन्होंने बहुत समय तक उत्तराखण्ड की पुण्य भूमि पर घोर तपस्या की और उन्हें सदमार्ग का रास्ता और ज्ञान उस समय प्राप्त हुआ, जिस समय वह खेतड़ी के एक बगीचे में स्वामी विवेकानन्द से मिलें। स्वामी कल्याण देव का जन्म जीवन गांधीवादी दर्शन और उनके सिद्धान्तों पर आधारित था और वह सन् 1915 से कुछ समय तक गांधी के साथ साबरमती आश्रम में भी रहें। सतत घोर साधना करने वाले, स्वामी कल्याण देव नंगे पैर रहकर रुखा सूखा भोजन खाकर, जीवन यापन करते रहे और प्रात: काल गीता को सुनकर गरीबों के दु:खों का निवारण करते रहे। सामाजिकता समानता नैतिकता इमानदारी और परोपकार का पाठ पढ़ाने वाले **युग पुरुष सहृदयता के प्रतीक स्वामी कल्याण देव को ऋषि दधीचि की उपाधि से अलंकृत किया गया था।**

**शुक्रताल में वर्ष 1958 में कार्तिक गंगा स्नान मेले में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु के साथ वीतराग स्वामी कल्याणदेव जी महाराज**

स्वामी कल्याण देव के व्यक्तित्व में एक प्रकार का जादू था और यही कारण था कि उनकी ख्याति चारों तरफ फैल गई कि इनको बड़े-बड़े संत महात्मा और राजनेता भी उनसे आशीर्वाद लेने आने लगे और इन महानुभावों में पंडित जवाहरलाल नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू, गुलजारी लाल नंदा, तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद, पूर्व प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु, पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा, पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह, अनेकों मुख्यमंत्री और राज्यपालों सहित अनेक महान विभूतियां स्वामी कल्याण देव के दर्शन करने और आशीर्वाद लेने के लिए इनके पास आते थे। स्वामी कल्याण देव ने शुक्रताल को अपनी कर्म स्थली बनाया और इस तीर्थ का उद्धार करने का संकल्प, स्वामी कल्याण देव ने सन 1944 में प्रयागराज संगम पर लिया था उस पावन धरा को आपने 1945 में इस तीर्थ धाम नवनिर्माण यात्रा का शुभारंभ किया और कई वर्षों के उनके सतत् प्रयास, परिश्रम, त्याग और तपस्या से इस पवित्र तीर्थ का जीर्णोद्धार हुआ जो आज एक सुन्दर, रमणीक और आकर्षक तीर्थ स्थल और एक विश्व प्रसिद्ध धाणमक और आध्यात्मिक केंद्र बन गया है। स्वामी चरण दास महाराज के अनुसार शुक्रताल देश के 68 तीर्थों में से एक विचित्र और अनोखा तीर्थ स्थल है, जो स्वर्ग के समान है।

**'अड़सठ तीर्थ माहि अनूपा- मो भाये बैकुंठ सरुपा' ।।**

शिक्षा के क्षेत्र में स्वामी कल्याण देव का अविस्मरणीय और अतुलनीय योगदान रहा है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान में स्वामी कल्याण देव द्वारा स्थापित और संचालित लगभग 400 संस्थाएं हैं जिनमें प्रमुख रूप से तकनीकी व्यवसायिक, अध्यात्मिक हाई स्कूल कन्या व प्राथमिक विद्यालय हैं

और इसके अतिरिक्त संस्कृत महाविद्यालय, आयुर्वेदिक कॉलेज अस्पताल, योग स्कूल, वर्कशॉप तथा विकलांग बच्चों के विद्यालय एवं अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए छात्रावास तथा धर्मशालाएं, गौशालाएं वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रम खुलवा कर स्वामी कल्याण देव ने जो **परोपकाराय पुण्ययाय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है वह अतुलनीय है और उनकी इस निःस्वार्थ सेवा भावना को देखते हुए ही 'भारत सरकार द्वारा उनकी इन निःस्वार्थ सेवाओं के प्रति कृतज्ञता दर्शाते हुए 20 मार्च सन 1982 में तत्कालीन राष्ट्रपति संजीव रेड्डी द्वारा हरिद्वार में आयोजित एक दीक्षांत समारोह में स्वामी कल्याण देव को पदमश्री देकर सम्मानित किया गया।**

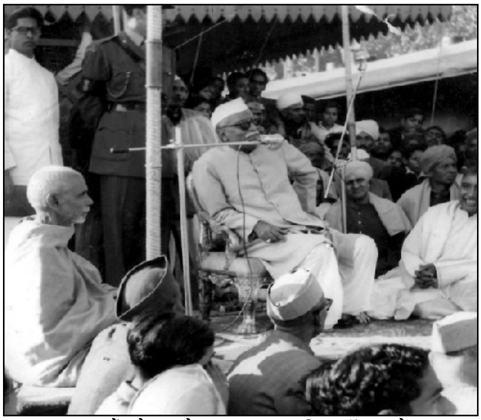

**मुजफ्फरनगर में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के साथ वीतराग स्वामी कल्याणदेव जी महाराज**

इसी प्रकार स्वामी कल्याण देव को 17 अगस्त 1994 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा द्वारा नन्दा फाउन्डेशन द्वारा स्थापित नन्दा नैतिक पुरस्कार देकर राष्ट्रपति भवन में सम्मानित किया गया और उन्हें एक लाख रुपए नगद, एक प्रशस्ति पत्र और एक शॉल देकर सम्मानित किया गया। इस नन्दा फाउन्डेशन के संरक्षक पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह थे और इतना ही नहीं निरपेक्ष और निर्लेप भाव से मानवता की सेवा करने के लिए **उन्हें 30 मार्च सन् 2000 को भी तत्कालीन राष्ट्रपति के.आर. नारायणन द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पद्म विभूषण पुरस्कार देकरश् अंलकृत किया गया और इसके अतिरिक्त मेरठ यूनिवर्सिटी द्वारा भी स्वामी कल्याण देव को डी. लिट. की उपाधि प्रदान करके उन्हें गौरवान्वित किया गया।**

देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने भी स्वामी कल्याण देव की गरीबों के प्रति समर्पण और समर्पित भाव देखते हुए स्वामी कल्याण देव को तीन सदी का संत कहा था। **14 जुलाई 2004 को शुक्रताल के उसी वटवृक्ष के नीचे जहां पर शुकदेव मुनि ने राजा परीक्षित को भागवत की कथा सुनाई थी । वहीं पर एकादशी के दिन लोक कल्याण करते 129 वर्ष की आयु पूरी करने वाले, महान संत ब्रह्मलीन हो गए।** इस महान् संत को स्थानीय लोग सुखदेव जी का अवतार मानते हैं । आज हम गौरवान्वित है कि इस महान विभूति ने हमारे जांगिड समाज में जन्म लिया और अपनी दयालु प्रकृति और मानवीय संवेदनाओं को आत्मसात करते हुए तीन सदी के महान सन्त होंने का परम सौभाग्य प्राप्त किया। ऐसे धर्मात्मा सन्त पुरुष इस धरा पर भगवान की प्रेरणा से जन्म लेकर अपने उत्कृष्ट कार्यों के माध्यम से संसार के कल्याण का रास्ता प्रशस्त करते हैं और ऐसे महान सन्त महात्मा के आदर्शो और सिद्धान्तों का पालन करते हुए हम अपने जीवन को सार्थक बनाने प्रयास करें ।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, स्वामी कल्याणदेव के जन्म दिवस पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा है कि स्वामी कल्याण देव एक महान राष्ट्र सन्त, वीतरागी, शिक्षाविद और पदमश्री और पद्मभूषण अवॉर्ड से सम्मानित और शुक्रताल को देश के 68वें तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने वाले, स्वामी कल्याण देव की जितनी भी भूरि-भूरि प्रशंसा की जाए वह कम है। निष्काम कर्मयोगी और अनन्त विभूति स्वामी कल्याण देव ने शुक्रताल की इस पुण्य धरा पर भारतीय प्राचीन संस्कृति की इस ऐतिहासिक तपोभूमि को **समुद्धाराय तीर्थंस्य सततं मोक्षदायिन** बना दिया। ऐसे स्वयं सिद्ध महान विभूति के उपदेश को जीवन में आत्मसात करके ही, मानवता का कल्याण हो सकता है और उनके प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

**महासभा, प्रधान रामपाल शर्मा।**

# महासभा प्रधान ने सवाई माधोपुर के जिला अध्यक्ष को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई।

प्रधान रामपाल शर्मा, जिला सवाई माधोपुर की कार्यकारिणी को शपथ दिलवाते हुए

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि महासभा के, जो 100 रुपए वाले सदस्य हैं, उनको कांटीन्यू रखने के बारे में 22 जून को इन्दौर में आयोजित होने वाली महासभा की त्रैमासिक बैठक में अन्तिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 21 जून को सभी प्रदेश अध्यक्षों और उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों की बैठक होगी और इस बैठक में उनको कांटीन्यू रखने के बारे में अन्तिम निर्णय लिया जाएगा और अगर इस बैठक में सभी ने सहमति जताई तो 100 रुपए वाले सदस्यों की सदस्यता जारी रहेगी और इसके साथ ही उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि समाज के लोगों ने मन्दिर और धर्मशाला तो बहुत बना लिए हैं और अब शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्रावास बनाए और बच्चों की शिक्षा की तरफ सर्वाधिक ध्यान दें ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके।

प्रधान रामपाल शर्मा ने यह उदगार 6 जून को सवाई माधोपुर की जिला कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। समारोह का शुभारंभ भगवान विश्वकर्मा और महर्षि अंगिरा की विधिवत ढंग से पूजा-अर्चना करने के उपरांत किया गया।

अपने अनुभव को समाज के लोगों के साथ सांझा करते हुए, प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि यद्यपि मेरी शिक्षा कम हुई है और उस समय परिस्थितियां भी कुछ ऐसी ही थी और उन मजबूरियों के कारण ही मेरी शिक्षा कम हुई, लेकिन जिस समय मैं बैंगलुरू आया तो, यहां आने के बाद मैंने महसूस किया कि शिक्षा का कितना महत्व है और जीवन में सीखने की कोई भी उमर नहीं होती है। इसीलिए मैंने अंग्रेजी सीखी और मैंने अभी भी अपनी सीखने की प्रवृत्ति और जिज्ञासा को जारी रखा हुआ है और अब मैं इतना पारंगत हो गया हूं कि बड़ी-बड़ी कम्पनियों के टैण्डर जो अंग्रेजी भाषा में आते हैं, उनको मैं खुद पढ़कर उस टैण्डर के रेट लिए भरता हूं। उन्होंने सहज रूप से स्वीकार किया कि हमारे जमाने में तो बच्चा अगर अपनी कक्षा में पास भी हो जाए, तो बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी, लेकिन आजकल प्रतिस्पर्धा के और डिजिटलाईजेशन के इस युग में बच्चों के 99.67 प्रतिशत तक नम्बर आते हैं। उन्होंने सभा में उपस्थित सभी माता-पिताओं से अनुरोध किया कि जिन बच्चों के नम्बर 10वीं और 12वीं कक्षाओं में, कम आए हैं, उनके साथ सन्तुलित व्यवहार करें और अपने बच्चों की वेदना को भली-भांति समझने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आज के इस प्रतिस्पर्धा के युग में शिक्षा का सर्वाधिक महत्त्व है और वही समाज आगे बढ़ेगा, जिसके बच्चे उच्च शिक्षित होंगे।

उन्होंने समाज की एकता पर बल देते हुए कहा कि यहां पर एक समस्या नहीं है, जिसको भी महासभा की कार्यकारिणी में कोई भी पद दिया जाता है, तो दूसरे लोग उसका विरोध करते हैं और उसको हटाने की बात करते हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आप लोग एक दूसरे का विरोध करने की अपेक्षा सहयोग करें, ताकि समाज की आशातीत प्रगति सम्भव हो सके। उन्होंने जिला अध्यक्षों की नियुक्ति सर्वसम्मति से करने की वकालत करते हुए, जिला अध्यक्ष खेमराज जांगिड से अनुरोध किया कि वह जिला अध्यक्ष के

चुनाव में हारे हुए प्रत्याशी को भी साथ लेकर चलें, इससे जहां समाजिक एकता सुदृढ़ होगी वहीं आपसी सहयोग और सौहार्द की भावना उत्पन्न होगी और समाज प्रगति की और अग्रसर होगा।

प्रधान रामपाल शर्मा ने **बेबाक तरीके से कहा कि मैं जो भी बात कहता हूं दिल से कहता हूं और भाव मेरे अन्दर हैं उनको मैं बेबाकी तरीके से अभिव्यक्त करता हूं और आपने मुझे समाज सेवा करने का दोबारा मौका दिया, यह आपकी महानता है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि मैं भविष्य में प्रधान रहूं या न रहूं समाज सेवा इसी नि:स्वार्थ भाव से करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि आपने मुझे सर्वोच्च पद पर आसीन किया यह आपकी महानता का परिचायक है।**

इस अवसर पर महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने जिलाध्यक्ष खेमराज जांगिड द्वारा मनोनीत जिला कार्यकारिणी के सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ भी दिलवाई । जिनमें महामंत्री मुकेश जांगिड, कोषाध्यक्ष बुद्धि प्रकाश जांगिड और जिला युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पुरुषोत्तम जांगिड शामिल हैं, जिन्होंने पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की और समाज हित में कार्य करने का संकल्प लिया और इसके साथ ही रश्मि उपमन्यु को जिला सवाई माधोपुर का महिला प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने जिला अध्यक्ष खेमराज से अनुरोध किया कि वह जिला अध्यक्ष के पद पर हारे हुए प्रत्याशी के घर जाकर उसको पूरा मान सम्मान दे और उसे अपने साथ जोड़े ताकि समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द बना रहे।

प्रधान रामपाल शर्मा ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, जिस प्रकार से आप सभी ने एकता का परिचय देते हुए जिला अध्यक्ष खेमराज जांगिड को जिला अध्यक्ष निर्वाचित करके समाज में एक सकारात्मक संदेश दिया है। वह एक सराहनीय कदम है। उन्होंने कार्यकारिणी के सदस्यों से कहा कि आपको जो यह, समाज सेवा का दायित्व सौंपा गया है, उसको सत्य निष्ठा पूर्वक कार्य करते हुए लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का सदैव ही प्रयास करना चाहिए।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश कुमार टाईगर, राज्य वित्त एवं विकास आयोग के सदस्य हरिशंकर जांगिड, विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पादक और न्यूज चैनल के हैड नरेश शर्मा, राजस्थान प्रदेश के राजनैतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद जांगिड, महासभा के उप प्रधान सुधीर डरोलिया, राजस्थान प्रदेश के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड, राजस्थान कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष लखन लाल शर्मा, राजस्थान के पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी नन्दलाल खण्डेला, दिल्ली के उद्योगपति कैलाश शर्मा, मदन लाल शर्मा, रतनलाल जांगिड दिल्ली के बंटी शर्मा, उद्योगपति अनिल जांगिड, राजा राम जांगिड, राजेंद्र जांगिड, महासभा के उपप्रधान वेद प्रकाश जांगिड, संभाग प्रभारी सहित, कोटा, टोंक, बूंदी, बारां, करौली, कोटपूतली और अलवर इत्यादि जिला सभाओं के जिला अध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

समारोह में शामिल हुए अतिथियों को पगड़ी और पटका पहनाने के साथ ही सवाई माधोपुर के प्रसिद्ध ख्याति प्राप्त त्रिनेत्र प्रथम पूज्य श्री गणेश महाराज, की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया।

मंच का बेहतरीन ढंग से संचालन मोहन लाल जांगिड ने किया।

**नरेश शर्मा, सम्पादक विश्वकर्मा टूडे जयपुर।**

# इन्दौर में 22 जून को होने वाली महासभा की त्रैमासिक बैठक में जाति जनगणना के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय लिया जाएगा।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि 22 जून को इन्दौर में महासभा की नवगठित कार्यकारिणी की पहली बैठक आयोजित की जा रही है और इस महत्वपूर्ण बैठक से पहले सभी प्रदेश अध्यक्षों और उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों की बैठक 21 जून को आयोजित की जाएगी और इस बैठक में यह प्रयास किया जाएगा कि देश में जनगणना के समय समाज के लोगों को कौन सा उचित शब्द लिखवाना चाहिए ताकि समाज के सही आंकड़े सामने आ सके। उन्होंने कहा कि 21 जून को सभी प्रदेश अध्यक्षों और उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों की एक बैठक होगी जिसमें अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। और देश में जाति जनगणना के बारे में 16 जून को केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा एक अधिसूचना जारी की गई है, जिसके अनुसार बर्फबारी से प्रभावित क्षेत्रों में, जिनमें जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं में, जनगणना 1 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी, जबकि देश के अन्य राज्यों में जाति जनगणना 1 मार्च 2027 से शुरू होगी।

यह जानकारी, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने 25 मई को जांगिड समाज कन्या छात्रावास में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के सानिध्य में आयोजित जिला भीलवाड़ा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए दी। इससे पहले समारोह की शुरुआत भगवान विश्वकर्मा की आरती और पूजन करने के उपरांत की गई। इस अवसर पर आए हुए सभी अतिथियों का पगड़ी पहनाकर और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि मेरी यह हार्दिक इच्छा है कि भगवान श्रीराम की पुण्य धरा अयोध्या में समाज की एक धर्मशाला के निर्माण के साथ ही भगवान विश्वकर्मा के एक भव्य मन्दिर का भी निर्माण किया जाए और इस सन्दर्भ मे, मैं व्यक्तिगत रूप से दो तीन बार अयोध्या जा चुका हूं ताकि वहां पर उचित स्थान पर इसके लिए भूमि की खरीद करके इस परियोजना का शुभारंभ किया जा सके और इन्दौर में आयोजित होने वाली इस त्रैमासिक बैठक में अयोध्या में भूमि क्रय करने के बारे में एक कमेटी का गठन जाएगा और इसके अतिरिक्त महासभा के भवन के संचालन के लिए भी एक कमेटी के गठन पर भी विचार किया जाएगा।

रामपाल शर्मा ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति का मार्ग एकता के मार्ग से होकर जाता है और आप सभी का और विशेषकर नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष महावीर प्रसाद सुथार का यह सर्वोच्च दायित्व है कि वह सभी को एक साथ लेकर समाज को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य करें और भी समाज के जितने भी संगठन हैं उन सभी के सहयोग और समर्थन से ही यह समाज भविष्य में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकता है। उन्होंने जिला अध्यक्ष महावीर प्रसाद के सफल कार्यकाल की मनोकामना की है। उन्होंने कहा कि 22 जून को इन्दौर में महासभा की नवगठित कार्यकारिणी की पहली बैठक आयोजित की जा रही है और इस महत्वपूर्ण बैठक से पहले सभी प्रदेश अध्यक्षों और उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों की बैठक 21 जून को आयोजित की जाएगी और इस बैठक में यह प्रयास किया जाएगा कि देश में जनगणना के समय समाज के लोगों को कौन सा उचित शब्द लिखवाना चाहिए ताकि समाज के सभी आंकड़े सामने आ सके।

रामपाल शर्मा ने कहा कि समाज की प्रगति का मार्ग एकता के माध्यम से होकर जाता है और आप सभी का और विशेषकर नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष महावीर प्रसाद सुथार का यह दायित्व है कि वह सभी को एक साथ लेकर समाज को आगे बढ़ने का कार्य करें और भी समाज के जितने भी संगठन हैं उन सभी के

सहयोग और समर्थन से ही यह समाज नई उंचाई हासिल कर सकता है। उन्होंने जिला अध्यक्ष महावीर प्रसाद के सफल कार्यकाल की मनोकामना की। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी आपसी मतभेद भूलाकर कार्य करने की महत्ती आवश्यकता है और चुनाव खत्म होते ही आपसी सौहार्द और का वातावरण बनाए रखते हुए आपस में मिलकर आगे बढ़ने की जरूरत है और आपसी सहयोग और समर्थन से ही यह समाज आशातीत प्रगति कर सकता है।

उन्होंने कहा कि आप पर जिला भीलवाड़ा के लोगों ने विश्वास करके सेवा करने का मौका दिया है और अब आप सबका दायित्व है कि हम सभी आपस में मिलकर समाज के युवाओं के सपनों को साकार करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि महासभा के भवन का निर्माण करके, हमारे पुरोधाओं के सपनों को साकार किया गया है और इस महासभा भवन के निर्माण रुपी महायज्ञ में अनेक भामाशाहों और दानदाताओं ने अपनी आहुति डाली है और यही कारण है कि इस महासभा भवन का निर्माण कार्य एक रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया और अब इस महासभा भवन के संचालन के लिए इन्दौर की त्रैमासिक बैठक में एक कमेटी का गठन किया जाएगा और निश्चित रूप से यह महासभा भवन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगा।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान प्रदेश सभा के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार ने कहा कि विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति प्रधान रामपाल शर्मा ने महासभा की गरिमा को चार-चांद लगाने का काम किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि प्रधान रामपाल शर्मा के नेतृत्व में भविष्य में महासभा आशातीत प्रगति करेंगी और हम सभी का यह नैतिक दायित्व है कि हम तन, मन और धन से महासभा प्रधान के सपनों को मूर्त रूप देने उनको भरपूर सहयोग प्रदान करें।

महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल ने कहा कि प्रधान रामपाल शर्मा ने, जिस प्रकार से महासभा के गौरव को बढ़ाने का स्तुत्य प्रयास किया है उसकी जितनी भी भूरि-भूरि प्रशंसा की जाए वह बहुत कम है और यही कारण है कि समाज में उनके नेतृत्व में एक नए युग का सूत्रपात हुआ है और वह आने वाली युवा पीढ़ी के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष, डॉ. रेणु जांगिड ने कहा कि आज के इस आधुनिक डिजिटल युग में महिलाओं का सशक्तिकरण हुआ है और महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपनी सफलता के झण्डे गाड़ रही हैं।

इस समारोह में भारी संख्या में जांगिड समाज के लोगों ने उपस्थित होकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की और इसके साथ ही श्री विश्वकर्मा जांगिड समाज विकास समिति की प्रबंध कार्यकारणी एवं महासभा के पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा, महासभा के मुख्य सलाहकार श्री गोपाल चोयल, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड, महासभा के मिशन डेढ़ लाख प्रभारी रामजी लाल जांगिड, उच्च स्तरीय समिति के सदस्य अशोक शर्मा, प्रदेश सभा राजस्थान के मुख्य चुनाव अधिकारी बसन्त जांगिड, राजस्थान युवा प्रदेश अध्यक्ष धर्मवीर ग्वाला, जिला अध्यक्ष व्यावर ब्रह्मदेव जांगिड सहित, अनेक जिलों से आए हुए, जिला अध्यक्षों, तहसील अध्यक्षों एवं प्रदेश सभा तथा महासभा के पदाधिकारियों ने भारी संख्या में उपस्थित होकर समारोह की गरिमा को चार चांद लगा दिए।

मंच संचालन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अध्यापक महावीर प्रसाद जांगिड एवं जिला मंत्री महावीर प्रसाद आमेरिया ने बड़े ही कुशलता पूर्वक तरीके से किया।

**महासभा के मुख्य सलाहकार श्री गोपाल चोयल, अजमेर।**

# प्राचीन श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के गंगादीन जांगिड चौथी बार प्रधान बने।

श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान गंगादीन जांगिड को मुख्य चुनाव अधिकारी राम अवतार शर्मा 1 जून को शपथ दिलवाते हुए

मिलनसार और विनम्र स्वभाव की प्रतिमूर्ति, सदाशयता, विनम्रता समाज सेवा के प्रखर सजग प्रहरी, समाज सेवा के प्रति समर्पित, गंगादीन जांगिड लगातार चौथी बार निर्विरोध रुप से प्राचीन श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के निर्विरोध प्रधान चुने गए हैं और यह उपलब्धि हासिल करने वाले, श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के पहले प्रधान बन गए हैं, जो लगातार चौथी बार प्रधान सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए हैं और यह उनकी विनम्रता और सौम्यता और समाज को आगे ले जाने की जिजीविषा को परिलक्षित करता है। सभी उपस्थित महानुभावों ने पिछली कार्यकारिणी द्वारा किए गए सभी कार्यों की मुक्त कंठ से भूरि-भूरि प्रशंसा भी की गई।

मुख्य चुनाव अधिकारी रामवतार शर्मा ने बताया कि 1 जून 2025 को, मन्दिर के प्रधान पद के लिए चुनाव होना निर्धारित किया गया था और केवल एक ही नामांकन पत्र प्राप्त हुआ, जिसके परिणामस्वरूप सभी सदस्यों ने एक मत होकर गंगादीन जांगिड के कुशल नेतृत्व में एक बार पुन: विश्वास व्यक्त करते हुए पूर्व प्रधान गंगादीन जांगिड को यह दायित्व पुन: चौथी बार सौंपने का यह ऐतिहासिक निर्णय लिया और वह लगातार चौथी बार श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान पद पर आसीन हुए हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी रामावतार शर्मा ने नव निर्वाचित प्रधान गंगादीन जांगिड को भगवान श्री विश्वकर्मा को साक्षी मानकर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई। प्रधान चुने जाने पर गंगादीन जांगिड ने सभी उपस्थित महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे सर्व सम्मति से निर्विरोध प्रधान चुने जाने पर विभिन्न माध्यमों से प्रेषित स्नेहिल शुभकामनाओं के लिए, मैं हृदय की गहराइयों से आप सभी का कोटिश: धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूं।

उन्होंने रहस्योद्घाटन किया कि वह पहली बार मार्च 2016 में प्राचीन श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान बने थे और उसके बाद लगातार तीन बार निर्विरोध रुप से प्रधान निर्वाचित हुए हैं। इसके अतिरिक्त वह पहले भी सन् 2004 से सन् 2011 तक सागरपुर शाखा सभा में भी निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए थे और यह इस बात का द्योतक है कि उनकी छवि एक समाज सेवक के रूप में परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आपका यह आशीर्वाद और अपार स्नेह मुझे समाज हित में निरंतर कार्य करने के लिए इसी प्रकार से अभिप्रेरित करता रहेगा। मुझे आशा है कि भविष्य में भी आपका सहयोग और समर्थन तथा आशीर्वाद सदैव ही इसी प्रकार मिलता रहेगा, इसी अपेक्षा के साथ आप सभी का पुन: स्नेह से परिपूर्ण हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने गंगादीन जांगिड को प्राचीन श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज, नई दिल्ली का लगातार, चौथी बार निर्विरोध प्रधान निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह उनकी कार्यशैली की लोकप्रियता का पैमाना है और उन्होंने जिस प्रकार से वर्षों पुराने इस ऐतिहासिक धरोहर पहाड़गंज मन्दिर का जीर्णोद्धार करके एक कीर्तिमान स्थापित किया है उसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस प्रकार से गंगादीन जांगिड ने अपने कार्यकाल को सेवा का माध्यम बनाकर, समाज के लोगों का मन जीत लिया है और इसके साथ ही मन्दिर की वित्तीय स्थिति को भी सुदृढ़ किया है, उसके लिए पुन: बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने जिस प्रकार से 22 जनवरी 2024 को इस मन्दिर में भगवान श्रीराम के दरबार की प्राण प्रतिष्ठा करवाई और समाज के लोगों के लिए इस मंदिर में ठहरने की उचित व्यवस्था की है, उसके लिए वह बधाई के पात्र हैं और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में भी वह इसी प्रकार से समाज सेवा का अनवरत रूप से कार्य करते हुए समाज के लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करते रहेंगे। मैं उनके सफलतम कार्यकाल की मंगल कामना करता हूं।

इस अवसर पर इस प्रतिष्ठित बैठक की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, दिल्ली प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल, सह मुख्य चुनाव अधिकारी, पुरुषोत्तम गौतम व श्रीमती कल्पना धीमान, एडवोकेट के डी शर्मा, सुरेंद्र वत्स, देवी सिंह जांगिड, रामपाल जांगिड, देवेंद्र गौतम, वेद प्रकाश, बी एन शर्मा, श्याम सुंदर धामू, रामानंद जांगिड, जगदीश राय, देशराज जांगिड, मदन गोपाल नांगलोई, योगेन्द्र जांगिड, रामप्रताप शर्मा, के एल शर्मा, नत्थू लाल शर्मा, राम प्रताप शर्मा, श्री राम जांगिड, महावीर प्रसाद एवं अधिकतर जिला अध्यक्ष एवं शाखा सभा अध्यक्ष शामिल हैं। मंच का बेहतरीन ढंग से संचालन हंसराज जांगिड और चन्द्रपाल भारद्वाज ने किया।

**जगदीश खण्डेलवाल, कार्यकारी अध्यक्ष, दिल्ली प्रदेश सभा।**

# देवास, मध्य प्रदेश में 7 जून को कलियुग के अवतार प्रभू खाटू श्याम जी की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की गई।

हारे के सहारे, शीश के दानी, खाटू श्याम जी

राजस्थान के नगरीय आवास एवं विकास विभाग मंत्री, झावरमल खर्रा ने कहा कि **देवास में हारे के सहारे** की कलियुग में भगवान श्री कृष्ण का अवतार माने जाने प्रभु खाटू श्याम जी, की ख्याति आज राजस्थान के सीकर जिले के गांव **खाटू श्याम** से निकल कर न केवल देश के कौने-कौने में अपितु विदेशों तक भी पहुंच गई है और विदेशों में भी **शीश के दानी** की अलख जगाई जा रही है। वह देवास मध्यप्रदेश में, मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पी डी शर्मा द्वारा बनाए गए मन्दिर में प्रभू खाटू श्याम जी की मूर्ति के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर 7 जून को उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

मंत्री ने, पी डी शर्मा उनके सुपुत्र अशोक शर्मा और मनोज शर्मा को प्रभू खाटू श्याम के मन्दिर के निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा की, बधाई देते हुए कहा कि यह इस परिवार की धार्मिक प्रवृत्ति का द्योतक है। उन्होंने कहा कि जांगिड समाज, आज उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और इस समाज ने अपनी कला कौशल के माध्यम से न केवल देश में अपितु विदेशों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है और परचम लहराया है और ख्याति अर्जित करने के साथ ही अपनी साख भी कायम की है। इस कलियुग में भगवान श्री कृष्ण के अवतार माने जाने वाले, प्रभु खाटू श्याम की अनुकम्पा सदैव ही इस परिवार पर सदैव ही इसी प्रकार से बनी रहे।

इससे पहले रात्रि को भजन संध्या का आयोजन भी किया गया, जिसमें रवि शर्मा की टीम द्वारा प्रभु खाटू श्याम के मधुर भजनों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया गया। सभी आगुंतक मेहमानों का पीडी शर्मा व उनके सुपुत्र अशोक शर्मा और मनोज शर्मा द्वारा माला और साफा पहनाकर भावभीना स्वागत और अभिनन्दन किया गया। इससे पहले महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई और इस कलश यात्रा में महिलाओं ने विशेष रूप से परम्परागत राजस्थानी ड्रेस पहनी हुई थी, जिसने कलश यात्रा में चार चांद लगा दिए।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि प्रभु खाटू श्याम **हारे के सहारा** होने के साथ ही **तीन बाणधारी भी है और उन्होंने अपने इन तीन बाणों के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण को**

**परीक्षा दी थी और इस परीक्षा में वह सफल रहे और धर्म की रक्षा करने के लिए ही उन्होंने अपने शीश का दान कर दिया था और इसीलिए वह शीश के दानी भी कहलवाए।** उन्होंने कहा कि मेरी प्रभू खाटू श्यामजी में गहरी आस्था और विश्वास है और आज कल सारे देश में जगह-जगह प्रभु खाटू श्याम के मन्दिर बनाए जा रहे हैं और देवास में बनाया गया यह मंदिर भी इसी आस्था और विश्वास का प्रतीक है और यह मन्दिर भविष्य में लोगों की आस्था और विश्वास का केंद्र बनेगा। मेरी मनस्कामना है कि प्रसिद्ध उद्योगपति और समाज सेवा की प्रतिमूर्ति पी डी शर्मा और इसके परिवार पर प्रभु खाटू श्याम की अनुकम्पा सदैव ही बनी रहे और आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण हों।

मध्य प्रदेश सभा के लोकप्रिय अध्यक्ष और झूझारू और कर्मठ छवि की प्रतिमूर्ति, प्रभू दयाल बरनेला ने कहा कि हमारे देश में लोगों को धार्मिक स्वतंत्रता है और यही कारण है कि सभी लोग अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजा अर्चना करते हैं, लेकिन जिस प्रकार से शीश के दानी, प्रभु खाटू श्याम की पूजा करने वालों की संख्या देश में उतरोत्तर बढ़ती ही जा रही है, इससे सिद्ध होता है कि **कलियुग में भगवान श्री कृष्ण का अवतार माने जाने वाले, प्रभु खाटू श्याम में लोगों की आस्था दिन प्रतिदिन निरन्तर बढ़ती ही जा रही है। मैं पी डी शर्मा परिवार की इस 'परोपकाराय पुण्य कार्य'** के लिए हृदय के अन्त:करण से बधाई देता हूं। इस अवसर पर मंत्री झावरमल खर्रा ने फैक्ट्री रैलीग्रेस, पेरेन्टल इण्डिया प्राईवेट लिमिटेड के परिसर में पौधरोपण भी किया।

इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह का साक्षी बनने का अवसर, जिन लोगो को मिला उनमें राजस्थान प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष गजानन्द जांगिड, महासभा के उपप्रधान सतनारायण जांगिड आर्किटेक्ट, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष राहुल शर्मा, दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिराम जांगिड, विश्वैश्वर संधवा सहित समाज की मातृशक्ति और जिला सभा के अध्यक्ष और कार्यकारिणी के सदस्य और अनेक सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी शामिल हैं ।

उल्लेखनीय है कि पीडी शर्मा एक महान समाज सेवक होने के धर्म परायण प्रवृत्ति के धनी भी है। प्रभु दयाल शर्मा, मध्य प्रदेश सभा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं और इनमें समाज सेवा कूट-कूट कर भरी हुई है और वह अपने गांव खुर्रमपुरा में एक धर्मार्थ अस्पताल का निर्माण भी करवा रहे हैं, जिसकी आधारशिला भी राजस्थान सरकार में मंत्री झावरमल खर्रा द्वारा ही रखी गई थी। इसके अतिरिक्त पी डी शर्मा द्वारा मध्य प्रदेश सभा के लिए देवास में जमीन भी दान के रूप में गई है ।

**मध्य प्रदेश अध्यक्ष, प्रभू दयाल बरनेला।**

# भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में उप प्रबंधक के पद पर रजत जांगिड की नियुक्ति हुई।

जीवन में लक्ष्य सामने हो और आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प हो तो सफलता अवश्य ही मिलेगी, लेकिन उसके लिए समय सीमा कभी भी निर्धारित नहीं की जा सकती है और इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ही, अम्बाला के रहने वाले रजत जांगिड की नियुक्ति, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में डिप्टी मैनेजर तकनीकी के पद पर हुई है और उसने 28 मई को उधमपुर, जम्मू कश्मीर में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष सन् 2024 में हुई गेट की परीक्षा में रजत जांगिड ने ऑल इंडिया में 51वां रैंक हासिल किया था और उसके आधार पर ही उनको भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में यह नियुक्ति मिली है। इसके अतिरिक्त रजत ने अपने पहले ही प्रयास में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भारतीय इंजीनियरिंग सेवा की परीक्षा का प्री और मेन एग्जाम भी क्लियर कर लिया था, परन्तु दुर्भाग्यवश इंटरव्यू के बाद उनका चयन नहीं हुआ।

लेकिन वह निराश नहीं हुआ और अपना लक्ष्य सामने रखते हुए परिश्रम करता रहा और जिसका परिणाम अब उसके पक्ष में गया है। अभी भी वह दोबारा भारतीय इंजीनियरिंग सेवा की तैयारी कर रहे हैं। रजत जांगिड का जन्म गांव पातन, जिला हिसार में 24 दिसंबर 2001 को एक साधारण जांगिड परिवार में हुआ। इन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा, स्वामी दयानंद सरस्वती स्कूल अंबाला से, दसवीं की परीक्षा सेंट जोसेफ पब्लिक स्कूल अम्बाला से तथा 12वीं की परीक्षा डीएवी पब्लिक स्कूल अंबाला से 95 प्रतिशत अंकों के साथ पास की। इसके बाद जेईई की परीक्षा पास करके, कुरुक्षेत्र के राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान से सिविल इंजीनियरिंग में बी टेक की परीक्षा पास की और यूपीएससी की कोचिंग के लिए मुखर्जी नगर दिल्ली का रुख किया और जो भी परीक्षा दी उसमें सफलता अर्जित की।

विनम्र स्वभाव और मिलनसार प्रवृत्ति के धनी और अम्बाला के उपायुक्त के रीडर, इनके पिता रमेश जांगिड ने कहा कि रजत की सफलता का राज पितृदेवों, बुजुर्गों के आशीर्वाद के साथ-साथ, रजत की पहली गुरु अर्थात उसकी मां के धर्म-कर्म तथा शिक्षाओं के बिना यह संभव नहीं हो सकता था। उन्होंने कहा कि रजत जांगिड, बचपन से ही पढ़ाई में प्रत्येक कक्षा में टॉप करता रहा और इस सफलता का राज इनकी मां श्रीमती सुमन बाला जांगिड को जाता है, जो स्वयं एक उच्च शिक्षित है और उसने नौकरी न करके अपने बच्चों के लिए त्याग दिया और उनको खुद पढ़ाया और बेहतर संस्कार प्रदान किए। रजत जांगिड की दादी माया देवी जांगिड अपने पोते की सफलता पर भावुक हो गईं और कहा कि **यह सब भगवान की अनुकम्पा, रजत की मेहनत, उनके माता पिता व गुरुओं के आशीर्वाद से ही सम्भव हो सका है।** उनकी मां सुमन बाला जांगिड ने कहा कि जिस समय एक बच्चा सफलता का मुकाम हासिल करता है, तो उसके माता-पिता की खुशी दोगुनी हो जाती है और यह सब भगवान की कृपा का ही प्रसाद है और मुझे विश्वास है भविष्य में भी रजत और नीतीश, यूपीएससी की परीक्षा पास करके भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बनेंगे।

रजत जांगिड ने कहा कि **आज मैं, जो कुछ भी हूँ, वह ईश्वर की कृपा से हूं तथा इसमें मेरे परिवार का सबसे बड़ा योगदान है। बचपन से लेकर अब तक मेरे परिवार ने मुझे हमेशा ही निःस्वार्थ प्यार, समर्थन और मार्गदर्शन दिया और मेरे सपनों को समझा और उन्हें पूरा करने और आगे बढ़ने में इस जीवन की अब तक की हर छोटी बड़ी उपलब्धि आपको समर्पित करता हूं।**

उनके छोटे भाई नीतीश जांगिड ने कहा कि रजत का भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में डिप्टी मैनेजर (टेक्निकल) के प्रतिष्ठित पद पर चयन मेरे लिए किसी भी प्रेरणा से कम नहीं है। उनकी सफलता ने, न केवल समाज को अपितु हमारे परिवार को गौरवान्वित किया है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने रजत जांगिड की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि यह उसकी अथक मेहनत, लग्न और सही दिशा में आगे बढ़ने का जुनून ही था, जिसने रजत को इस मुकाम तक पहुंचाया है और उसने न केवल परिवार को अपितु जांगिड समाज को भी गौरवान्वित किया है। जिस प्रकार से वह परिश्रम कर रहा है, उससे यह निश्चित है कि वह भविष्य में भी में अपने अधूरे सपनों को अवश्य ही साकार करने में सफल होगा। ऐसी मेरी मनस्कामना है। मैं, उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

**रमेश जांगिड, रीडर डी सी अम्बाला**

# डॉ. कृति शर्मा नीट की परीक्षा के माध्यम से एम डी एस की पढ़ाई करेगी।

इस जीवन में प्रतिभा, बुद्धिमता और दक्षता परमात्मा जिसको भी प्रदान करता है वह अपने परिश्रम और पुरुषार्थ के कार्य करते हुए अपने उद्देश्य में अवश्य ही सफलता हासिल कर लेता है और इस अवधारणा को सिद्ध करके दिखलाया है जयपुर की रहने वाली और एक्सियन उमेश शर्मा और आरती शर्मा की सपुत्री डॉ. कृति शर्मा ने, जिन्होंने मई में घोषित किए गए एम डी एस की परीक्षा में सारे देश में 136 वां रैंक हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. कृति शर्मा ने फरवरी 2025 में महात्मा गांधी डैंटल कॉलेज एण्ड हास्पिटल जयपुर से बीडीएस पास की है।

कृति शर्मा विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पादक रामप्रसाद शर्मा की पोती और वर्तमान में विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा की भतीजी है। नरेश शर्मा ने बताया कि कृति शर्मा ने आई एन आई – सी ई टी 2025 की परीक्षा में भी अखिल भारतीय स्तर पर 109 वीं रैंक हासिल की है और वह अब राजकीय कॉलेज से एम डी एस पास डिग्री हासिल करेगी। डॉ. कृति ने कहा कि, हां मुझे उम्मीद जरूर थी कि मैंने जिस प्रकार से एकाग्रता के साथ लक्ष्य निर्धारित करके दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ परिश्रम किया और उसका परिणाम अवश्य ही मिलेगा।

उन्होंने कहा कि वह भविष्य में एक डाक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहती है। यूपीएससी की परीक्षा पास करके एक उच्च अधिकारी बनने के प्रश्न के उत्तर में, उसने बड़े ही सधे हुए तरीके से जबाब देते हुए कहा कि जीवन में प्रत्येक व्यक्ति की इच्छा आसमान छूने की होती है, लेकिन होता वही है जो आपके भाग्य में लिखा होता है और इसीलिए कहा गया है कि **जो राम रची राखा सो होई।** 18 जून को ही मैंने माता वैष्णो देवी के दर्शन किए हैं और मैंने उनसे केवल एक ही वरदान मांगा है कि हे! वैष्णो माता जीवन में जो भी होगा आपकी मर्जी से वह उत्तम ही होगा, जब मेरे सिर पर मां वैष्णो देवी का हाथ है तो चिंता किस बात की है।

नरेश शर्मा, ने कहा कि कृति प्रारम्भ से ही मेधावी छात्रा रही है उसने **होनहार बिरवान के होत चिकने पात** नामक उक्ति को सही चरितार्थ किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. कृति ने अपने दादा राम प्रसाद शर्मा के सपनों को भी साकार किया है क्योंकि उन्होंने ही कृति को बी डी एस में दाखिला दिलवाया था और पहली बार वह मेरे आग्रह पर अपने परिवार के साथ मां वैष्णो देवी के दर्शन करने के लिए गई थी।

प्रधान रामपाल शर्मा ने कृति शर्मा की अनुकरणीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने जिस प्रकार से अपना लक्ष्य निर्धारित करके और एकाग्रता तथा आत्मविश्वास के साथ परिश्रम किया है, उसका बेहतरीन परिणाम सामने आया है और मुझे विश्वास है कि भविष्य में, वह जिस भी क्षेत्र में काम करेंगी वहां पर भी उसको निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

**सम्पादक राम भगत शर्मा।**

# गाजियाबाद की खुशबू जांगिड ने कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

जो युवा अपने संकल्प को आत्मसात करते हुए और रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं और रुकावटों पर विजय हासिल कर लेता है वह सफलता के आनन्द का भागी बनता है और ऐसी ही सफलता की भागीदार बनी है, गाजियाबाद की रहने वाली रविंद्र जांगिड एवं श्रीमती पूनम जांगिड की होनहार सुपुत्री खुशबू जांगिड, जिन्होंने अप्रैल में हरिद्वार में आयोजित 7वीं आई एस एफ कराटे चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने के साथ ही एक 10 ग्राम का चांदी का सिक्का भी उपहार स्वरूप प्राप्त किया है। उसने राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर कराटे प्रतियोगिता में अनेक पुरस्कार हासिल करके जांगिड समाज का नाम रोशन किया है। खुशबू पिछले 16 वर्षों से कराटे का प्रशिक्षण ले रही थी और जिसमें इन्होंने जिला, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अनेक स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए हैं और इसके अतिरिक्त तीन बार इन्हें द्रोण अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। खुशबू ब्लैक बेल्ट, डेन कराटे मास्टर्स की राष्ट्रीय कोच भी है।

खुशबू जांगिड, गाजियाबाद के श्री गुरु नानक गर्ल्स इंटर कॉलेज में भी विगत 6 वर्षों से युवाओं को कराटे में पारंगत कर रही है और अभी तक लगभग 1000 से अधिक लड़कियों को प्रशिक्षण दे चुकी हैं और इसके साथ ही खुशबू एक नेशनल रेफरी भी है और इन्हें द्रोण रत्न सर्वश्रेष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी के रूप में पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। इससे पहले भी इनको द्रोण रत्न सर्वश्रेष्ठ एथलीट खिलाड़ी के रूप में पुरस्कृत किया गया है। और तीन बार इन्हें आधिकारिक कोच के रूप में भी सम्मानित किया गया है। भविष्य उनके उत्कृष्ट एवं प्रतिभा का इंतजार कर रहा जो उनकी मेहनत और लगन पर निर्भर करता है ।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने खुशबू जांगिड के स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई देते हुए कहा है कि, जिस प्रकार से आधुनिक युग में नारी का सशक्तिकरण हुआ है और वह प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबले में, बराबर अग्रसर है और खुशबू जांगिड भी इसका अपवाद नहीं है। महासभा परिवार की तरफ से भी शुभकामनाएं और मुझे पूरा भरोसा है कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार से बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए समाज का नाम गौरवान्वित करेगी। मैं उसके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

**अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश उषा शर्मा एवं उप प्रधान महासभा यशपाल एस जांगिड।**

# राजस्थान प्रदेश में दो जिलों के जिलाध्यक्ष निर्वाचित हुए

*जिलाध्यक्ष टोंक का चुनाव 25 मई को सम्पन्न हुआ और जिला अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड, रानोली टोंक ने इस चुनाव में 150 मतों से विजयश्री हासिल की और चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश बरड़वा ब्यावर ने उनको पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।*

श्री हनुमान प्रसाद जांगिड
सुपुत्र श्री जयनारायण जांगिड
जिलाध्यक्ष टोंक
9829557936

*जिलाध्यक्ष भरतपुर का चुनाव 1 जून को सम्पन्न हुआ और इस चुनाव में जिला अध्यक्ष लोकेश कुमार जांगिड, निवासी देहरा, नदबई, जिला भरतपुर 219 मतों से विजयी घोषित किए गए और नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष को चुनाव अधिकारी महेश कुमार जोपालिया ब्यावर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई।*

श्री लोकेश कुमार जांगिड
सुपुत्र श्री नारायण लाल जांगिड
जिलाध्यक्ष भरतपुर
9772244888

**बसंत कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी, मो0. 9680010591**

## महासभा का देश के राज्यों बिहार, उड़ीसा, हिमाचल प्रदेश तथा केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में प्रदेश सभाओं के गठन का निर्णय।

विनम्रता, सौम्यता, सदाशयता और समाज सेवा की उत्कट जिजीविषा की प्रतिमूर्ति महासभा के प्रधान श्री रामपाल जी शर्मा की सार्वभौमिक सोच के परिणाम स्वरूप ही देश के बिहार, उड़ीसा और हिमाचल प्रदेश तथा केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में, प्रदेश सभाओं के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है और इस महायज्ञ में पूर्ण आहुति डालने के लिए ही, इन प्रदेशों के समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ताओं का सहयोग अपेक्षित है ताकि संगठन के इस संकल्प को सिद्धी तक पहुंचाने के इस कठिन सफर को आपके सहयोग से सहजता से पूरा किया जा सके।

8 दिसम्बर 2024 को, जिस समय समाज बन्धुओ ने श्री रामपाल जी शर्मा को पुनः महासभा का निर्विरोध प्रधान निर्वाचित करके, समाज के मुख्य सेवक का जो दायित्व सौंपा है, उससे उनका दायित्व और अधिक बढ़ गया है और इस परिकल्पना को मूर्त रूप देने की मनोकामना के तहत ही, इन उपरोक्त राज्यों में प्रदेश सभाओं के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।

इसके साथ ही पंजाब और पश्चिम बंगाल में प्रदेश सभाओं का काम सन्तोषजनक नहीं रहा है इसी को ध्यान में रखते हुए ही इन दोनों प्रदेशों में प्रदेश सभाओं के चुनाव पुनः करवाने का निर्णय लिया गया है, क्योंकि पंजाब में ढ़ाई वर्ष बीतने के बाद भी आज तक कार्यकारिणी का गठन नहीं किया गया है और पश्चिम बंगाल में भी सदस्य संख्या पूरी न होने के कारण वहां पर प्रदेश सभा के चुनाव करवाने का पुनः निर्णय लिया गया है।

प्रधान श्री रामपाल जी शर्मा ने, इन प्रदेशों में रहने वाले समाज के सभी प्रतिष्ठित महानुभावों से करबद्ध विनम्र अनुरोध किया है कि, लोगों को महासभा के साथ जोड़ने का यह महायज्ञ आपकी सक्रिय भागेदारी के बिना पूर्ण नहीं हो सकता है और इसी आशा और अपेक्षा के साथ आपके सहयोग की मनस्कामना है।

**प्रवीण कुमार शर्मा।**

**मुख्य चुनाव अधिकारी महासभा**

# विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा द्वारा पूर्व अतिरिक्त निदेशक राम भगत शर्मा को कर्मयोग के सूत्रधार नामक पुस्तक भेंट की गई।

विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा, ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक राम भगत शर्मा को 9 जून को कर्मयोग के सूत्रधार नामक पुस्तक सप्रेम भेंट की

जीवन में उत्कृष्टता और संवेदनशीलता को कलमबद्ध करके इस प्रतिष्ठित पुस्तक **कर्मयोग के सूत्रधार** के माध्यम से माला के 108 मनको की तर्ज़ पर समाज की विभिन्न क्षेत्रों में विख्यात प्रतिभाओं के प्रेरणा दायक लेखों को कलम बद्ध करके एक छोटा सा स्तुत्य प्रयास किया गया है।

यह उद्‌गार विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा ने 9 जून को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक राम भगत शर्मा को उसके निवास स्थान पर जाकर **कर्म के सूत्रधार नामक** पुस्तक भेंट करने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक के संकलन में लगभग अढ़ाई वर्ष का समय लग गया और इस पुस्तक की छपाई और इसके तारतम्य को बनाए रखने तथा इसके कलेवर को आकर्षक बनाने का एक छोटा सा प्रयास किया गया है और इस कर्मयोग के सूत्रधार नामक पुस्तक पर प्रति पुस्तक लगभग 500 रुपए का खर्च वहन करना पड़ा है। लेकिन यह समाज की एक अमूल्य धरोहर बन गई है।

नरेश शर्मा ने भावुक होते हुए कहा कि मेरे पिता रामप्रसाद शर्मा का यह सपना था कि समाज की विभिन्न क्षेत्रों में विख्यात प्रतिभाओं को एक पुस्तक के रूप में संकलित करके, लोगों तक पहुंचाया जा सके ताकि समाज के लोगो को समाज के इन प्रतिष्ठित महानुभावों के बारे में विस्तार पूर्वक जानने का सौभाग्य प्राप्त हो सके। इसीलिए इस **कर्म योग के सूत्रधार** माला के 108 मनको की तरह ही इस पुस्तक में समाज की 108 महान विभूतियों और प्रतिभाओं के विचार संकलित करके इस पुस्तक के माध्यम से समाज के लोगों तक पहुंचाने का एक छोटा सा प्रयास किया गया है। इन महान विभूतियों में समाज के प्रशासनिक अधिकारी, डॉ. सुमित शर्मा, डॉ. जोगा राम जांगिड और आर अरविंद शर्मा, उधोगपति, राजेश शर्मा, मुम्बई के बिल्डर और भवन निर्माता मीताराम शर्मा, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में काम कर रहे और अपनी विशेष पहचान बनाने वाले महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा, महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा और पूर्व जज साहिब राम मोटियार शामिल हैं और इसके अतिरिक्त विदेशों में समाज का झंडा बुलंद करने वाले अमरा राम जांगिड और सीलवा बीकानेर के, महान सन्त और गौ सेवक सन्त दुलाराम कुलरिया, जैसी महान् विभूतियों को भी कर्मयोग के सूत्रधार नामक इस पुस्तक में शामिल किया गया है।

नरेश शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए, राम भगत शर्मा ने कहा कि इस स्मारिका के माध्यम से इसमें समाज के उन महान विभूतियों के आलेख अंकित किए गए हैं, जिन्होंने अपने कार्यो के माध्यम से अपने जीवन में अपनी एक अमिट छाप छोड़ी है और यह समाज, ऐसे उच्च आदर्श मूल्यों से परिपूर्ण उन महान विभूतियों को कभी भी नहीं भूल सकता है, क्योंकि जिस प्रकार से इन महान विभूतियों ने, अपनी श्रम शक्ति और उत्कृष्ट जीवन शैली के माध्यम से व्यावहारिक जीवन के कार्यों को बेहतर ढंग से करने के साथ ही समाज को एक नई ऊर्जा प्रदान की है और ऐसी महान विभूतियों के असंख्य उदाहरण हमारे समाज के सामने

प्रस्तुत हैं। जिन्होंने अपने परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर जीवन में आशातीत सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि इन महान् विभूतियों का गौरवपूर्ण इतिहास एवं समाज में एक नई सृजन शक्ति का संचार करने में सक्षम है। उन महान विभूतियों के उल्लेखित विविध विचार समाज के लिए एक अनमोल धरोहर हैं।

राम भगत शर्मा ने कहा कि इन सभी महान विभूतियों का जीवन हमारे लिए एक प्रेरणा के सूत्रधार हैं कि किस प्रकार से उन्होंने अपने जीवन में संघर्ष और अपने पुरुषार्थ के बल पर अपनी एक अमिट छाप छोड़ी है। 'कर्म ही पूजा है' इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही इन महान विभूतियों ने अपने योगदान की सार्थकता सिद्ध की है। उन्होंने कहा कि समाज की इन महान विभूतियों के ऊंच आदर्श और उनके द्वारा हासिल की गई सफलताओं ने ही उनको विकास की दिशा में अग्रसर होने के लिए अभिप्रेरित किया है। मैं ऐसे महान विभूतियों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करता हूं, जिन्होंने समाज के लोगों को अपना उत्तम जीवन दर्शन एवं उच्च प्रतिष्ठानों के बारे में अवगत कराने का सुअवसर प्रदान करके इस पुस्तक के उद्देश्य को सार्थक और सफल बनाया है।

उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को इन महान विभूतियों से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए और मेरी मान्यता है कि आज की युवा पीढ़ी में उच्च संस्कारों का बीजारोपण किया जाए ताकि आज का युवा समाज एवं राष्ट्र की सेवा करने का संकल्प लेकर जीवन में आशातीत सफलता हासिल कर सकें। इस पुस्तक को पढ़कर ऐसा अनूभूति हुई कि जिन लोगों ने इसके संकलन और प्रकाशन में और इसे उत्कृष्ट बनाने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया है, वह सभी बधाई के पात्र हैं इस स्मारिका के प्रकाशन में, जिन्होंने अपना सहयोग दिया है और इसे कलात्मक ढंग से विभिन्न कलेवरों से सुसज्जित, सुन्दर एवं आकर्षक स्वरूप देने में अपनी महत्ती भूमिका निभाई वह सभी प्रशंसा के पात्र हैं और मुझे विश्वास है कि यह अभूतपूर्व कृति समाज में दीर्घकाल तक संग्रहणीय रुप से कायम रह कर समाज और विशेषकर युवाओं का मार्गदर्शन करने का एक सफलतम माध्यम बनी रह सकेगी।

**सम्पादक विश्वकर्मा टूडे नरेश शर्मा, जयपुर।**

## जीन्द में, 29 मई, वीरवार को रोहतक रोड पर, भगवान विश्वकर्मा चौक का उद्‌घाटन, हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष कृष्ण मिड्ढा द्वारा किया गया।

सृष्टि के रचियता, शिल्पकला और विज्ञान के देवता, आलौकिक शक्तियों से परिपूर्ण, द्वारकापुरी, हस्तिनापुर, इन्द्रपुरी, सोने की लंका और सुदामा के महल का निर्माण तथा विभिन्न प्रकार प्रासादों के निर्माण के साथ ही इन्द्र के लिए वज्राशस्त्र और विभिन्न प्रकार के शस्त्रों के निर्माता भगवान विश्वकर्मा चौंक के उदघाटन के इस पुनीत अवसर पर, मैं भगवान विश्वकर्मा के अनुयायियों को बधाई और मुबारक देता हूं। भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद सदैव ही आप और आपके परिवार पर इसी प्रकार से बना रहे।

**महासभा उप प्रधान, सुल्तान सिंह आर्य, जींद।**

# माता-पिता की सेवा से बढ़कर कोई भी तीर्थ नहीं है।

आजकल आधुनिकता की इस अंधी दौड़ में माता–पिता के सम्मान और इज्ज़त प्रदान करने की परम्परा धूमिल होती जा रही है और यही कारण है कि न्यूक्लियर फैमिली होने के कारण बच्चे माता–पिता से अलग रहने को अधिमान दे रहे हैं तथा आज देश में वृद्धाश्रमों की संख्या निरंतर बढ़ती ही जा रही है और यह न केवल किसी भी समाज के लिए चिंताजनक है अपितु युवा पीढ़ी के लिए भी यह शुभ संकेत नहीं है। **विश्व माता–पिता दिवस शुक्रवार को मनाया गया।** जीवन में माता–पिता के अगाध प्रेम और स्नेह का कोई भी सानी नही है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि माता–पिता के सच्चे प्रेम की कोई कीमत होती है और एक मां अपने बच्चों के लिए अपना सर्वस्व परित्याग करके भी खुश रहती है क्योंकि वह संवेदनाओं और ममता की करुणामयी प्रतिमूणत है और उसका स्थान कोई भी धन वैभव नहीं ले सकता है । **इसीलिए कहा गया है कि अपनी आंखें बंद होने तक जो प्यार करे वह मां है और जो आंखों में प्रेम न जताते हुए भी, जो वास्तविक रूप में प्रेम करें उसको पिता कहते हैं।**

एक माता–पिता के हृदय की गहराइयों को कोई भी माप नहीं सकता है। एक मां की संवेदना और सहानुभूति और पिता की डांट फटकार में भी जो आत्मीयता और भावनात्मक स्नेह, प्रेम, दुलार और आशीर्वाद की अनवरत छाया है उसका कोई भी पारावार नहीं है। भगवान राम का उदाहरण आपके सामने है। भगवान् श्रीराम ने अवतार लेकर लोगों को शिक्षा देने के लिए ही स्वयं भी ऐसे कार्य किये जोकि आज भी उसी प्रकार से अनुकरणीय है। सुबह उठते ही भगवान श्रीराम अपने माता–पिता और गुरु को प्रणाम करते हैं–

प्रात:काल उठि के रघुनाथा। मातु पिता गुरु नावहिं माथा ।।

वेद पुराण सुनहि मन लाई। आपु कहहि अनुजन्ह समुझाई ।।

भगवान श्रीराम ने मानवता को शिक्षा देने के लिए ही माता–पिता को पहले प्रणाम करने की परम्परा के बारे में अनुशरण करने की शिक्षा प्रदान की है और **यह शाश्वत सत्य है कि माता–पिता का आशीर्वाद कभी भी खाली नहीं जाता है और जो भी व्यक्ति अपने माता–पिता के चरणों में झुक जाता है, उसकी झोली कभी भी खाली नहीं होती है और बंद किस्मत भी माता–पिता के आशीर्वाद से खुल जाती है।**

**एक समय ऐसा होता था कि पुरानी पीढ़ी जो, हमेशा इक्ट्ठा रहने के लिए ही सोचा करती थी तथा जीवन पर्यन्त उसी प्रयास में जीती थी और आज की युवा पीढ़ी ऐसी है, जो सिर्फ इकट्ठा करने के लिए जी रही है लेकिन इक्ट्ठा रहने के लिए नहीं।** यह सब सोच का फर्क और आधुनिक युग की चकाचौंध है, जिसने बच्चों को माता–पिता से अलग कर दिया है।

इसीलिए कहा गया है कि **मनुष्य साधन से नहीं अपितु साधना से महान बनता है और वह साधना है, माता–पिता की अहर्निश सेवा करना और मनुष्य भवन से नहीं अपितु भावना से महान बनता है** और इसके साथ ही उच्चारण से नहीं अपितु उच्च आचरण से महान बनता है। मुझे वह दिन याद है, जिस समय हम चलना सीख रहे थे, उस समय मां ने मेरी उंगली थामी थी और पिता ने रास्ता प्रशस्त किया था। जिस समय हम पहली बार गिरे तो, मां ने करुणामय हृदय ने अपने सीने पर लगाया था और पिता के अनमोल वचन कि **गिर कर ही चलना आता है।** लेकिन विडंबना यह रही कि हमने बड़े होकर उड़ान भरी और दुनिया की चकाचौंध देखी, नाम कमाया, लेकिन दुर्भाग्यवश वह दो चेहरे माता–पिता पीछे छूट गए, जिन्होंने हम पर पूरा भरोसा जताया था। यह हमारे जीवन की सबसे बड़ी भूल है हमने बहुत कुछ पा लिया है, लेकिन क्या कभी सोचा है कि माता–पिता बिना मांगे सब कुछ ही दे गए वह आज भी हमारे चेहरे पर एक मुस्कान देखने के लिए ही जीते हैं।

**श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा, बैंगलुरू।**

# संत कबीरः समय से परे सत्य का उद्घोषक

नरेंद्र शर्मा परवाना
संपादक ज्ञान ज्योति दर्पण

हम जिस समय और समाज में सांस ले रहे हैं, वह रोज़ नई खोजें करता है, मगर भीतर से खालीपन और द्वंद से भी जूझता है। ऐसे समय में संत कबीर दास की वाणी न केवल प्रासंगिक है, बल्कि एक प्रकाशस्तंभ की तरह है। उनकी बातों में न कोई जटिल दर्शन था, न आडंबर बस सीधी, सच्ची और सीधी आत्मा तक पहुंचने वाली बात थी। यही उनकी मौलिकता थी। वह न तो केवल संत थे, न सिर्फ समाज-सुधारक; वह ब्रह्मवेता थे ऐसे ज्ञानी जिन्होंने शब्द को आत्मा से जोड़ा और वाणी को ब्रह्म से।

**कबीर का लेखन और उसका आधार**

संत कबीर का लेखन सिद्धांत परक था, पर उसमें कोई बनावटीपन नहीं था। उनकी भाषा साधारण अवधी, ब्रज और पंचमेल खिचड़ी कही जाती है जो सीधी जनमानस की समझ में आती है। उनके पद, साखी, रमैनी और बीजक, आत्मा की पुकार हैं। उन्होंने किसी परंपरा को सिर झुकाकर नहीं अपनाया, बल्कि अनुभव को ही सबसे बड़ा प्रमाण माना। उनका लेखन आत्मबोध पर आधारित था, जहां खुद को जानो, तभी परम को जानो की बात बार-बार झलकती है।

**संत कबीर का प्रभाव**

संत कबीर ने व्यक्ति को भीतर से झकझोरा माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर ऐसे दोहों से व्यक्ति की आत्मा को सीधा संबोधित किया। समाज को दर्पण दिखाया, धर्म के नाम पर हो रहे दिखावे को चुनौती दी और उस समय की कट्टरता, भेदभाव और कर्मकांड के विरुद्ध आवाज़ उठाई। विश्व स्तर पर भी उनका विचार मानवतावाद से भरा है, जो किसी भी देश, धर्म या सीमा में नहीं बंधता। अमेरिका के ट्रांसेंडेंटलिस्ट लेखकों से लेकर दक्षिण एशिया के संत परंपरा तक, कबीर का प्रभाव व्यापक रहा।

**कबीर को क्यों याद किया जाता है**

संत कबीर को स्मरण करना केवल श्रद्धा प्रकट करना नहीं है, बल्कि सच को देखने और जीने की प्रेरणा लेना है। उनका स्मरण एक अभ्यास है, अपने भीतर झांकने का, अपने अहंकार को परखने का और सादगी को अपनाने का। वे न किसी पंथ से बंधे थे, न किसी सत्ता से। उनके लिए जीवन सत्य की खोज था, और सत्य हमेशा साधारणता में मिलता है।

**संत कबीर को देखने के चार स्तर**

सामाजिक स्तर पर वे समरसता और समानता के प्रतीक हैं।

राजनीतिक दृष्टि से वे सत्ता और पाखंड की आलोचना करते हुए जनमत के पक्षधर थे।

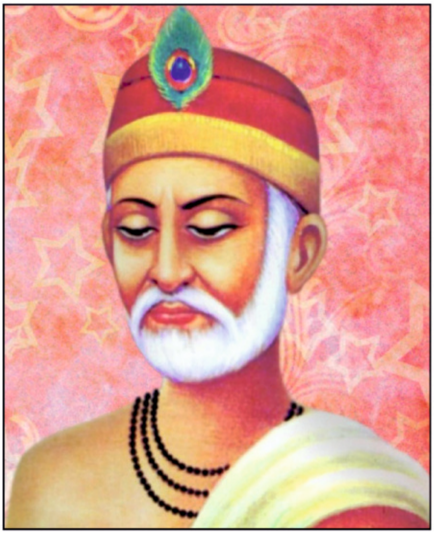

धार्मिक धरातल पर उन्होंने मूर्ति पूजा, बाह्याचार और कर्मकांड का विरोध किया।

अध्यात्मिक रूप में उन्होंने निर्गुण ब्रह्म की साधना की, जहाँ सच्चिदानंद ही लक्ष्य है।

**जीवन शैली के पांच सूत्र जो जीवन को बेहतर बनाते हैं:**

**सत्य की निर्भयता-** सच बोलने और जीने का साहस रखना।

**स्व-अनुशासन-** बाह्य दिखावे की बजाय भीतर की साधना करना।

**मानवता-** जाति, धर्म से ऊपर उठकर इंसान को इंसान समझना।

**सादगी-** जीवन को सहज और सरल रखना।

निर्भरता रहित भक्ति- किसी बिचौलिए की जरूरत नहीं, ईश्वर भीतर ही है।

कबीर एक धारा हैं, एक दृष्टि हैं। उन्होंने हमें आत्मा की आंखों से देखने की कला सिखाई। उनकी वाणी को पढ़ना मात्र भाषाई अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन की परख है। कबीर को जानना, कहीं गहरे अपने आप को जानने जैसा है।

**महावाक्यः**

जब तक भीतर का भ्रम नहीं मिटता, बाहर की दुनिया में कोई सत्य नहीं मिलता।

**दोहाः**

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय॥

# विश्व पितृ - दिवस के अवसर पर अपने पिता के सपनों को पूरा करने का संकल्प लें।

भारतीय सनातन संस्कृति बड़ी ही महान है और समय-समय पर यहां पर अनेक ऋषि-मुनियों, सन्त-महात्माओं और भगवान ने अवतार ग्रहण करके भारत की सांस्कृतिक धरोहर और मानवीय मूल्यों को स्थापित किया है। इस महान भारतीय संस्कृति में माता-पिता को भगवान का दर्जा दिया गया है और पिता को परमात्मा का प्रतिनिधि माना गया है। लेकिन आज के इस डिजिटलाईजेशन के युग में हमारे संस्कार पीछे छूटते जा रहे हैं, लेकिन जो भी अपने माता-पिता की सेवा-सुश्रुषा करता है, वह श्रवण भक्त परम सौभाग्यशाली है। क्योंकि पिता एक उम्मीद भरा रथ है और इसके साथ ही संस्कार देने की प्रयोगशाला भी है और पिता एक वट वृक्ष की छाया की तरह है, जो बदले में किसी भी चीज की अपेक्षा नहीं रखता है। देश में 15 जून को पितृ-दिवस मनाया गया।

इस दुनिया में केवल मात्र पिता ही एक ऐसा इन्सान है, जो जीवन में, अपने बच्चों को अपने से अधिक कामयाब देखना चाहता है। पिता अपनी सन्तान के लिए असह्य कष्ट सहता है और जिस पिता ने मुझे हमेशा ही अपने आगोश की छाया में रखा और एक ऐसा फ़रिश्ता मैंने अपने पिता के रूप में पाया है। एक सन्तान को शिक्षित और संस्कारवान बनाने से लेकर उसके पालन-पोषण के लिए पिता द्वारा जो अनवरत साधना, असीम त्याग और अनन्त कष्ट सहन किए जाते हैं, उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए ही यह 'पितृ दिवस मनाया जाता है और इस पितृ दिवस, के अवसर पर, आप यह पर संकल्प लें कि हम माता-पिता के अनन्त उपकारों का बदला किस रूप में चुका सकते हैं ताकि हम उऋण हो सकें।

''पिता धर्मः पिता स्वर्गः पिता हि परम तपः।
पितरि प्रितिमापन्ने सर्वाः प्रीयन्ति देवताः।।"

**महासभा, प्रधान रामपाल शर्मा।**

# चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद - बांसवाडा, दौसा, डूंगरपुर

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, जिला सभा बांसवाडा, दौसा, डूंगरपुर का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। अतः चुनाव करवाए जाने अपेक्षित है। इन जिलों के चुनाव के लिए प्रदेश सभा, राजस्थान के मुख्य चुनाव प्रभारी बसन्त कुमार जांगिड ने बांसवाडा, दौसा, डूंगरपुर जिला अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए चुनाव अधिसूचना जारी की जा चुकी है। जारी अधिसूचना के अन्तर्गत बांसवाडा, दौसा, डूंगरपुर जिलों का चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा :-

| क्र.सं. | जिला | सदस्यता मान्य | नामांकन तिथि | नामांकन का स्थान | मतदान तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | बांसवाडा | 27 जून 2025(शुक्रवार) | 13 जुलाई 2025(रविवार) | जांगिड ब्राह्मण समाज सेवा समिति प्रगति नगर, बांसवाडा | 27 जुलाई 2025 (रविवार) |
| 2 | दौसा | 17 जुलाई 2025(गुरूवार) | 03 अगस्त 2025(रविवार) | जांगिड छात्रावास गणेश नगर, दौसा | 17 अगस्त 2025 (रविवार) |
| 3 | डूंगरपुर | 27 जून 2025(शुक्रवार) | 13 जुलाई 2025(रविवार) | रामरोटी अन्न क्षेत्र डूंगरपुर | 27 जुलाई 2025(रविवार) |

बसंत कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी, मो0. 9680010591

# (गुजरात में जिलाध्यक्षों के चुनाव 27 जुलाई 2025 को होंगे।)

क्रमांक: अ. भा. जा. बा. म./ प्र.स. गुज./ 306 — दिनांक - 16/06/2025

सेवामें,
प्रदेश सभा गुजरात

**विषय : आणंद, पंचमहाल, खेड़ा, मेहसाणा, नवसारी, सुरत एवं वलसाड जिलाध्यक्षों चुनाव अधिसूचना ।**

आदरणीय आणंद, पंचमहाल, खेड़ा, मेहसाणा, नवसारी, सुरत एवं वलसाड ज़िले के सभी महासभा सदस्यों !
आणंद, पंचमहाल, खेड़ा, मेहसाणा, नवसारी, सुरत एवं वलसाड जिला सभा का कार्य काल पुर्ण होने जहाँ रहा हैं अधिसूचना जारी करने का प्रदेश अध्यक्ष जी द्वारा निर्णय लिया गया हैं, कि आणंद, पंचमहाल, खेड़ा, मेहसाणा, नवसारी, सुरत एवं वलसाड ज़िलाध्यक्ष का चुनाव करवाया जाय।
अत: आपकी सूचनार्थ अ.भा.जां.ब्रा.महासभा संविधान अंतर्गत आणंद, पंचमहाल, खेड़ा, मेहसाणा, नवसारी, सुरत एवं वलसाड ज़िले के जिलाध्यक्ष चुनाव हेतु प्रदेशसभा गुजरात द्वारा निम्नानुसार अधिसूचना जारी की जाती है ।

| क्र.सं. | जिला नाम | अधिसूचना जारी करने की तिथि | सदस्यता की अंतिम तिथि | अध्यक्ष पद नामांकन तिथि | मतदान तिथि (यदि आवश्यक हुआ तो) | नामांकन स्थल का पता | नियुक्त चुनाव अधिकारी | स्थानीय प्रभारी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | आणंद | 18-06-2025 | 10-07-2025 | 20-07-2025 | 27-07-2025 | श्री विश्वकर्मा जांगिड समाज सेवा ट्रस्ट, 47-गोपालपुरा जि. आणद | श्री सुरेशकुमार सीतारामजी मिस्त्री बडौदा 9998334306 (SS-23642) | श्री घनाराम सुथार आंणद मुं: 94260 61514 |
| 2 | पंचमहाल | 18-06-2025 | 10-07-2025 | 20-07-2025 | 27-07-2025 | मनोज कॉंचवाला, देव तळाव चौकडी,अहम.हाईये,गोधरा,जि.पंचमहा | श्री राजेन्द्र कुमार जी मोडासा 8200249036 | श्री लक्ष्मीनारायण गोधरा मुं.9106621121 |
| 3 | खेड़ा | 18-06-2025 | 10-07-2025 | 20-07-2025 | 27-07-2025 | अशोक टिम्बर, एन.एच.8, डभाण, नडियाद, जिला खेडा | श्री राजुराम हरीरामजी वडोदरा SS-8284) 9825243260 | श्री सिताराम जागिड डभाण मुं: 9824511148 |
| 4 | मेहसाणा | 18-06-2025 | 10-07-2025 | 20-07-2025 | 27-07-2025 | एवन कोच एंड ऑटो बॉडी वर्क्स, शिवाला होटल के सामने, नेशनल हाईवे रोड, महेसाण | श्री बालुराम चुतराराम जी (अहमदाबाद wp (18295) 9227133183 | श्री रतनलाल जागिड महेसाणा मुं:9426214134 |
| 5 | नवसारी | 18-06-2025 | 10-07-2025 | 20-07-2025 | 27-07-2025 | श्री विश्वकर्मा सुथार समाज वाड़ी उन गाँव हाईवे नंबर 8 | श्री महेंद्र कुमार मखनलाल जी भरूच (SS-26205) 9723622828 | श्री चुनीलाल सुथार नवसारी मुं: 9825298696 |
| 6 | सुरत | 18-06-2025 | 10-07-2025 | 20-07-2025 | 27-07-2025 | श्री विश्वकर्मा मन्दिर, अल्याण गार्डन के पास, सूरत | श्री शिवदयाल भरूच 98247 89016(मरूच (SS-2217) | श्री एकलिंग प्रसाद सुथार सुरत मुं: 9824144003 |
| 7 | वलसाड | 18-06-2025 | 10-07-2025 | 20-07-2025 | 27-07-2025 | ताडकेशवर महादेव मंदीर, अतुल रोड, वलसाड | श्री देवाराम भानाराम जी 97274 31872 (नवसारी,WP-20433). | श्री सतीश कुमार जागिड वलसाड मुं: 9825383465 |

## समय निर्धारण व सूचनाएं:–

**नामांकन आवेदन: निर्धारित तिथि को प्रात:11 बजे से दोपहर 1 बजे तक।**
**नामांकन पत्र जांच: निर्धारित तिथि को दोपहर 1 बजे से 2:30 बजे तक**
**नामांकन पत्र वापसी: निर्धारित तिथि को दोपहर 2:30 से 3:00 बजे तक।**
**प्रत्यशियों की घोषणा: 4 बजे बाद**

यदि मतदान आवश्यक हुआ तो निर्धारित तिथि को प्रात: 9 बजे से सायं 5 बजे तक होगा। और मतगणना एंव चुनाव परिणाम उसी मतदान स्थल पर उसी दिन घोषित किया जाएगा। और निर्विरोध निर्वाचित होने वाले ज़िला अध्यक्ष को चुनाव अधिकारी द्वारा शपथ दिलाई जाएगी । **ध्यानार्थ सूचनाएँ:. 1.** नामांकन भरने वाले को प्रदेश सभा से अदेयता प्रमाण पत्र (NOC) लेना आवश्यक है। महासभा के पदाअधिकारी को महासभा से (NOC) लेना अवश्यक है, अदेयता (NOC) आवेदन नामांकन के लिए निर्धारित समय से 48 घंटे पूर्व करना होगा

**2.** चुनाव से संबंधित दिशा निर्देश सूचना व नियम तथा अदेयता प्रमाण हेतु आवेदन प्रदेश सभा द्वारा नियुक्त उपरोक्त स्थानीय चुनाव प्रभारी के पास उपलब्ध रहेगा। **3.** प्रत्येक उम्मीदवार को अ.भा.जां.ब्रा. महासभा के संविधानुसार प्रदेशसभा गुजरात द्वारा 30 अगस्त 2020 को पारित ज़िला,ब्लॉक तथा शाखा सभा चुनाव नियमावली का समुचित पालन करना आवश्यक होगा। **4.** ज़िलाध्यक्ष प्रत्याशी के लिए निर्धारित शुल्क 5000रू0– का बैंक ड्राफ्ट (डी डी) ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा प्रदेशसभा गुजरात'' के नाम का बनाकर नामांकन पत्र के साथ जमा करवाना आवश्यक है। **5.** मतदान केंद्र एवं पोलिंग टीम का निर्धारण समय और आवश्यकतानुसार किया जाएगा।

**प्रदेश सभा चुनाव अधिकारी, उमाकांत शर्मा, 9427055324**

# देश की आगामी जाति जनगणना जांगिड समाज के लोगों की भूमिका

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश में जातीय जनगणना करवाने की घोषणा के साथ ही स्वजाति हिताभिलाषी संगठन, **94** वर्ष के उपरांत, उपलब्ध होने वाले इस अवसर का लाभ उठाने के लिए, अपने-अपने सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक हितों के दृष्टिगत अपनी कार्य व्यवस्था को पुनःव्यस्थित करने लगे हैं। भारत में ब्रिटिशकालीन शासन के दौरान सन् **1872** में देश में प्रथम जनगणना हुई थी, लेकिन इस जनगणना को अधिकारिक मान्यता प्रदान नहीं की गई। देश में अधिकारिक रूप से जनगणना **1881** को प्रथम बार और सन् **1941** की जनगणना को आखिरी जनगणना माना गया है और इसमें जातीय आंकड़े संकलित तो किए गए थे, लेकिन दुर्भाग्यवश इन आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया था। जाति जनगणना के आंकड़े, सरकार के लिए प्रशासनिक प्रबंधन आवश्यकताओं की पूर्ति, विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन एवं जन कल्याण संबंधी, विविध योजनाओं के निर्धारण के लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। **इसी प्रकार जातीय संगठनों में भी जाति जनगणना के आंकड़ों के बारे में जानने के लिए गहरी दिलचस्पी रहती है, क्योंकि इसके माध्यम से इन जातियों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण के साथ-साथ राज्यों में जातियों के संख्याबल का भी सही अंदाजा लगाया जा सकता है।**

वर्तमान परिस्थितियों में अनुसूचित जाति सहित इस परिपाटी में आगामी 20-25 वर्षों तक बदलाव की कोई संभावना नहीं दिखाई देती है। इसलिए पिछड़े और अल्पसंख्यक संगठन, अपने सामाजिक इतिहास में आगामी शोध और अनुसंधान के माध्यम से सैद्धांतिक रूपरेखा (Theoritical Framework) और विलुप्त विरासतों को परिष्कृत करके अगड़ी जातियों के समकक्ष खड़े होने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। इस जातीय जनगणना के आंकड़ों में समाहित अन्य सूचनाओं का जातीय संगठनों द्वारा प्रमाणित संदर्भ के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसलिए आगामी 'जाति जनगणना' को लेकर सभी जातियों में व्यापक विचार विमर्श किया जा रहा है।

जांगिड ब्राह्मण समाज अब भलीभांति समझने लगा हैं कि देश के सभी राजनैतिक दल, उनके समाज के आणथक एवं राजनैतिक हितों से कोई सरोकार नहीं रखते हैं बल्कि वह तो केवल उनके समाज के वोट हथियाने तक ही दिलचस्पी रखते हैं। निसंदेह रुप से आज जांगिड ब्राह्मण समाज सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक स्तर की दृष्टि से अन्य समकक्ष जातियों से निरंतर पिछड़ता जा रहा है क्योंकि ग्रामीण अंचलों में कृषि पर आधारित परंपरागत रोजगार लगभग समाप्त हो गए हैं और न ही गांवों में सभी के पास कृषि योग्य भूमि है, जिससे परिवार का भरण-पोषण संभव हो सके। परिणामस्वरूप रोजी रोटी के लिए लोगों का शहरों की ओर पलायन जारी है। जहाँ वह स्थापित नही हो पा रहे है। **इसलिए जांगिड बन्धुत्व संगठनों के लिए आगामी जाति जनगणना एक स्वर्णिम अवसर है कि समाज के लोग अपनी संख्याबल के आंकड़ों के आधार पर अपने हकों की मुखरता से आवाज बुलंद कर सकें।**

समाजशास्त्री फ्रेंकलिन हेनरी गिडिंग्ज ने सन् 1896 में लिखी अपनी रचना 'प्रिसिंपल्स ऑफ सोशियोलॉजी में **जाति के प्रति चेतना सिद्धान्त का सटीक विश्लेषण किया है। सन् 1958 में भारत रत्न से सम्मानित महर्षि धोंडो केशव की पुत्रवधु व भारत की प्रथम महिला मानवश्विज्ञानी व समाजशास्त्री डॉ. इरावती कर्वे द्वारा सन् 1928 में स्वजाति पर प्रथम विज्ञान सम्मत शोध-पत्र 'चितपावन ब्राह्मण एक जातीय अध्ययन' शीर्षक से प्रस्तुत किया था।**

डॉ. इरावती कर्वे के वृहद् समावेशी सामाजिक दर्शन के सूक्ष्म अध्ययन से जांगिड समाज के संगठनों को अपने मूल व्युत्पत्ति स्थान और स्थानांतरण संदर्भों में जेनेटिक और पुरातात्विक दृष्टि से साम्यता की झलक मिलेगी। **दोनों में अन्तर केवल इतना ही है कि एक अपने इतिहास के बोध और शिक्षा अर्जन को एकमात्र लक्ष्य बनाकर श्रेष्ठता अर्जित कर लेता है और दूसरा इतिहास और शिक्षा से दूर केवल शिल्पकर्म पर आश्रित रहता है।** विद्वान पाठकगणों को विदित होगा कि आज से लगभग 135 वर्ष पूर्व आर्यावृत के **जांगिड ब्राह्मणों के संघर्ष की शुरुआत श्रेष्ठ वर्ण के विवाद को लेकर ही हुई थी। वर्तमान अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा भी इसी विवाद से उत्पन्न परिस्थितियों का ही परिणाम है। उस समय की उन परिस्थितियों में**

**इतिहास की सैद्धांतिक रूपरेखा उपलब्ध नहीं थी।** लेकिन इस रिक्त स्थान भरने के लिए समाज शिरोमणि डॉ. इन्द्रमणी शर्मा से प्रेरणा व प्रोत्साहन पाकर पंडित पालाराम ने त्वरित रूप से पहली पुस्तक सन् 1896 में **खाती उपदेश और सन् 1902 में अपनी दूसरी पुस्तक जाँगिड़ोत्पत्ति** की रचना की थी। प्राचीनकाल से केवल खाती नाम से पहचान रखने और 'सर्वमित्र' कहलाने वाली लोकप्रिय जाति द्वारा अपने परम्परागत नाम के स्थान पर **जांगिड ब्राह्मण** कहलवाने का अभियान भी अपने आप में एक बहुत बड़ा इतिहास है। **यहां पर यह उल्लेख करना यथोचित होगा कि ब्रिटिशकालीन भारत में हुई कुछ जनगणनाएं उस समय के 'जांगिड जागृति आन्दोलन'** का एक मुख्य कारण बनी। इसी आन्दोलन के प्रसंग में, पं.जयकृष्ण मणीठिया के नेतृत्व में सन 1921 में एक 11 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल को **जनगणना कमीश्नर से मिलने लाहौर जाना पड़ा और प्रतिवेदन प्रस्तुत करके इस आशय का आदेश जारी करवाना पड़ा की जनगणना में खाती के स्थान पर उनकी जाति, 'जांगिड़ ब्राह्मण'** लिखी जाए। यही प्रकिया पं. जयकृष्ण मणीठिया द्वारा सन 1931 और सन् 1941 की जनगणना के समय भी फिर दोहराई गई।

जहां तक आगामी जनगणना होने का प्रश्न है, यह प्रक्रिया इसी वर्ष अक्टूबर से प्रारम्भ होने की संभावना है। इस जनगणना में जाति के कॉलम में **जांगिड ब्राह्मण** के स्थान पर कई महानुभावों द्वारा **'विश्वकर्मा'** नाम लिखने, तो कहीं पर अन्य नाम लिखने की सलाह दी जा रही है। यह कदम समाज के हित में कभी भी हितकर नही होगा, क्योंकि **'जांगिड ब्राह्मण'** ही सर्वर्था एक सर्वश्रेष्ठ नाम है, जो एक शताब्दी से **जांगिड जागृति आन्दोलन** के इतिहास का अटूट हिस्सा है। जांगिड ब्राह्मण बंधुत्व संगठनों द्वारा स्वजाति संख्याबल में विस्तार के लिए मेरे द्वारा दिए गए निम्नलिखित सुझावों पर भी विचार किया जा सकता है।

1. महासभा के प्रधान द्वारा, जनगणना आयोग से पत्राचार करके इस प्रकार के निर्देश जारी करवाएं जांए कि जांगिड ब्राह्मण जाति के अंतर्गत मान्य सभी उप जातियों, अपभ्रंश शब्द संबोधनों को एकबद्ध करके 'जांगिड ब्राह्मण' ही लिखा जाए।

2. सुथार उपनाम से अपनी पहचान बनाने वाले भी, वास्तव में जांगिड ब्राह्मण ही हैं। परन्तु आजकल जाति के रूप में सुथार शब्द का प्रचलन बढ़ रहा है। अतएव अपवाद, भ्रम निवारण के प्रयोजन के उद्देश्य से जांगिड ब्राह्मण बंधुत्व सभी संस्थाएं एक परिपत्र जारी करके, समस्त समाजबंधुओं से आग्रह करें कि वह जनगणना के दौरान जाति कॉलम मे केवल जांगिड ब्राह्मण या जांगिड ही लिखवाए।

3. अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के लुधियाना 10 जून, 1923 को लुधियाना में हुए एक अधिवेशन में पंजाबी जांगिड ब्राह्मणों के साथ रोटी-बेटी व्यवहार को मान्यता प्रदान करना, अनुमोदित किया था। बस इतिहास के कुछ पुराने पन्ने पलट कर विचार विमर्श करने की आवश्यकता है।

4. लगभग 250 वर्ष पूर्व महापंजाब में सिख धर्म में आस्थावान 'खाती' और 'तिरखान' शूरवीर योद्धा जस्सासिंह के नेतृत्व में सिख सेना के अंग बन गए थे। पराक्रमी योद्धा जस्सासिंह को **रामगढ़ भेंट स्वरूप मिला था।** तत्पश्चात् यह सेनानी, रामगढ़िया खाती और रामगढ़िया धीमान नाम से विख्यात हो गए। **दोनों पक्षों के बुद्धिजीवी जो इतिहास से भलीभांति परिचित हैं, वह जांगिड ब्राह्मण और रामगढ़िया, खाती तथा धीमान समाज में में अंतर नहीं करते हैं।**

संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि जांगिड ब्राह्मण बंधुत्व संगठन जैसे ही अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित होंगे और संख्याबल के साथ-साथ समग्र रूप से इस जनगणना में वह स्वयं एक सशक्त समाज बनकर सामने आएगा तो भारत के राजनैतिक दल, जो आज उनकी उपेक्षा करते हैं, वह उनको सिर आँखों पर बिठाएगें और वृहद जांगिड ब्राह्मण बंधुत्व संगठन की सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक विकास की राह आसान जाएगी ।

**कैलाश कुमार जांगिड**
**डेवेलपमेंट जर्नलिस्ट एवं स्वतन्त्र लेखक**

**अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली**

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

अंगिराऽसि जांगिड

क्र./अ.भा.जा. ब्रा.महासभा दिल्ली / प्र.अ.चु./ अधिसूचना/2603/2025 दिनांक:-23 जून 2025

## -::अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा दिल्ली::-
## अंतर्गत प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव की
# अधिसूचना "एवं चुनाव कार्यक्रम"

**************************************

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की इंदौर (मध्य प्रदेश) में दिनांक **22 जून 2025** को **आयोजित त्रैमासिक मीटिंग** में **उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात एवं कर्नाटक** प्रदेश सभा के ***प्रदेशाध्यक्ष*** पद के चुनाव हेतु प्रस्ताव पारित कर निर्धारित दिनांक पर चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। महासभा कार्यकारिणी के **निर्णय** एवं महासभा **प्रधान श्री रामपाल जी शर्मा** के निर्देशानुसार आगामी उपरोक्त प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव कराने हेतु ***चुनाव अधिसूचना*** जारी की जाती है। चुनाव अधिसूचना के परिपेक्ष्य में ***चुनाव कार्यक्रम*** निम्नानुसार जारी किया जाता है।

### ::चुनाव कार्यक्रम::
### उत्तराखंड एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश

**********************

| | |
|---|---|
| *सदस्यता की अंतिम दिनांक | **-20 जुलाई 2025 रविवार** |
| *सदस्यता सूची प्रकाशन की दिनांक | -27 जुलाई 2025 रविवार |
| *सदस्यता सूची में संशोधन की दिनांक | -05 अगस्त 2025 मंगलवार |
| *संशोधित सूची का प्रकाशन | -10 अगस्त 2025 रविवार |
| *नामांकन प्रक्रिया | **- 16 एवं 17 अगस्त 2025 शनिवार एवं रविवार** |
| *चुनाव दिनांक | **-21 सितंबर 2025 रविवार** |

**************************************

## -::चुनाव कार्यक्रम::-
## गुजरात एवं कर्नाटक प्रदेश

**********************

| | |
|---|---|
| *सदस्यता की अंतिम दिनांक | **-11 अगस्त 2025 सोमवार** |
| *सदस्यता सूची प्रकाशन की दिनांक | -15 अगस्त 2025 शुक्रवार |
| *सदस्यता सूची में संशोधन की दिनांक | - 23 अगस्त 2025 शनिवार |
| *संशोधित सूची का प्रकाशन | -28 अगस्त 2025 गुरुवार |
| *'नामांकन प्रक्रिया | **- 06 एवं 07 सितंबर 2025 शनिवार एवं रविवार** |
| *चुनाव दिनांक | **-12 अक्टूबर 2025 रविवार** |

****************************************

महासभा एवं अंतर्गत किसी भी इकाई के चुनाव में महासभा के पत्रिका रहित **₹500/-** वाले संरक्षक सदस्य भी चुनाव लड़ सकेंगे। इसके अतिरिक्त **"चुनाव निर्देशिका 2024"** में दिए गए नियम, सूचनाए एवं दिशा निर्देश लागू होंगे और गुप्त मतदान प्रक्रिया द्वारा पारदर्शिता तथा निष्पक्षता से चुनाव संपन्न होंगे।

**प्रवीण कुमार शर्मा,**
**मुख्य चुनाव अधिकारी**

## महासभा अंतर्गत प्रदेश सभाओं के *प्रदेशाध्यक्ष* पद चुनाव 2025 हेतु
## -::नामांकन कार्यक्रम::-

**1. नामांकन स्थल:-**

***उत्तराखंड प्रदेश सभा** के ''प्रदेशाध्यक्ष पद'' चुनाव हेतु नामांकन स्थल **महासभा कार्यालय, रानीखेड़ा रोड, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास, मुंडका, नई दिल्ली** मे रहेगा।

***छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा** के ''प्रदेशाध्यक्ष पद'' चुनाव हेतु नामांकन स्थल **श्री विश्वकर्मा मंदिर, मोहबा बाजार, हीरापुर रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)** में रहेगा।

***गुजरात प्रदेश सभा** के ''प्रदेशाध्यक्ष पद'' चुनाव हेतु नामांकन स्थल **जांगिड ब्राह्मण समाजवाडी, उमा शिक्षण संस्थान नरोडा (गुजरात)** में रहेगा।

***कर्नाटक प्रदेश सभा** के ''प्रदेशाध्यक्ष पद'' चुनाव हेतु नामांकन स्थल **श्री जांगिड ब्राह्मण समाज ट्रस्ट विनी मिल रोड, बेंगलुरु (कर्नाटक)** में रहेगा।

**2. नामांकन की समय सीमा:-**

नामांकन की समय सीमा चुनाव दिनांक से **1 माह** पूर्व रहेगी। परिस्थिति अनुसार इस समय सीमा में कमी या वृद्धि की जा सकेगी। जिस पर किसी को आपत्ति का अधिकार नहीं रहेगा।

**3. नामांकन अवधि एवं समय:-**

**1. अवधि** - प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन प्रक्रिया दो दिवसीय शनिवार एवं रविवार को होगी। प्रथम दिवस नामांकन पत्र भरे जाएंगे तथा द्वितीय दिवस नाम वापसी पश्चात प्रत्याशी घोषित होंगे।

**2. दिनांक एवं समय** - प्रदेश सभाओं के **''प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव''** हेतु नामांकन दिनांक एवं समय निम्नानुसार रहेगा-

## उत्तराखंड एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा –

| | |
|---|---|
| *नामांकन प्रस्तुति- | **16 अगस्त 2025 शनिवार प्रातः 10 बजे से सांय 4 बजे तक** |
| *नामांकन पत्रों की जांच दिनांक- | 16 अगस्त 2025 शनिवार सायं 4 बजे से सांय 5.30 बजे तक |
| *प्रत्याशी सूची का प्रकाशन दिनांक- | 16 अगस्त 2025 शनिवार सायं 6 बजे तक |
| *नाम वापसी दिनांक- | **17 अगस्त रविवार, प्रातः 9 बजे से दोप. 3 बजे तक** |
| *प्रत्याशियों की घोषणा दिनांक- | **17 अगस्त 2025 रविवार, सायं 4 बजे** |
| *चुनाव चिन्ह आवंटन दिनांक - | 17 अगस्त 2025 रविवार, सायं 5 बजे |

## गुजरात एवं कर्नाटक प्रदेश सभा—

| | |
|---|---|
| *नामांकन प्रस्तुति दिनांक- | **6 सितंबर 2025 शनिवार, प्रातः 10 बजे से सांय 4 बजे तक** |
| *नामांकन पत्रों की जांच दिनांक- | 6 सितंबर 2025 शनिवार, सायं 4 बजे से सांय 5.30 बजे तक |
| *प्रत्याशी सूची का प्रकाशन दिनांक- | 6 सितंबर 2025 शनिवार, सायं 6 बजे तक |
| *नाम वापसी दिनांक- | **7 सितंबर 2025 रविवार, प्रातः 9 बजे से दोप. 3 बजे तक** |
| *प्रत्याशियों की घोषणा दिनांक- | **7 सितंबर 2025 रविवार, सायं 4 बजे** |
| *चुनाव चिन्ह आवंटन दिनांक - | 7 सितंबर 2025 रविवार, सायं 5 बजे |

**4. नामांकन आवेदन पत्र का शुल्क :-** नामांकन आवेदन पत्र का शुल्क प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु **₹500**/-रूपये रहेगा जो नकद या डिमांड ड्राफ्ट से जमा कराया जा सकता है।

**5. नामांकन हेतु चुनाव व्यवस्था शुल्क:-** प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को नामांकन आवेदन पत्र के साथ चुनाव व्यवस्था शुल्क **21000**/- रूपये (इक्कीस हज़ार रुपए) अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के नाम से डिमांड ड्राफ्ट द्वारा जमा करना आवश्यक होगा। बिना इस शुल्क (राशि) के नामांकन आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जावेगा। चुनाव व्यवस्था शुल्क केवल डिमांड ड्राफ्ट द्वारा ही स्वीकार होगी। यह किसी भी दशा में नगद, चेक, आरटीजीएस, पेटीएम, फोनपे, गुगल पे एवं अन्य किसी भी इलेक्ट्रानिक माध्यम, आनलाईन या मोबाइल आदि से स्वीकार नहीं होगा।

**6. चुनाव व्यवस्था शुल्क वापसी योग्य नहीं:-** प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव में नामांकन आवेदन पत्र के साथ जमा की गई चुनाव व्यवस्था शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं की जावेगी। अतः प्रत्याशी इसका ध्यान रखते हुए ही नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करें।

**7. नामांकन आवेदन पत्र की उपलब्धता:-** प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु नामांकन आवेदन पत्र नामांकन दिनांक को निर्धारित शुल्क जमा करने पर नामांकन पदाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जावेगा।

**8. नामांकन दाखिल करते समय आवश्यक दस्तावेज:-** प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करते समय पूर्ण रूप से भरे हुए तथा उस पर पासपोर्ट साइज की फोटो लगाकर निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न करना अत्यंत आवश्यक है-

| | |
|---|---|
| ***नोड्यूज प्रमाण पत्र** | **(मूल प्रति)** |
| *** शपथ पत्र** | **(मूल प्रति)** |
| ***त्यागपत्र या घोषणा पत्र** | **(मूल प्रति)** |
| ***पूर्व में निरंतर 2 बार से अधिक उसी पद पर नहीं रहे हैं का घोषणा पत्र** | **(मूल प्रति)** |

***चुनाव व्यवस्था शुल्क राशि की रसीद** **(प्रतिलिपि)**
***स्वयं का महासभा पहचान पत्र** **(प्रतिलिपि)**
***स्वयं का शासकीय पहचान पत्र** **(प्रतिलिपि)**
***प्रस्तावक एवं अनुमोदक के महासभा पहचान पत्र** **(प्रतिलिपि)**
*** प्रस्तावक एवं अनुमोदक के शासकीय पहचान पत्र** **(प्रतिलिपि)**
*** प्रत्याशी का आयु प्रमाण हेतु दस्तावेज** **(प्रतिलिपि)**

उपरोक्त सभी दस्तावेजों में आवश्यकतानुसार मूल प्रति साथ रखना आवश्यक है जिससे सत्यापन किया जा सके। सभी दस्तावेज स्वयं प्रत्याशी द्वारा प्रमाणित करने आवश्यक होंगे उपरोक्त दस्तावेजों के अभाव में नामांकन आवेदन पत्र निरस्त कर दिया जावेगा जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रत्याशी की रहेगी और इस विषय पर किसी प्रकार का तर्क वितर्क नहीं होगा।

**9. नोड्यूज प्रमाण पत्र:-** प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु नामांकन पत्र दाखिल करने वाले प्रत्याशी को महासभा के प्रधान/महामंत्री से नामांकन दिनांक से **7 दिवस पूर्व नोड्यूज प्रमाण पत्र** प्राप्त करना आवश्यक होगा। नोडयूज प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा।

**10. अपने पद का त्याग पत्र:-** प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने वाले प्रत्याशी यदि महासभा की किसी भी इकाई में किसी भी पद पर हैं तो उन्हें अपना स्वीकृत त्यागपत्र नामांकन पत्र के साथ दाखिल करना होगा। त्यागपत्र का स्वीकार होना आवश्यक है।

**11. किसी पद पर न होने की घोषणा:-** प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशी यदि महासभा से संबंधित किसी भी सभा/संस्था में पदाधिकारी नहीं है तो उन्हें सादे कागज पर घोषित करना होगा कि **''मैं महासभा या इससे संबंधित किसी भी सभा में पदाधिकारी नहीं हूं''**। यह घोषणा नामांकन पत्र के साथ संलग्न करनी होगी।

**12. नामांकन हेतु शपथ पत्र:-** प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु नामांकन के समय प्रत्याशी को स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित **₹500**/-रूपयें के स्टांप पेपर पर नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र जिसमें यह उल्लेख होगा कि **''यदि मैं आवेदित पद पर निर्वाचित होता हूँ तो अपने स्वयं के 3 वर्षीय कार्यकाल उपरांत आने वाले नये प्रदेशाध्यक्ष को एक माह के भीतर प्रभार (चार्ज) सौंप दूंगा''** तथा मेरे कार्यकाल के दायित्वों की जवाबदारी भी मेरी ही होगी। मैं अपने कार्यकाल का दायित्व आगामी प्रदेशाध्यक्ष को नही दूंगा।

**13. पात्रता संबंधित नियम:-**

1. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी को **महासभा का न्यूनतम (पत्रिका सहित या रहित) संरक्षक सदस्य** होना आवश्यक है।
2. महासभा के पत्रिका रहित **500/-** रूपये के सदस्य यदि चुनाव जीत जाते है तो उन्हें चुनाव दिनांक से एक माह के भीतर **1600/-** रुपए जमा कर के **2100/-** रुपए का पत्रिका वाला सदस्य बनना अनिवार्य होगा।
3. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु चुनाव दिनांक से **60 दिवस** पूर्व बने हुए सदस्य या चुनाव अधिसूचना/ कार्यक्रम में वर्णित सदस्य बनने की अंतिम दिनांक तक बने हुए सदस्य ही पात्र होंगे।
4. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन दाखिल करते समय संबंधित प्रदेश की मतदाता सूची में प्रत्याशी का नाम होना आवश्यक है।
5. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन दिनांक को प्रत्याशी की आयु न्यूनतम **40 वर्ष** या अधिक होना आवश्यक है।
6. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी को न्यायालय द्वारा अपराधिक मामलों में दंडित, मानसिक रोग तथा लाईलाज बीमारी से ग्रसित एवं महासभा से निष्कासित नहीं होना चाहिए अन्यथा वे पात्र नहीं होगें।

**14. नामांकन से संबंधित सामान्य नियम:-** प्रदेशाध्यक्ष पद के नामांकन हेतू नामांकन से संबंधित सामान्य नियम निम्नानुसार है:-

**1.** प्रदेशाध्यक्ष पद के नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने, नाम वापसी या किसी भी प्रकार की घोषणा आदि जारी अधिसूचना में दर्शाई गई है।

**2.** जारी अधिसूचना में स्थान परिवर्तन, समय परिवर्तन, समयावधि परिवर्तन आदि का संपूर्ण अधिकार मुख्य चुनाव अधिकारी का रहेगा।

**3.** प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु प्रस्तावक एवं अनुमोदक को महासभा का न्यूनतम **(पत्रिका सहित या रहित)** संरक्षक सदस्य होना आवश्यक है।

**4.** प्रत्याशी के प्रस्तावक एवं अनुमोदक केवल एक ही नामांकन आवेदन पत्र में हो सकेंगे। किसी अन्य नामांकन आवेदन पत्र में नहीं। ऐसा होने की स्थिति में बाद में प्राप्त होने वाले नामांकन आवेदन पत्र को रद्द कर दिया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रत्याशी की होगी।

**5.** प्रत्याशी स्वयं किसी अन्य प्रत्याशी का प्रस्तावक एवं अनुमोदक नहीं हो सकेगे। ऐसा होने की स्थिति में प्रत्याशी का स्वयं का नामांकन आवेदन पत्र रद्द कर दिया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रत्याशी की रहेगी।

**6.** नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करते समय प्रत्याशी को स्वयं उपस्थित रहना होगा साथ ही प्रत्याशी का एक प्रस्तावक एवं दो अनुमोदक जो कि नामांकन आवेदन पत्र में दर्शाये गये हैं उनको भी स्वयं उपस्थित रहना अनिवार्य होगा।

**7.** प्रत्याशी, प्रस्तावक व अनुमोदक को अपने पहचान पत्र की मूल प्रति नामांकन के समय सत्यापन हेतु दिखानी होगी। नामांकन के समय प्रत्याशी, प्रस्तावक एवं अनुमोदक को परिचय के लिए महासभा द्वारा जारी परिचय पत्र के साथ ही सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र (ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड अथवा अन्य कोई फोटो युक्त पहचान पत्र) की फोटो प्रति नामांकन पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक है। चुनाव अधिकारियो द्वारा मांगने पर मूल प्रति भी दिखाना आवश्यक है।

**8.** प्रत्याशी एक अथवा एक से अधिक नामांकन आवेदन पत्र दाखिल कर सकता है। एक से अधिक नामांकन आवेदन पत्र जमा होने की स्थिति में किसी भी एक सही नामांकन आवेदन पत्र को मान्यता देते हुए शेष को रद्द कर दिया जाएगा तथा जमा चुनाव व्यवस्था शुल्क वापस नहीं होगा। प्रत्याशी द्वारा यदि **1 से अधिक नामांकन आवेदन पत्र** दाखिल किया जाता हैं तो प्रत्येक के साथ चुनाव व्यवस्था शुल्क एवं आवश्यक दस्तावेज पृथक-पृथक जमा करना आवश्यक होगा।

**9.** नामांकन प्रक्रिया में अंतिम प्रत्याशी एक ही रहने की स्थिति में चुनाव अधिकारी द्वारा उसे संबंधित प्रदेश सभा का प्रदेशाध्यक्ष घोषित करते हुए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जावेगी।

**10.** नामांकन प्रक्रिया में एक से अधिक प्रत्याशी अंतिम रहने की स्थिति में उन्हें चुनाव चिन्ह आंवटित कर दिए जाएंगे और जारी अधिसूचना के अनुसार गुप्त मतदान द्वारा चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। चुनाव चिन्ह अंग्रेजी के अलफावेट के अनुसार आंवटित होंगें।

**11.** प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटन के समय चुनाव अधिकारियों के समक्ष स्वयं उपस्थित रहना अनिवार्य है। यदि चुनाव चिन्ह आवंटन के समय प्रत्याशी स्वयं उपस्थित नहीं रहते हैं तो उनका नामांकन आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा और इस पर कोई तर्क वितर्क नहीं हो सकेगा।

**15. नामांकन आवेदन पत्र रद्द होने के प्रमुख कारण:-**

**1.** नामांकन पत्र में कोई भी सूचना अपूर्ण होने पर।
**2.** प्रत्याशी, प्रस्तावक एवं अनुमोदक की सदस्यता संख्या का मिलान नहीं होने पर।
**3.** नामांकन नियमानुसार आवश्यक दस्तावेज नहीं होने पर।
**4.** प्रत्याशी, प्रस्तावक एवं अनुमोदक का उसे क्षेत्र की मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर।
**5.** प्रत्याशी द्वारा महासभा प्रधान पद पर दो कार्यकाल पूर्ण कर निरंतर तीसरी बार नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने पर।
**6.** नामांकन आवेदन पत्र में गलत सूचना दर्शाए जाने पर।
**7.** प्रत्याशी की पात्रता नियमानुसार नहीं होने पर।
**8.** नामांकन आवेदन पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजों में बदलाव करने अथवा काट छांट करने पर।
**9.** प्रत्याशी द्वारा नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने और सही पाए जाने के पश्चात भी यदि उसके विरुद्ध लिखित शिकायत प्रमाण सहित प्राप्त होती है तो उस स्थिति में किसी भी स्तर उसे अयोग्य घोषित किया जा सकेगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रत्याशी की होगी। अतः प्रत्याशी सत्यता के आधार पर ही नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करें।

**16. निरंतर का नियम:-** महासभा का कोई भी सदस्य निरंतर (लगातार) **2 बार** से अधिक प्रदेशाध्यक्ष नहीं बन सकेगा। यदि कोई सदस्य तीसरी बार निरंतर प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन करता है तो उसका नामांकन निरस्त कर दिया जाएगा। यदि कोई सदस्य संबंधित प्रदेश सभा का तीसरी बार प्रदेशाध्यक्ष बनना चाहता है तो उसे एक सत्र का गैप (ब्रेक) देना होगा।

**17. मतदाता सूची संबंधित नियम:-**

**1.** प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु निर्धारित दिनांक तक मतदाता सूची में संशोधन लिखित पत्र द्वारा एवं ईमेल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर संभव हो सकेगा। अधिसूचना जारी होने के बाद सदस्यता स्थानांतरण का निवेदन मान्य नहीं होगा।

**2.** प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु मतदाता सूची का प्रकाशन चुनाव कार्यक्रम अनुसार निर्धारित दिनांक को किया जावेगा।

**3.** अंतिम संशोधित मतदाता सूची जारी होने के पश्चात किसी भी प्रकार का संशोधन एवं आपत्ति मान्य नहीं होगी और किसी भी न्यायालय में परिवाद हेतु वैद्य नहीं मानी जावेगी।

**4.** नामांकन के समय घोषित अंतिम सूची के प्रत्याशियों को मतदाता सूची निशुल्क दी जाएगी। मतदाता सूची केवल डिजिटल दी जावेगी।

**5.** इसके अतिरिक्त किसी को मतदाता सूची की आवश्यकता है तो सशुल्क रुपए **3/-प्रति** पृष्ठ अनुसार महासभा कार्यालय से व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

**18. आवश्यक सूचीयो का प्रकाशन:-** प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव हेतु मतदान केंद्र एवं मतदान स्थल सहित बूथ प्रभारियों की सूची पत्रिका/वेबसाईट/अन्य माध्यम से समयानुसार प्रकाशित की जावेगी।

**19. बूथ निर्धारण:-**बूथ निर्धारण नामांकन पूर्व किया जाना प्रस्तावित है लेकिन देरी होने की अवधि में बूथ अनुसार मतदाता सूची तैयार करने मे भी समय लग सकता है। मतदाता सूची बूथ अनुसार तैयार होते ही सार्वजनिक कर दी जावेगी साथ ही प्रत्याशी की मांग पर उन्हे अलग से भी दी जाएगी ।

**20. मतपत्र का नमूना:-**प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव हेतु मतपत्र का नमूना महासभा की पत्रिका में प्रकाशित किया जावेगा।

**21. प्रदेशाध्यक्ष पद का कार्यकाल:-** प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद का कार्यकाल उनके चुने जाने की दिनांक से **3 वर्ष** का रहेगा।

**22. नामांकन दिनांक के बाद एवं चुनाव दिनांक के पूर्व:-**

**1.** कोई प्रत्याशी अपना नाम किसी अन्य प्रत्याशी के पक्ष में वापस ले लेता है, तब भी मत पत्र पर उसका नाम प्रकाशित होगा। चाहे उसने चुनाव अधिकारी को इसकी सूचना दी हो या नहीं।

**2.** यदि चुनाव में सभी प्रत्याशी किसी एक प्रत्याशी के समर्थन में अपना नाम वापस ले लेते है या चुनाव लडना नहीं चाहते हैं तो इसकी लिखित सूचना रुपये **500**/- के स्टाम्प पर नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र के साथ संबंधित चुनाव अधिकारी को दी जावेंगीं। ऐसी परिस्थिति में चुनाव में शेष रहे एक प्रत्याशी को चुनाव से पूर्व ही निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जावेगा और चुनाव दिनांक को चुनाव नहीं होंगे। चुनाव नहीं लडने या किसी अन्य प्रत्याशी के पक्ष के नाम वापस लेनें की उपरोक्तानसुार सूचना मतदान प्रारम्भ होने के समय से **7 दिवस** पूर्व देना आवश्यक होंगा अन्यथा सूचना पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

**23. चुनाव अधिसूचना:-** प्रदेशाध्यक्ष पद की चुनाव अधिसूचना एक बार जारी होने के बाद विशेष परिस्थितियो को छोडकर किसी भी दशा में बीच में नहीं रोकी जा सकेगी।

**24. आदर्श आचार संहिता:-**

**1.** चुनाव हेतु अधिसूचना जारी होने की दिनांक से आदर्श आचार संहिता लागू मानी जावेगीं और सम्बन्धित पदाधिकारी तथा सभा द्वारा कोई नीतिगत निर्णय नहीं लिया जा सकेगा ऐसा कोई कार्य नही किया जाएगा जिससे चुनाव प्रभावित होते हो या चुनाव में व्यवधान उत्पन्न होता हो।

**2.** सम्बन्धित पदाधिकारीयो द्वारा मुख्य चुनाव अधिकारी एवं चुनाव अधिकारीयो को सहयोग नहीं करना भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा।

**25.** नामांकन प्रस्तुति के समय प्रत्याशी सहित अधिकतम 7 व्यक्ति ही चुनाव अधिकारीयो के समक्ष उपस्थित हो सकेंगे जिससे नामांकन स्थल पर अनावश्यक भीड़ न हो तथा शांत वातावरण बना रहे और नामांकन कार्य में व्यवधान उत्पन्न ना हो।

**26.** प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशी नामांकन से पूर्व चुनाव संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश, सूचना एवं नियमो का भली भांति अवलोकन एवं अध्ययन कर लेवे।

**27.** प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों की सुविधा के लिए **"चुनाव निर्देशिका 2024"** महासभा की वेबसाइटपर पर उपलब्ध है।

**28. शिकायत एवं संशय:-** प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव से संबंधित शिकायत एवं संशय का निराकरण अंतिम रूप से महासभा के प्रधान एवं मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा किया जाएगा। महासभा प्रधान एवं मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया निर्णय अंतिम सर्वसम्मत और सभी के लिए सर्वमान्य एवं बंधनकारी होगा।

**29. अन्य सूचना, दिशा-निर्देश एवं नियम:-** प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव से संबंधित उपरोक्त के अतिरिक्त तात्कालिक परिस्थितियों को देखते हुए और भी दिशा निर्देश, सूचना तथा नियम हो सकते हैं जो चुनाव प्रक्रिया के अनुक्रम में समयानुसार जारी किए जा सकेंगे। ऐसी सूचना तथा नियम भी निर्देशिका के भांति ही लागू एवं मान्य होगे।

**30. न्याय क्षेत्र:-** प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव के संबंध में किसी भी विवादित मामले के लिये न्याय क्षेत्र दिल्ली रहेगा।

**31.** चुनाव संपन्न कराने हेतु महासभा महामंत्री **श्री सांवरमल जांगिड नोडल अधिकारी** रहेंगे।

**32.** प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न कराने हेतु निम्न अनुसार चुनाव अधिकारी मनोनीत किए जाते हैं:-

## -- चुनाव अधिकारी –

**प्रदेशाध्यक्ष उत्तराखंड-**
**(1) श्री मनोहर लाल शर्मा (दूरदर्शन)**
**जयपुर 941440 5658**
**(2) श्री ब्रह्मदेव शर्मा**
**ब्यावर 97836 94225**

**प्रदेशाध्यक्ष छत्तीसगढ़-**
**(1) श्री मक्खन लाल जांगिड**
**नागपुर 88306 46212**
**(2) श्री देबू जांगिड**
**नागपुर 942210 8441**

**प्रदेशाध्यक्ष कर्नाटक-**
**(1) श्री मनोहर लाल जांगिड**
**जयपुर 9610016008**
**(2) श्री रामजीलाल जांगिड**
**जयपुर 9829654360**

**प्रदेशाध्यक्ष गुजरात-**
**(1) श्री शंकर जांगिड**
**जयपुर 9468584094**
**(2) श्री प्रहलाद दूजोद**
**सीकर 8140229679**

********

**प्रवीण कुमार शर्मा**
**मुख्य चुनाव अधिकारी,**
**महासभा-दिल्ली**

# महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला, (इन्दौर)

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स, दिल्ली

श्री अशोक कुमार बरनेला, इन्दौर

श्री पी.एल.शास्त्री, गुड़गांव

श्री देबूराम जांगिड, दिल्ली

श्री रामनिवास शर्मा, दिल्ली

श्री राजेन्द्र शर्मा, इन्दौर

श्री निर्मल कुमार जांगिड, इन्दौर

श्री लीलू राम शर्मा, दिल्ली

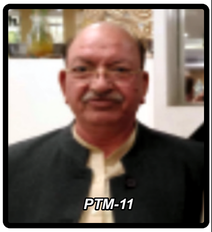

श्री रमेशचन्द शर्मा 'सरपंच', दिल्ली

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली

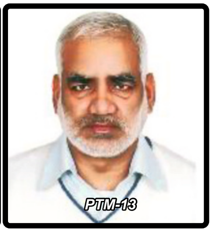

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली

श्री श्रीगोपाल चोयल, अजमेर

श्री कृष्ण कुमार शर्मा, मुम्बई

श्री विद्यासागर जांगिड, गुड़गांव

श्री सुशील कुमार शर्मा, कोलकता

श्री सांवरमल जांगिड, सीकर

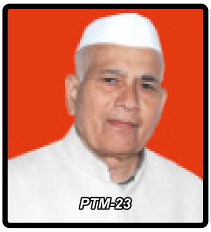

श्री रघुवीर सिंह आर्य, शामली

श्री वेदप्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री प्रभुदयाल शर्मा, देवास

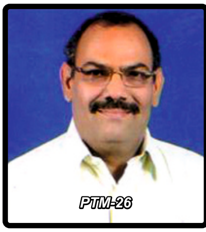

श्री प्रहलादराय शर्मा, इन्दौर

श्री पूनाराम जांगिड, जोधपुर

श्री ललित जड़वाल, अजमेर

श्री मीता राम जांगिड, मुम्बई

# महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

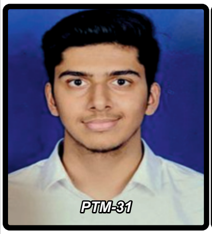

श्री यश अजय शर्मा, मुम्बई

श्री रविन्द्र शर्मा, बीकानेर

श्री जवाहरलाल जांगिड, उज्जैन

श्री नरेश जांगिड, गुड़गांव

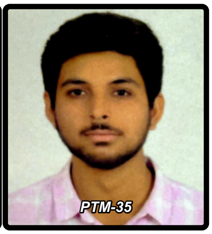

श्री भुवन जांगिड, गुड़गांव

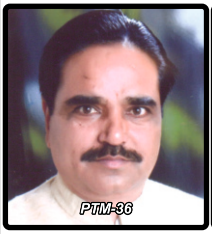

श्री कृष्ण कुमार जांगिड, गुड़गांव

श्री किशन लाल शर्मा, नागपुर

श्री किशोर जी मोखा, नागपुर

श्री बाबू लाल शर्मा, अहमदाबाद

श्री नारायण दत्त, साड़ीवाले, दिल्ली

श्री ओमप्रकाश जांगिड, दिल्ली

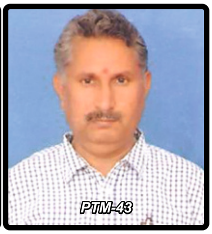

श्री धनपत शर्मा, फरीदाबाद

श्री सुरेन्द्र शर्मा, अहमदाबाद

श्री सत्यनारायण शर्मा, दिल्ली

श्री सोमदत्त शर्मा, दिल्ली

श्री बी.सी. शर्मा, जयपुर

श्री सुरेश शर्मा, नीमच

श्री नितिन शर्मा, इन्दौर

श्री प्रमोद कुमार जांगिड, सूरत

श्री हुकुमचन्द जांगिड, इन्दौर

श्री सत्यनारायण जांगिड, इन्दौर

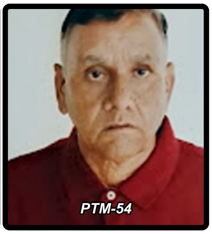

श्री गजानन जांगिड, जालना

श्री अशोक कुमार मोखा, नागपुर

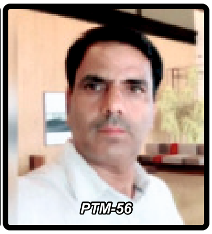

श्री घनश्याम जांगिड, बैंगलुरू

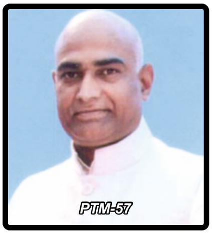

श्री देवमणि जांगिड, दिल्ली

# महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री फूलकुमार शर्मा, द्वारका-दिल्ली

श्री अमराराम जांगिड, जोधपुर

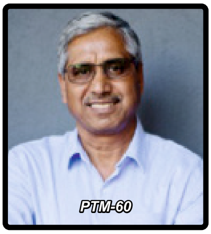

श्री रमेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री रविशंकर शर्मा, जयपुर

श्री यादराम जांगिड, दिल्ली

श्री बाबू लाल, बैंगलुरू

श्री अशोक दत्तु राम, अहमदाबाद

श्री दयानन्द शर्मा, दिल्ली

श्री यशवंत नेपालिया, अजमेर

श्री राधेश्याम शर्मा, वापी

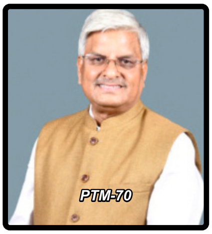

श्री रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

श्री गोपाल शर्मा, कोरबा

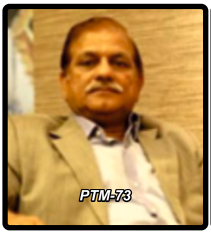

श्री भंवर लाल कुलरिया, मुम्बई

श्री अमित कुमार शर्मा, जयपुर

श्री नरेश चन्द्र शर्मा, बैंगलुरू

श्री भीमराज शर्मा, जयपुर

श्री रवि जांगिड, बैंगलुरू

श्री भंवरलाल सुथार, गोवा

श्री रामनिवास शर्मा, भिलाई

श्री शुभम शर्मा, कोरबा

श्री नानूराम जांगिड, धुलिया

श्री प्रहलाद शर्मा, जयपुर

श्री रीछपाल शर्मा, बिलासपुर, छ.ग.

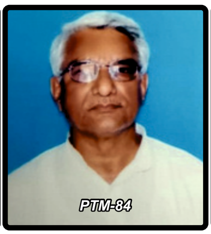

श्री धर्मचन्द शर्मा, बस्तर

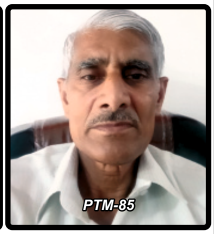

श्री राधेश्याम जांगिड, रेनवाल

# महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कन्हैया लाल खाती, अजमेर

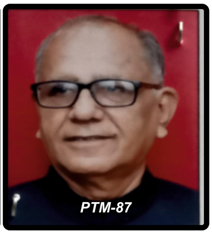

श्री कन्हैया लाल सिलक, अजमेर

श्री अनिल शर्मा, इन्दौर

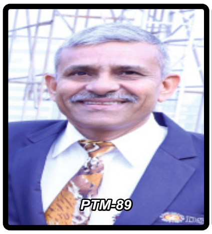

श्री धन सिंह जांगिड, फरीदाबाद

श्री लालचन्द जांगिड, नारनौल

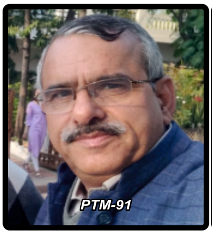

श्री रोहिताश जांगिड, औरंगाबाद

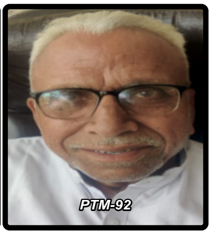

श्री सांवरमल जांगिड, बांसवाडा

श्री महावीरप्रसाद जांगिड,अहमदाबाद

श्री शंकरलाल जांगिड, जयपुर

श्री संजय शर्मा, चित्तौड़गढ़

श्री जगतराम भद्रेचा, बंगलौर

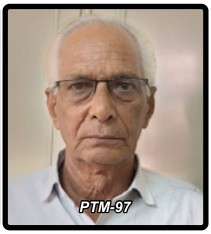

श्री पुरूषोत्तम लाल जांगिड, जयपुर

श्री अनिल शर्मा, चंडीगढ़

श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड, गुरूग्राम

श्री नेमीचन्द जांगिड, सूरत

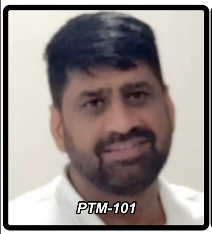

श्री चिरंजीलाल जांगिड, इन्दौर

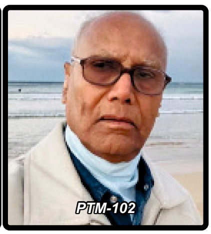

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, सूरत

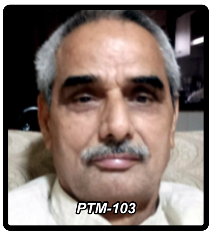

श्री सत्यपाल वर्त्स, बहादुरगढ़

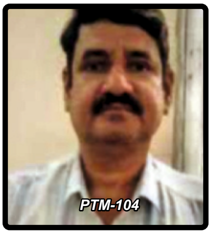

श्री सोमदत्त शर्मा, लखनऊ

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री अनिल शर्मा, तेलंगाना

श्री मुकेश जांगिड, तेलंगाना

श्री भंवरलाल जांगिड, सूरत

श्री जगदीश खण्डेलवाल, दिल्ली

श्री भंवरलाल शर्मा, पाली,राज०

# महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री प्रहलाद चन्द शर्मा, बैंगलुरू

श्री नानूराम जांगिड, हिंगोली,

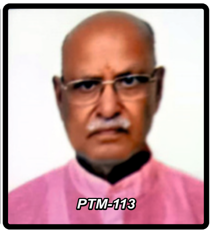

श्री रामानन्द शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री कैलाश जांगिड, सूरत

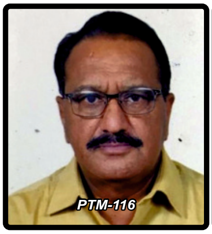

श्री मदन लाल शर्मा, वडोदरा

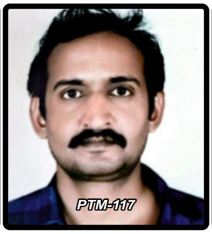

श्री गजानन्द जांगिड, सूरत

श्री हरिराम शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

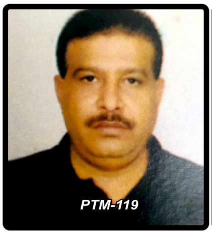

श्री सतवीर शर्मा, गुरूग्राम

श्री किशोरी लाल शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

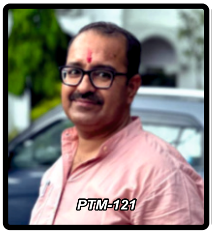

श्री सुनील सिद्धड, चिड़ावा, झुंझुनू

श्री सुरेश कुमार जांगिड, नजफगढ़

श्री मोहन पंवार, सागरपुर दिल्ली

श्री रामावतार जांगिड, सरदारशहर, चूरू

श्री राजील कुमार जांगिड, सूरत

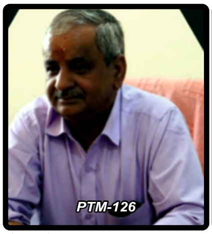

श्री सादीराम जांगिड, हनुमानगढ़,रा0

श्री मामराज मिस्त्री, सूरत

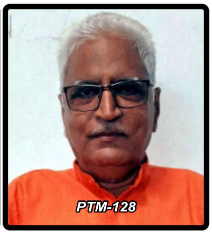

श्री सागरमल जांगिड, वडोदरा

श्री सुनील कुमार जांगिड, महाराष्ट्र

श्री महेश कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री किशन लाल जांगिड, जयपुर

श्री एकलिंग प्रसाद सुथार, सूरत

श्री राजेश जांगिड, हैदराबाद

श्री सियाराम जांगिड, हैदराबाद

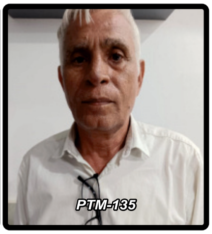

श्री रामवतार शर्मा,तिरूवल्लुर,तमिलनाडू

# महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री सतीश कुमार जांगिड,(किशनगढ़ बास)वलसाड

श्री शंकरलाल माकड़, हैदराबाद

श्री महेश चन्द शर्मा, साध नगर, दिल्ली

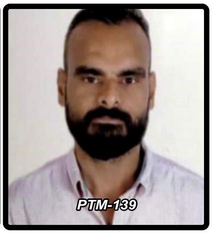

श्री राकेश जांगिड, सूरत

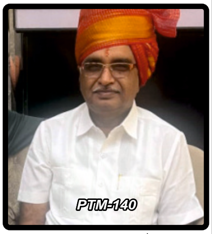

श्री देवकरण जांगिड, हैदराबाद

श्री सुभाष शर्मा, भरूच

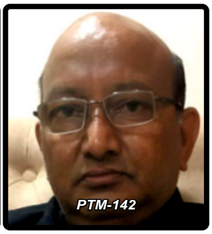

श्री महेश शर्मा, बैंगलुरू

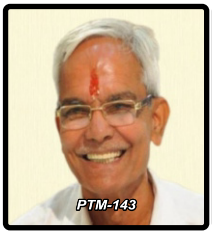

श्री चंद्र प्रकाश शर्मा, गांधीधाम,कच्छ

श्री सतवीर जांगिड, बैंगलुरू

श्री महेन्द्र सिंह जांगिड, धारूहेड़ा रेवाड़ी

श्री पूरनमल जांगिड, सूरत

स्वर्गीय श्री नरेश शर्मा, भरूच

श्री बंशीधर जांगिड, भरूच

श्री मुकेश कुमार जांगिड, हिम्मतनगर

श्री गोपाल जांगिड, गांधी नगर

श्री राजेन्द्र कुमार डभाण, खेड़ा

श्री ओम प्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

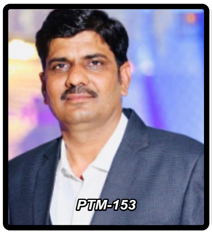

श्री अरूण कुमार डभाण, खेड़ा

श्री कैलाश चंद्र शर्मा, डभाण, खेड़ा

श्री मदन लाल सुथार, भरूच

श्री महेन्द्र जांगिड, भरूच

श्री कन्हैया लाल, (ओजटू वाले) बैंगलुरू

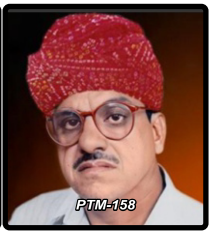

श्री शंकरलाल जांगिड, झुंझुनूं

श्रीमती उषा बरड़वा धर्मपत्नी श्री आनन्द बरड़वा, कोटा राज०

श्री देवेन्द्र शर्मा, उदयपुर, राजस्थान

# महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

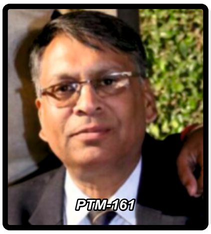

श्री नरोत्तम लाल जांगिड, फरीदाबाद, हरियाणा

श्री हजारी लाल शर्मा, जयपुर, राज0

# वधु चाहिए

1. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 05.11.1992, Height 5'9", Birth place- Meerut (UP), Education -B.Tech, MBA,Job-Private, Gotra : Kaloniya, Ransiwal, Vashisth, Present Address- Lucknow, (UP), Contact-6394740576, 9454969269

**2**. Wanted a suitable bride for our son Kshitiz Sharma, born on 26 Aug 1992 (5.06 PM) at Bombay, height 5'7", fair complexion, standard build, pure vegetarian, non smoking, non drinker, B.Tech (Instrumentation & Controls, VIT Pune), self employed from home (Lucknow) at NSE/BSE. Family Details-Siblings: one unmarried younger brother, Father: Retired Central Government Officer (MoD), Mother: Homemaker. **Gotra** Mother: Aghmarshan, Nani: Bhardwaj, Father :Gautam, Dadi: Vats Contact-9403285301 (Mother), 9403285310 (Father)

**3.** Wanted a suitable bride for our son Shardul Sharma, born on 04 Jan 1994 (09.55 AM) at Bombay, height 5'8", fair complexion, standard build, pure vegetarian, non smoking, non drinker, Dip in Civil Engg (DY Patil Institute, Pune), International/Fair Play Arbiter at Delhi Chess Association and proprietor of M/s VKS INFRA (Registered with MES). Family Details -Siblings: one unmarried elder brother, Father Retired Central Government Officer (MoD), Mother: Homemaker, **Gotra** Mother: Aghmarshan, Nani Bhardwaj, Father: Gautam, Dadi: Vats, Contact-9403285301 (Mother), 9403285310 (Father)

**4.** Wanted a suitable match for a jangid Brahmin boy. D.O.B. 28-06-1995, Height : 5'10", Birth Place : Hisar (haryana) Education MBBS. Job : MO in Holy Care Hospital Agroha Mod Hisar. Gotra : Self - Dhansuia, Mother- Barwadia, Dadi-Tonguriya. Present address - Hisar (Haryana) Contact No- 9350842225, 9873136514, 9467537100

# वर चाहिए

Wanted a suitable match for healthy & pleasant personality J.B. girl, D.O.B.-06/03/1996, Birth Time: 01:15 PM, Ht.- 5'1", Birth Place: Bikaner, residence in Jodhpur Rajasthan, Education- B.Tech(Electronics & Communiation) **Shasan:** Motiyar, Kalunia, Mandan, Jadwal, **Contact-** Mr. Naresh Motiyar,(Xen RRVPNL)-9214406908

# महासभा दिल्ली के इक्यावन हजार रूपये के स्वर्ण सदस्य

श्री मदनलाल जांगिड
जोधपुर

श्री मुरारी लाल शर्मा
अहमदाबाद

श्री राजतिलक जांगिड
गुड़गांव

श्री मनोज कु.जांगिड
अहमदाबाद

श्री सुरेश कु.जांगिड
इन्दौर

श्री घनश्याम कडवानिया
इन्दौर

श्री बंशीलाल शर्मा
इन्दौर

श्री सीताराम जांगिड
नागपुर

श्री बंशीलाल शर्मा
जयपुर

श्रीमती शारदा शर्मा
दिल्ली

श्री सांवरमल जांगिड
गोवा

श्री रमेशचन्द्र शर्मा
इन्दौर

श्रीमती सुमित्रा देवी जांगिड
अहमदाबाद

श्री मोतीराम जांगिड
रींगस–सीकर

समस्त प्रबुद्ध समाज बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि महासभा को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए अधिक से अधिक प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत सदस्य बने।

श्री प्रेमाराम जांगिड
अहमदाबाद,

श्री महेन्द्र जांगिड (पंवार)
इन्दौर

# महासभा दिल्ली के पच्चीस हजार रूपये के रजत सदस्य

पं. भीम सिंह , दिल्ली

पं. किशनराम शर्मा, नागपुर

पं. राजेश शर्मा, अहमदाबाद

पं. विजय शर्मा, जोधपुर

पं. भंवरलाल जांगिड, नागपुर

पं. ईश्वर दत्त जांगडा, दिल्ली

पं. रघुनाथ जांगिड, नागपुर

पं. सत्यनारायण जांगिड, नागपुर

पं. बृजमोहन जांगिड, नागपुर

श्रीमती शान्ति शर्मा, कोटा

पं. चौथमल जांगिड, रींगस

पं. महेश जे. मोखा, नागपुर

श्री रामदयाल जांगिड, दुर्ग

श्रीमती लीलावती शर्मा, नीमच

श्री निकुंज शर्मा, लखनऊ

**जीवन में सफलता के लिए
सत्य को सुनना, समझना, और
सत्य बोलना भी जरूरी है**

श्रीमती निति रसीवाल, लखनऊ

# मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला
(इन्दौर) पूर्व प्रधान महासभा
1,31,00,000/-

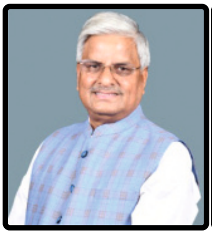
श्री रामपाल शर्मा
(बेंगलुरू) प्रधान महासभा
1,25,00,000/-

श्री भंवर लाल कुलरिया
मुम्बई,
31,00,000/-

श्री मीता राम जांगिड
मै.सुमित वुड वर्क्स लि.
(मुम्बई)
21,00,000/-

श्री पी.एल. शास्त्री,
(गुरूग्राम)
13,51,551

श्री कांति प्रसाद जांगिड
(टाईगर) (दिल्ली)
11,51,151/-

श्री लादूराम सिद्धड,
(संगम विहार, दिल्ली)
11,51,000/-

प्रमुख स्तंभ समाजसेवी
श्री रमेशचन्द शर्मा सरपंच एवं
श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली
11,50,500/-

श्री भंवरलाल गुगरिया
(बेंगलुरू)
11,01,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड
(बेंगलुरू)
11,01,000/-

श्री रविशंकर शर्मा,
(जयपुर), पूर्व प्रधान
महासभा 11,00,000/-

श्री सीताराम शर्मा
(बैंगलोर)
11,00,000/-

श्री एकलिंग प्रसाद जांगिड
सूरत, महासभा भवन हेतु ग्रेनाइट सहित
11,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली
(सीकर, राजस्थान वाले),
11,00,000/-

श्री लक्ष्मण जांगिड
(मुम्बई)
11,00,000/-

श्री कैलाश चन्द जांगिड
आया नगर, दिल्ली
11,00,000

श्री मदन लाल जांगिड
(कानपुरा वाले)द्वारका दिल्ली
11,00,000

श्री लीलूराम शर्मा
चेयरमैन,जा.ब्रा.शिरोमणी सभा,दिल्ली
7,50,000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स(पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा)
एवं श्री दिनेश कुमार वत्स, दिल्ली
5,55,551/-

श्री अनिल कुमार जांगिड,
आया नगर, दिल्ली
5,51,000/-

# मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री अमरा राम जांगिड
जोधपुर, अंतरराष्ट्रीय
प्रकोष्ठ, 5,51,000/-

श्री मधुसूदन आमेरिया,
(जयपुर)
5,11,000/-

श्री सतीश शर्मा
(द्वारका, दिल्ली)
5,11,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा
(अहमदाबाद)
5,00,111/-

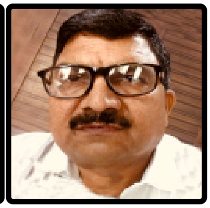

श्री प्रभुदयाल शर्मा
(वाराणसी)
5,00,000/-

श्री रमेश शर्मा
बेंगलुरू
5,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड
सूरत
5,00,000/-

श्री प्रमोद जांगिड, श्री रकेश जांगिड,
दिनेश जांगिड एवं रेखा जांगिड,
सम्मिलित रूप से सूरत गुजरात
5,00,000/-

जांगिड वेलफेयर सोसायटी
यमुना विहार दिल्ली
5,00,000/-

श्री सुरेश शर्मा
सावेर रोड, इन्दौर
5,00,000

श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(मंडावाले)इन्दौर
5,00,000/-

श्री नानूराम जांगिड
(हिंगोली)
5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी
श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
5,00000/-

**राजस्थान प्रदेशसभा**
**5,00,000/-**

श्री सुनील कुमार शर्मा
(चित्तौडगढ)
5,00,000/-

श्री नवीन जांगिड
(जयपुर)
5,00,000/-

श्री एम.डी.शर्मा
जोधपुर
5,00,000/-

श्री पूनाराम जांगिड(बरनेला)
(जोधपुर)
5,00,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड
(मीरा रोड, भायन्दर)
5,00,000/-

श्री फूल कुमार शर्मा
(पूजा भट्टा वाले),सोनीपत,हरि.
5,00,000

# मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
सूरत
4,25,000/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड,
धारूहेड़ा, रेवाड़ी
3,51,000/-

श्री नरेश चन्द्र शर्मा
बेंगलुरू
3,02,000

डॉ. शेरसिंह जांगिड
गुड़गांव,(पूर्व.प्र.अ.हरि.)
2,62,111/-

श्री सोमदत्त शर्मा नांगलोई
पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा, दिल्ली
2,52,151/-

श्री सीताराम शर्मा
(पूर्व जिला प्रमुख, करौली),
दिल्ली 2,51,151/-

श्री अभय शर्मा
रामगंज, अजमेर
2,51,051/-

श्री रवि जांगिड
(बेंगलुरू)
2,51,000/-

श्रीमती सावित्री शर्मा
धर्मपत्नी श्री बाबूलाल
(बेंगलुरू) 2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली
(प्रधान शिरोमणी सभा)
2,51,000/-

श्री अशोक जांगडा
(नजफगढ़, दिल्ली)
2,51,000/-

श्री किशनलाल शर्मा
(रोहिणी, दिल्ली)
2,51,000/-

श्री नीरज शर्मा
हरि नगर, दिल्ली
2,51,000/-

श्री इंदरचंद चांदराम जांगिड,
मुम्बई
2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा
(मुम्बई),
2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड
(मुम्बई),
2,51,000/-

श्री सुभाषचंद्र जांगिड
(भाईदर,वेस्ट,मुम्बई)
2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड
(जयपुर),
2,51,000/-

श्री सुभाष (बोरवेल वाले)
(जयपुर)
2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा
(नदबई),
2,51,000/-

# मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री बनवारी लाल खंडेलसर (सीकर), 2,51,000/-

श्री रामकरण शर्मा (फरीदाबाद) 2,51,000/-

श्री टेकचन्द शर्मा, फरीदाबाद (हरि.) 2,51,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा देवास, (मध्य प्रदेश) 2,50,000/-

श्री प्रहलादराय जांगिड (नांदेड) 2,50,000/-

श्री जगदीश प्रसाद जांगिड बदरपुर दिल्ली 2,50,000/-

श्री दीपक कुलरिया कीर्ति नगर, दिल्ली 2,50,000/-

श्री लक्ष्मी नारायण जांगिड गुडगांव 2,22,222/-

श्री प्रभुदयाल बरनेला इन्दौर, मध्य प्रदेश 2,21,101/-

श्री बाबूलाल शर्मा (अहमदाबाद) 2,01,000/-

श्री संजय शर्मा हर्षवाल (जयपुर) 2,00,000/-

**जिलासभा बाड़मेर 2,00,000/-**

श्री जगन्नाथ जांगिड, बावल-रेवाडी 1,72,000/-

श्री खुशीराम जांगिड धारूहेडा-रेवाड़ी 1,72,000/-

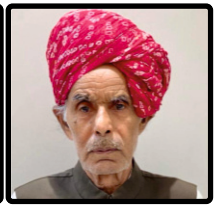
श्री चांदमल बालुराम जांगिड सूरत, राजलोता 1,61,000/-

श्री चौथमल जांगिड सौरभ विहार, दिल्ली प्रधान कार्यालय फर्नीचर, 1,61,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा दिल्ली 1,53,000/-

श्री शिव चन्द्र, अटेली मण्डी, नारनौल, महेन्द्रगढ 1,51,555/-

श्री सत्यपाल वत्स, (बहादुरगढ़) 1,51,251/-

श्री बाबू लाल शर्मा (इन्दौर, मध्य प्रदेश) 1,51,151/-

# मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री देवी सिंह ठेकेदार
करावल नगर
1,51,111/-

श्री वेद प्रकाश आर्य
सवाई माधोपुर
1,51,001/-

श्री विजय शर्मा
शामली
1,51,000/-

श्री वीरेन्द्र शर्मा
(शामली)
1,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया
बेंगलूरू
1,51,000/-

श्री मोहन लाल जांगिड
(गुजरात)
1,51,000/-

श्री चंद्राप्रकाश एवं
गुरूदत्त शर्मा
(गांधीधाम) 1,51,000/-

श्री द्वारका प्रसाद शर्मा
(वापी, गुजरात)
1,51,000/-

श्री दुलीचन्द जांगिड
सवाई माधोपुर
1,51,000/-

श्री देवेन्द्र गौतम,
उत्तम नगर (दिल्ली)
1,51,000/-

श्रीमती दयावंती धर्मपत्नी
श्री रामकिशन शर्मा,(डीसीपी)
द्वारका,दिल्ली 1,51,000/-

श्री विजय प्रकाश शर्मा
(द्वारका, दिल्ली)
1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा
यमुना विहार, दिल्ली
1,51,000/-

श्री श्रीकृष्ण जांगडा
रानी खेड़ा, दिल्ली
1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड
ठाणे, मुम्बई
1,51,000/-

श्री नानूराम जांगिड
धुलिया
1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड
(नागपुर)
1,51,000/-

श्री मोहनलाल दायमा
नासिक,
1,51,000/-

श्री बी.सी.शर्मा
जयपुर
1,51,000/-

श्रीमती ब्रह्मो देवी धर्मपत्नी
श्री नत्थूराम शर्मा,
बहादुरगढ़, 1,51,000/-

# मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

डॉ. मोतीलाल शर्मा
(वैशाली, जयपुर)
1,51,000/-

श्री ओम्प्रकाश शर्मा
(जी.ओ.जी.मार्बल जयपुर)
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
फूतली वाले, सागरपुर,दिल्ली
1,51,000/-

श्री हरीश एवं
नरेश दम्मीवाल
(जोधपुर) 1,51,000/-

श्री जवाहरलाल जांगिड,
उज्जैन (मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

श्री अनिल एस.जांगिड
(पूर्व महामंत्री महासभा)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री जयसिंह जांगडा
गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
पैरामाउंट इंजीनियर्स,गुरूग्राम
1,51,000/-

श्रीमती उर्मिला जांगिड
पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण
जांगिड, गुरूग्राम
1,51,000

श्रीमती सुषमा, धर्मपत्नी
श्री किशोर कुमार जांगिड
बहादुरगढ 1,51,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड
हिसार
1,51,000/-

श्रीमती शारदा देवी
W/o श्री महेन्द्र सिंह जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्री राधेयाम पालडिया
बोपल, अहमदाबाद, गुजरात
1,51,000/-

श्री प्रबोध कुमार जांगिड
उत्तम नगर, दिल्ली
1,51,000/-

स्व.श्री नेमीचन्द शर्मा
गांधीधाम, 1,51,000/-
पूर्व प्रधान महासभा

श्री तेजस लुंजा
बेंगलूरू
1,50,000/-

**जिलासभा**
**पुणे**
**1,50,000/-**

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया
(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री राजू जांगडा सुपुत्र
श्री ईश्वर सिंह ठेकेदार(नजफगढ़,
दिल्ली)-1,21,000/-

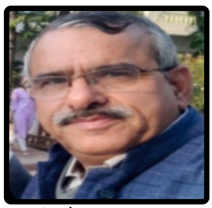
श्री रोहिताश जांगिड
(औरंगाबाद, महा0)
1,21,000/-

# मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

इंजि. जय इन्द्र शर्मा
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
1,11,121/-

श्री जटाशंकर शर्मा
(दमण, वापी)
1,11,111/-

श्री संजीव कुमार
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री विश्वकर्मा जांगिड
समाज सेवा समिति
सोजत, पाली
1,11,111/-

श्री फूलकुमार जांगडा,
(सोनीपत)
1,11,111/-

श्री रमेश कुमार
(सोनीपत, हरि.)
1,11,111/-

श्री प्रहलाद सहाय शर्मा,
बुलढाणा (महा.)
1,11,100/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य
शामली, (उत्तर प्रदेश)
1,11,000/-

**शाखासभा**
**उत्तम नगर**
**1,11,000/-**

श्री बनवारी लाल जांगिड,
(त्रिनगर, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री प्रवीण जांगिड
(द्वारका, दिल्ली )
1,11,000/-

श्रीमती शकुन्तला देवी धर्मपत्नी
स्व. श्री कृष्ण कु बिजेनिया
(द्वारका मोड, दिल्ली)
1,11,000/-

**शाखासभा**
**नजफगढ़**
**1,11,000/-**

श्री श्रीचन्द शर्मा
मुल्तान नगर (दिल्ली)
1,11,000/-

जांगिड ब्राह्मण
कल्याणकारी समिति
श्याम विहार, दिल्ली
1,11,000/-

श्री सुरेंद्र जांगिड
(दिल्ली)
1,11,000/-

श्री अमर सिंह जांगिड
(मुम्बई)
1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड एवं
श्री हरीशंकर जांगिड,
(जयपुर) 1,11,000/-

श्री महासिंह जांगडा
नांगलोई, दिल्ली
1,11,000

# मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री ओम नारायण शर्मा, साहिबाबाद
1,02,251

श्री ईश्वर दत्त जांगिड (रोहतक)
1,02,000/-

श्री राहुल जांगिड पूठ खुर्द
1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा समालखा (पानीपत)
1,01,111/-

श्री सुनील कुमार जांगिड मयुर विहार, दिल्ली
1,01,101/-

श्री अतरसिंह काला (नांगलोई, दिल्ली)
1,01,101/-

श्री बृजमोहन जांगिड (नागपुर)
1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड (नागपुर)
1,01,101/-

श्री चंपा लाल शर्मा (बुलढाणा )
1,01,100/-

श्री प्रमोद कुमार जांगिड (बड़ौत, उ.प्र.)
1,01,000/-

श्री रमेश चन्द शर्मा (प्रदेशाध्यक्ष-उत्तराखण्ड)
1,01,000/-

सीए अनिल कुमार शर्मा आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह आर्य कोंडली-पूर्वी दिल्ली
1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज ज्योति कॉलोनी-पूर्व महामंत्री
1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा ज्योति कालोनी दिल्ली 1,01,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा (नांगलोई, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा (मै.कमल प्रिंटर्स) दिल्ली 1,01,000/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड श्याम विहार, दिल्ली
1,01,000/-

श्री गंगादीन जांगिड (दिल्ली)
1,01000/-

श्री सत्य नारायण जांगिड, मन्दसौर (म.प्र.)
1,01,000/-

# मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री अशोक कमार शर्मा (औरंगाबाद) 1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड गोरेगांव, (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री इन्दरराम तेजाराम जांगिड (मुम्बई) 1,01,000/-

श्री गणेशमल सुथार राजलदेसर चुरू, 1,01,000/-

श्री रविन्द्र कुमार जांगिड (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री किशन लाल जांगिड जयपुर, 1,01,000/-

श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा (जयपुर,) 1,01,000/-

श्री हरिपाल शर्मा फालना, 1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड धर्मपत्नी श्री प्रदीप कुमार सोनीपत 1,01,000/-

श्री जगदीश चन्दर जांगिड (सोनीपत) 1,01,000/-

श्रीमती सुशीला शर्मा W/o श्री लखमीचन्द शर्मा कुण्डली, सोनीपत,1,01,000/-

श्री विश्वकर्मा महिला संकीर्तन मंडल, रामगंज, अजमेर 1,00,121/-

श्रीमती सुमित्रा देवी ओमप्रकाश शर्मा, पूर्व प्रधान म. 1,00,111/-

श्री मंगलसैन शर्मा (बड़ौत, उत्तर प्रदेश 1,00,000/-

श्री बजरंग शर्मा, दुर्ग (छत्तीसगढ़) 1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा (छतीसगढ़) 1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा (दिल्ली) 1,00,000/-

**जांगिड यूथ संगम विहार, दिल्ली 1,00,000/-**

# मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री सोमदत्त जांगिड
(नांगलोई, दिल्ली)
1,00,000/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा
सागरपुर दिल्ली,
1,00,001/-

श्री रमेश चंद शर्मा
(इंदौर)
1,00,000/-

श्री सूरजमल मिस्त्री
(मुम्बई, महा0)
1,00,000/-

श्री सूरजमल जांगिड
(हिंगोली)
1,00,000/-

श्री ललित जड़वाल
(अजमेर)
1,00,000/-

श्री पूरनचन्द एवं ओम
प्रकाश शर्मा,
नीमराना, 1,00,000/-

श्री गंगा राम जांगिड
(जयपुर)
1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड
(गुड़गांव)
1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड
(गुड़गांव)
1,00,000/-

श्री विजय शर्मा
(ताबडू)
1,00,000/-

श्री प्रेम कुमार जांगिड
करड वाले, GST
(सीकर)1,00,000/-

**जिलासभा**
**रायपुर**
**1,00,000/-**

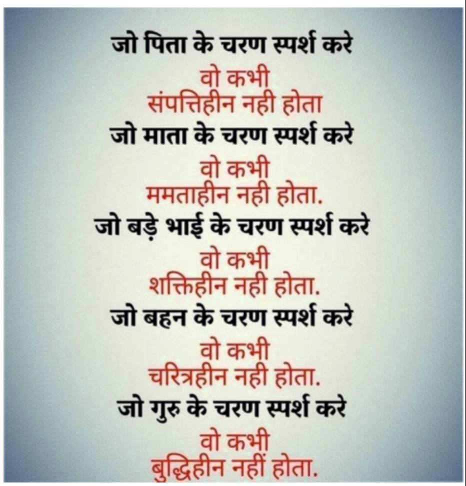

**जांगिड समाज के उदीयमान और उज्ज्वल भविष्य के द्योतक 10 वीं 12 वीं के छात्र-छात्राओं द्वारा राजस्थान बोर्ड की परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले को, महासभा रुपी परिवार की तरफ से हार्दिक बधाई और शुभ मंगल कामनाएं।**

**महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा।**

विजय जांगिड सुपुत्र श्री लक्ष्मण जांगिड
12वीं कक्षा में 98.60 प्रतिशत

हिमांशी जांगिड सुपुत्री श्री पूनम चन्द जांगिड
12वीं कक्षा में 94.67 प्रतिशत

चेताली शर्मा
12वीं कक्षा में 93.80 प्रतिशत

कुश शर्मा सुपुत्र श्री वेद प्रकाश शर्मा
12वीं कक्षा में 92.60 प्रतिशत

कीर्तिका जांगिड सुपुत्री श्री कैलाश चंद्र जांगिड
12वीं कक्षा में 91.60 प्रतिशत

सौम्या जांगिड सुपुत्री श्री महेश जांगिड
12वीं कक्षा में 91 प्रतिशत

हनिशा शर्मा सुपुत्री श्री योगेश शर्मा
12वीं कक्षा में 91 प्रतिशत

भाविका जांगिड सुपुत्री श्री देवेन्द्र जांगिड
12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत

भावना सुथार सुपुत्री श्री पेम्पाराम कुलरिया
10वीं कक्षा में 99.67 प्रतिशत

शीतल जांगिड सुपुत्री श्री देवेन्द्र जांगिड
10वीं कक्षा में 99.50 प्रतिशत

अदिति जांगिड सुपुत्री श्री मक्खन लाल जांगिड
10वीं कक्षा में 99.17 प्रतिशत

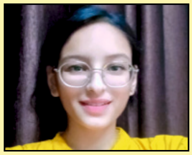
लतिका सुपुत्री श्री चिंरजी लाल जागिड
10वीं कक्षा 98.33 प्रतिशत

कामाक्षी शर्मा सुपुत्री श्री संजय शर्मा
10वीं कक्षा 98.03 प्रतिशत

कल्पना जांगिड
10वीं कक्षा 98 प्रतिशत

आर्यन जांगिड
10वीं कक्षा में 97.50 प्रतिशत

वर्षा जांगिड
10वीं कक्षा में 97.33 प्रतिशत

अमन जांगिड सुपुत्र श्री अजय कुमार जांगिड
10वीं कक्षा में 96.33 प्रतिशत

दृष्टि जांगिड सुपुत्री श्री गजानंद जांगिड
10वीं कक्षा में 96 प्रतिशत

कानिष्का जांगिड सुपुत्री श्री संजय जांगिड
10वीं कक्षा में 95.50 प्रतिशत

वंशिका जांगिड सुपुत्री श्री महेन्द्र जांगिड
10वीं कक्षा में 95.33 प्रतिशत

इशिका जांगिड जांगिड
10वीं कक्षा में 95.33 प्रतिशत

आर्यन जांगिड सुपुत्र श्री जितेन्द्र जांगिड
10वीं कक्षा में 95 प्रतिशत

युवराज शर्मा सुपुत्र श्री दिनेश चन्द शर्मा
12वीं कक्षा में 94.17 प्रतिशत

आर्शिया रावत सुपुत्री श्री कैलाश चन्द रावत
10वीं कक्षा में 93.40 प्रतिशत

सुनिधि रावत जांगिड सुपुत्री श्री केशव कुमार जांगिड
10वीं कक्षा में 92 प्रतिशत

आदित्य जांगिड सुपुत्र श्री मुकेश कुमार जांगिड
10वीं कक्षा में 81.50 प्रतिशत

साक्षी जांगिड सुपुत्री श्री विष्णु दत्त जांगिड
10वीं कक्षा में 91.33 प्रतिशत

दक्ष राजोतिया सुपुत्र श्री महेश कुमार राजोतिया
10वीं कक्षा में 91 प्रतिशत

# BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

*Our valued customers*

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

**SHARMA**
Group of companies

25 YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
**KANHAIYALAL SHARMA**
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
**SHARMA HYUNDAI**
Since 1998

**Ashram Road**
Call : 9099978327

**Satellite**
Call : 9099978334

**Parimal Garden**
Call : 9099978328

**Naroda**
Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MG
MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
**Kayakalp Cars Pvt. Ltd.**
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Posted at:L.P.C. DELHI
R.M.S., Delhi-06



Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26 of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

# भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

# Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

**Organization :**

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

**Adm. Office**
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

**Works:**
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 June 2025
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)